जबलपुर, सोमवार 1 जनवरी 2024 ■ पौष मास कृष्ण पक्ष-05 ■ वर्ष : 18, अंक : 240 ■ पृष्ठ : 18 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 27, न्यून. 13 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नव वर्ष की शुभकामनाएं 2024

इसरो की नए साल के पहले दिन ही
अंतरिक्ष में 'नई छलांग'

रचेगा इतिहास, पीएसएलवी-सी58 फ्लाइट के जरिए चार स्टार्ट-अप की होगी अंतरिक्ष में एंट्री

उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए साल के पहले दिन ही इसरो इतिहास रचेगा। पीएसएलवी-सी58 फ्लाइट के जरिए चार स्टार्ट-अप की अंतरिक्ष में एंट्री होगी। ध्रुव स्पेस पीएसएलवी-सी58 मिशन के तहत आकांक्षी पेलोड के लिए लॉन्चिंग अभियान एलईएपी-टीडी पेलोड के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष कक्षा में पी-30 नैनोसैटेलाइट प्लेटफॉर्म की मजबूती को दर्शाएगा। ये एक्सपीओसेट उपग्रह लॉन्च करेगा। चार भारतीय अंतरिक्ष अंतरिक्ष आधारित स्टार्ट-अप और अन्य अनुसंधान संस्थानों के पेलोड को पीएसएलवी रॉकेट के चौथे चरण पर रखा जाएगा जिसे पृथ्वी की निचली कक्षा में रखा जाएगा।

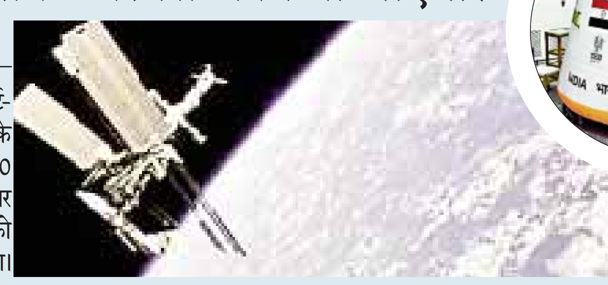

ब्लैक होल की जानकारी जुटाएगा भारतीय उपग्रह

एक्सओसेट का लक्ष्य उज्ज्वल खगोलीय एक्स-रे स्रोतों की जटिलताओं को उजागर करना, चरम स्थितियों में उनकी जटिल गतिशीलता की जांच करना है। अंतरिक्ष यान निम्न-पृथ्वी कक्षा अन्वेषण के लिए डिजाइन किए गए दो अत्याधुनिक वैज्ञानिक पेलोड ले जाता है। प्राथमिक उपकरण, पोलिक्स (एक्स-रे में पोलारिमीटर उपकरण) को ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण जैसे पोलारिमेट्री मापदंडों को मापने का काम सौंपा गया है। खगोलीय उत्पत्ति के 8-30 केवी फोटॉन की मध्यम एक्स-रे ऊर्जा रेंज में काम करते हुए, पोलिक्स आकाशीय पिंडों से एक्स-रे उत्सर्जन की हमारी समझ में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। एक्सओसेट में एक्सपेक्ट (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग) पेलोड भी है, जिसे 0.8-15 केवी की ऊर्जा रेंज में स्पेक्ट्रोस्कोपिक जानकारी प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है, जो ब्लैक होल, न्यूट्रॉन सहित विभिन्न खगोलीय स्रोतों के उत्सर्जन तंत्र में अमूल्य अंतर्दृष्टि, तारे, सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक, पल्सर पवन नीहारिकाएं और बहुत कुछप्रदान करता है। जबकि मौजूदा अंतरिक्ष-आधारित वेधशालाओं ने स्पेक्ट्रोस्कोपिक और टाइमिंग डेटा प्रस्तुत किया है। पोलारिमेट्री माप के अलावा दो महत्वपूर्ण आयाम पेश किए गए हैं - ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण। डेटा की यह अतिरिक्त परत एक असाधारण निदान उपकरण के रूप में कार्य करती है, जो संभावित रूप से खगोलीय उत्सर्जन के आसपास के रहस्यों को उजागर करती है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि एक्सपीओसैट मिशन पोलारिमेट्रिक अवलोकनों और स्पेक्ट्रोस्कोपिक मापों के साथ मिलकर काम करते हुए वर्तमान सैद्धांतिक मॉडल की सीमाओं के पार जाने के लिए तैयार है। ऐसा करने से, शोधकर्ताओं को आकाशीय पिंडों के उत्सर्जन तंत्र को नियंत्रित करने वाली जटिल भौतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न चुनौतियों पर काबू पाने की उम्मीद है।

महंत मंगलदास के आश्रम में मुख्यमंत्री ने किए दर्शन और पूजन

स्थानीय कार्यक्रमों में भी करेंगे शिरकत

नए साल का जश्न मनाने खंडवा के सैलानी पहुंचे मुख्यमंत्री यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नए साल 2024 का आगाज रविवार को रात 12 बजे से हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नए साल का जश्न खंडवा जिले के सैलानी में मनाएंगे।

वे रात्रि विश्राम सैलानी में ही करेंगे। इसके साथ ही वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को ही शाम 4 बजे खंडवा जिले के ओंकारेश्वर पहुंचे। वे वहां से सैलानी पहुंचे। अब चूंकि खरगोन जिले में आयोजित साइबर तहसील के उद्घाटन का कार्यक्रम टल गया है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को अपने तय समय के अनुसार भोपाल आकर अन्य कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

सैलानी में ही किया रात्रि विश्राम

नए साल पर प्रत्येक वर्ष राजनेता व अफसर नए-नए जगहों पर पहुंचकर नया साल का जश्न मनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वैसे तो औपचारिक रूप से इसे नए साल के जश्न के रूप में नहीं मनाते, किंतु जन भावनाओं के अनुरूप वे खंडवा जिले के रमणीक स्थल सैलानी पहुंचकर नए साल पर लोगों की शुभकामनाएं लेंगे। उधर, मुख्यमंत्री यादव रविवार को सुबह 10 बजे हनुवंतिया से भोपाल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 108 वें संस्करण को ध्यान से सुना व कई बातों को आत्मसात करते हुए उसे नोट भी किया। इसके बाद वे भोपाल में अन्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

सिस्टम पूर्वी मप्र में कराएगा बारिश

भोपाल। प्रदेश में मौसम की करवट शुरू हो गई है। वर्ष 2023 के अंतिम दिन रविवार से ही कई जिलों में बादलों की शुरूआत हुई है, जो नए वर्ष 2024 के शुरूआत में ही बारिश करेंगे। पूर्वी मप्र के कुछ जिलों में सोमवार से मंगलवार के बीच बारिश की उम्मीद है। इससे इन जिलों में दिन का पारा गिरेगा।

अंधविश्वास से संकट में जान

तीन माह की बच्ची को 51 बार गर्म सलाखों से दागा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अनूपपुर

अनूपपुर जिले के राजेन्द्रग्राम के ताराडाड़ गांव में तीन माह की बालिका को 51 बार गर्म सलाखों से देखने का मामला सामने आया है। ठंड बढ़ने के साथ ही बच्चे निमोनिया का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था के कारण मैदानी अमला निमोनिया ग्रसित बच्चों की काउंसलिंग नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण अंधविश्वास के फेर में परिजन मासूमों को दगवा रहे हैं। राजेंद्रग्राम के ताराडाड़ गांव में रहने वाली उषा पति मोहन सिंह की तीन माह की बालिका को निमोनिया था। बालिका की हालत लगातार बिगड़ती जारही थी। इसके बाद परिजनों ने अंधविश्वास के फेर में बालिका को गर्म सलाखों से दगवा दिया।

खबर संक्षेप

पूर्व एमएलए/एमपी को दो साल की सजा

जबलपुर। पूर्व सांसद/ विधायक कंकर मुंजारे को भी दो साल की सजा से दंडित किया गया है। कोर्ट ने मुंजारे सहित चार अन्य लोगों को भी 2 वर्ष का कारावास और 500-500 रुपए के जुर्माने से दण्डित किया गया। यह सजा विशेष न्यायाधीश विश वेश्वरी मिश्रा (एम.पी./एम.एल.ए.) कोर्ट जबलपुर ने सुनाई है। घटना बालाघाट के खैरलांजी में 25 जून 2020 की है। अजय लिल्हारे ने लांजी में शिकायत की थी।करते हुए पुलिस को बताया कि शाम साढ़े पांच बजे वह खनिज विभाग की अनुमति से मशीन द्वारा ट्रेक्टरों के आने-जाने हेतु मार्ग का निर्माण करवा रहा था।

पर्यटकों के लिए खुला कूनो पार्क का मुख्य गेट

श्योपुर। नए साल पर कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन ने पर्यटकों को खुशखबरी दी है। करीब डेढ़ साल बाद कूनो नेशनल पार्क का मुख्य गेट टिकटोली आज से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। प्रोजेक्ट चीता शुरू होने के बाद से ये गेट बंद था, क्योंकि चीतों का बाड़ा इसी गेट के क्षेत्र में है। टिकटोली गेट खुल जाने के बाद अब पर्यटक कूनो नेशनल पार्क ठीक तरीके से घूम सकेंगे और विदेशी सरजमी से लाए गए चीतों का करीब से दीदार कर सकेंगे।

10 आईएएस अफसरों के तबादले, चार जिलों के कलेक्टर बदले

संदीप यादव जनसंपर्क आयुक्त, सचिव जनसंपर्क व एमडी मप्र माध्यम और सचिव विमानन विभाग

संदीप यादव, जनसंपर्क आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य शासन ने जनसंपर्क आयुक्त के पद पर 2000 बैच के बेहद ही शालीन आईएएस अफसर संदीप यादव को पदस्थ किया है। इसके साथ ही उनके पास सचिव विमानन विभाग, सचिव जनसंपर्क विभाग तथा एमडी मप्र माध्यम (अतिरिक्त प्रभार) भी रहेगा। साथ ही चार जिलों के कलेक्टरों को भी बदल दिया है। कुल 10 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। जबकि, कई अफसरों के प्रभार बदले गए हैं।

पोरवाल अब प्रमुख राजस्व आयुक्त

रोशन कुमार सिंह स्मार्ट सिटी, सीईओ

नीरज कुमार सिंह उज्जैन कलेक्टर

सोनिया मीना को नर्मदापुरम कलेक्टर

रोशन कुमार सिंह स्मार्ट सिटी भोपाल के सीईओ

राज्य शासन ने आईएएस अफसर विवेक पोरवाल को जनसंपर्क आयुक्त, सचिव समेत अन्य पदों से हटाकर उन्हें प्रमुख राजस्व आयुक्त तथा पदेन सचिव मप्र शासन राजस्व विभाग तथा आयुक्त भू अभिलेख एवं बंदोबस्त ग्वालियर (अतिरिक्त प्रभार) सौंपा है। इसके साथ ही उज्जैन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को हटाकर मप्र शासन में उप सचिव बनाया है।

नीरज कुमार सिंह उज्जैन कलेक्टर, सोनिया मीना को नर्मदापुरम की कमान

नर्मदापुरम के कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को उज्जैन कलेक्टर बनाया गया है। जबकि राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम के एमडी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को बैतूल कलेक्टर बनाया गया है। बैतूल कलेक्टरअमनबीर सिंह बैंस को हटाकर कलेक्टर गुना बनाया गया है।

रतलाम में कुएं में गिरे तेंदुए को किया रेस्क्यू

रेस्क्यू के कार्य में वन अमले को लगे चार घंटे से अधिक

वन विभाग की टीम ने पिंजरे में किया 'कैद'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

रतलाम जिले से लगभग 35 किमी दूर स्थित सैलाना के समीप गांव मकोड़िया रुंडी में किसान ऊंकार मुनिया के कुएं में रविवार की दोपहर तेंदुआ गिर गया।

लेकिन इस बार तेंदुआ जंगल में ना होकर कुएं में गिर गया है। तेंदुआ कुएं में सुबह 11.30 बजे गिरा था तो शाम 5 बजे करीब वन विभाग की टीम ने कुएं में पिंजरा उतार कर तेंदुए को कैद कर लिया।

पांच बजे मिली सफलता

सरवन थाना प्रभारी नीलम चौंगड़ ने बताया कि रेस्क्यू के लिए उज्जैन से वन विभाग की टीम को बुलाया गया। इधर रतलाम वन विभाग टीम के रेस्क्यू प्रभारी शंकरलाल परमार एवं टीम ने बड़ी मशक्कत के साथ शाम 5 बजे के करीब तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया। सुरक्षा को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात है। वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

सावधान... क्यूआर कोड दिखाकर 'फर्जी' लोग मांग रहे राम मंदिर का चंदा

विश्व हिंदू परिषद ने ऐसे दान मांगने वाले संदेशों से सतर्क रहने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भक्तों को अलग-अलग घोटालों से सतर्क रहने के लिए कहा है। वीएचपी ने रविवार को एक चेतावनी जारी कर भक्तों को अयोध्या मंदिर के लिए दान मांगने वाले ऐसे फर्जी सोशल मीडिया संदेशों से सावधान रहने की चेतावनी दी है जो लगातार लोगों को लूटने की कोशिश में हैं।

वीएचपी ने कहा है कि सभी लोग ऐसे अनधिकृत ग्रुप्स या व्यक्तियों को फंड न दें। विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने इस मुद्दे को गृह मंत्रालय और दिल्ली और उत्तर प्रदेश के पुलिस प्रमुखों के सामने भी रखा है। साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ से जालसाजों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का भी आग्रह किया गया है।

ये क्यूआर कोड के स्क्रीनशॉट भेज रहे

बंसल ने कहा कि फ्रॉड में शामिल ऐसे लोग अनधिकृत तौर पर क्यूआर कोड के स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं और राम मंदिर के नाम पर चंदा मांग रहे हैं। बंसल ने कहा कि उन्हें अवैध धन इकट्ठा करने के ऐसे प्रयासों के बारे में सूचित किया गया है।

अलग समिति और रसीद नहीं छपवाएं

विहिप महासचिव मिलिंद परांडे ने यह भी बताया कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर के अभिषेक समारोह के लिए धन एकत्र करने के लिए किसी को भी अलग समिति बनाने और रसीदें छापने की अनुमति नहीं दी गई है।

किसी को धन इकट्ठा करने की इजाजत नहीं

उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने किसी को भी धन इकट्ठा करने के लिए अधिकृत नहीं किया है। मैंने गृह मंत्रालय, उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि लोग ऐसी धोखाधड़ी का शिकार न हों।

रिकॉर्डेड फोन कॉल का ऑडियो क्लिप शेयर किया

वीएचपी ने रिकॉर्डेड फोन कॉल का एक ऑडियो क्लिप शेयर किया है, जिसकी प्रामाणिकता की पुष्टि एनडीटीवी की ओर से नहीं की जा सकती है. कॉल में वीएचपी कार्यकर्ता खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जो मंदिर को दान देना चाहता है. जब कॉल करने वाला व्यक्ति कहता है कि वह 11,000 रुपए दान करना चाहता है और गांव के अन्य लोग भी दान देने के इच्छुक हैं, तो दूसरी ओर से कथित जालसाज एक व्हाट्सऐप नंबर मांगता है जिस पर वह क्यूआर कोड भेज सके।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

जन-जन को मिले केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का

लखनऊ में नड्डा ने गिनाई

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा यूपी में विशेष फोकस कर रही है। रविवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है, कोई भी लाभार्थी छूट न जाए। केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचे। इसलिए सरकार जन-जन के द्वार पहुंच कर केंद्र सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचा रही है। एक समय था, जब एक पंचायत में सिर्फ 2 इंदिरा आवास मिलता था। आज पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ आवास मिल चुके हैं।

9.60 करोड़ से अधिक महिलाएं

इस मौके पर उन्होंने कहा कि गांव में पहले महिलाएं सुबह 5 बजे उठती थीं, जंगल जाती थीं, लकड़ी काटकर लाती थीं, उसे सुखाती थीं... तब चूल्हा जलाती थीं और दिनभर में लगभग 200 सिगरेट का धुआं अपने फेफड़ों में सोखती थीं। मोदी जी ने इन महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई और आज 9.60 करोड़ से अधिक महिलाएं लाइटर से गैस जलाकर 5 मिनट में चाय बना लेती हैं।

योगी के साथ सुनी 'मन की बात'

नड्डा ने लखनऊ में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी की मन की बात भी सुनी। पीएम मोदी 2014 से लगातार मन की बात कार्यक्रम कर रहे है। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे।

चेस ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन, एक्टर अक्षय और क्रिकेटर हरमनप्रीत से टिप्स भी सुनवाई

पीएम मोदी ने की मन की बात

मेंटल-फिजिकल हेल्थ पर जोर आनंद ने दी 7 घंटे सोने की राय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 108वें एपिसोड पर देश को संबोधित किया। मोदी ने मुख्य रूप से फिट इंडिया अभियान पर चर्चा की।

उन्होंने चेस ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद, एक्टर अक्षय कुमार और क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर से मेंटल और फिजिकल हेल्थ की टिप्स सुनवाईं। पीएम मोदी ने एपिसोड की शुरुआत 108 अंक के महत्व के बारे में बताते हुए की। हमारे यहां 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है। 108 बार मंत्र जपा जाता है। मंदिरों में 108 सीढ़ियां होती हैं, इसलिए ये एपिसोड मेरे लिए और खास हो गया है। इसके बाद मोदी ने फिट इंडिया, फिजिकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ और न्यूट्रीशिन को लेकर लंबी चर्चा की। मोदी ने आखिर में अपील की कि हैशटेग श्रीराम भजन के साथ लोग अपनी रचनाएं शेयर करें। इससे देश के सभी लोग राममय हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एपिसोड की शुरुआत 108 अंक के महत्व के बारे में बताते हुए की। हमारे यहां 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है। 108 बार मंत्र जपा जाता है। इसलिए ये एपिसोड मेरे लिए और खास हो गया है। साथ ही कई विषयों पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम के 108वें एपिसोड पर देश को संबोधित किया, 108 का महत्व भी बताया

इसके पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी

23 भाषाओं और 29 बोलियों में हो रहा प्रसारण

अब भारत बन रहा इनोवेशन का हब

पीएम ने कहा कि भारत का इनोवेशन हब बनना इस बात का प्रतीक है कि हम रुकने वाले नहीं हैं। 2015 में हम ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें रैंक पर थे। आज हमारी 40वीं रैंक है। क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में इस बार सबसे अधिक संख्या में भारतीय यूनिवर्सिटीज शामिल हुई हैं।

भारत की 2023 की उपलब्धियां गिनाईं

पीएम ने 2023 की चर्चा करते हुए कहा- इसी साल नारी शक्ति वंदन बिल भी पारित हुआ। नाटू-नाटू गाने को ऑस्कर मिला। इस साल खिलाड़ियों ने भी देश का नाम बढ़ाया चाहे एशियन गेम्स हों, एशियन पैरा गेम्स या T20 महिला कप हो सभी खेलों में खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है। एआई टूल्स के जरिये भारत की सिनेमा में काफी बदलाव आने की संभावना जताई।

मेंटल हेल्थ के लिए दिया मंत्र

पीएम मोदी ने कहा कि फिजिकल हेल्थ को लेकर दिलचस्पी जिस तरह से बढ़ रही है, उससे इस क्षेत्र से जुड़े कोचेस और ट्रेनर्स की डिमांड भी बढ़ रही है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी चर्चा की। आध्यात्मिक गुरू जग्गी वासुदेव ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूक किया, उन्होंने योगिक क्रिया से मानसिक स्वास्थ्य को फिट रख सकते है। वहीं शतरंज के ग्रैंडमास्टर ने लोगो को कम से कम सात-आठ घंटे की नींद की सलाह दी । महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत ने भी ने स्वास्थ्य को फिट रहने के लिए एक्सरसाइज करने की सलाह दी। अभिनेता अक्षय कुमार ने फिटनेस के लिए डॉक्टर से सलाह लेने की बात कही , उन्होंने योग मेडिटेशन, हेल्दी खाना खाने के लिए सलाह दी।

2023 इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मना

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के प्रयास से 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाया गया था। इससे इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप्स को बहुत सारे अवसर मिले हैं। फिजिकल हेल्थ को लेकर दिलचस्पी जिस तरह से बढ़ रही है, उससे इस क्षेत्र से जुड़े कोचेस और ट्रेनर्स की डिमांड भी बढ़ रही है।

झारखंड के गांव की चर्चा

पीएम ने झारखंड के आदिवासी गांव के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले के मंगलों गांव के बच्चों को स्कूल में कुडुख भाषा में शिक्षा दी जा रही है। इस स्कूल में 300 आदिवासी बच्चे पढ़ते हैं।कुडुख उरांव आदिवासी समुदाय की मातृभाषा है। कुडुख की अपनी लिपि भी है, जिसे तोलंग सिकी नाम से जाना जाता है। भाषा विलुप्त ना हो इसके लिए समुदाय ने बच्चों को इसी भाषा में शिक्षा देने का फैसला किया है। मातृभाषा में पढ़ाए जाने से बच्चों का पढ़ाई का स्तर सुधरा है। उनकी सीखने की गति तेज हो गई है।

2014 में इसका पहला एपिसोड प्रसारित हुआ

मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर 2014 को प्रसारित हुआ था। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था। 30 अप्रैल 2023 को मन की बात का 100वां एपिसोड प्रसारित किया गया था। कार्यक्रम का प्रसारण 23 भाषाओं और 29 बोलियों में होता है। फ्रेंच,पश्तो,चाइनीज समेत इसका ब्रॉडकास्ट 11 विदेशी भाषाओं में भी किया जाता है।

खबर संक्षेप

दिल्ली मेट्रो में महिलाओं ने खींचे बाल...चले थप्पड़

नई दिल्ली। दो महिलाओं के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद एक महिला थप्पड़ मार देती है। दोनों आपस में भिड़ जाती हैं। एक महिला की कई सहेलियां सामने वाली महिला पर टूट पड़ती है। वे एक दूसरे के बाल खींचने लगती हैं और थप्पड़ तक चल जाता है।

दर्द में हैं राउत, इसलिए प्रभु राम को घसीट रहे

अयोध्या। राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी को इस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण नहीं भेजा गया है। इस पर रामलला के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा, राउत को दर्द है। वे प्रभु को घसीट रहे।

रेव पार्टी पर छापा,100 युवक-युवतियां अरेस्ट

ठाणे। नए साल के जश्न से ठीक पहले मुंबई से सटे ठाणे में पुलिस ने एक रेव पार्टी का भंडाफोड़ कर 100 से ज्यादा युवकों को हिरासत में लिया है। उनका मेडिकल भी कराया। लोगों पर ड्रग्स सेवन करने का आरोप है। रात तकरीबन दो बजे छापेमारी में एलएसडी, चरस, गांजा जैसे ड्रग्स भी बरामद किए गए हैं।

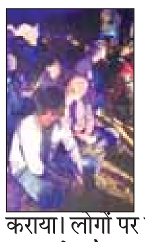

दुग्ध-उत्पादन में देश विश्व में पहले स्थान पर, 24 फीसदी का योगदान दे रहा भारत

एनसीडीएफआई मुख्यालय की शाह ने रखी नींव

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में नेशनल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीडीएफआई) लिमिटेड के मुख्यालय की आधारशिला रखी।

इस दौराम सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत दुग्ध उत्पादन में विश्व में पहले स्थान पर है। वैश्विक दुग्ध उत्पादन में भारत का योगदान 24 प्रतिशत है और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 8 वर्षों में इसमें लगभग 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो विश्व की सर्वाधिक बढ़ोतरी है।

पूरा देश हो रहा लाभान्वित

दूध उत्पादन में सहकारी मॉडल भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि सहकारी दृष्टिकोण से समाज, कृषि, गांवों, दूध उत्पादकों और पूरे देश को लाभ होता है। पिछले 50 वर्षों की सफलता की कहानी डेयरी उद्योग के विभिन्न पहलुओं पर सहकारी मॉडल के सकारात्मक पहल को दिखाती है।

यह सहकारिता की दिशा में अहम कदम

शाह ने आनंद जिले में एनसीडीएफआई मुख्यालय की आधारशिला रखते हुए बताया कि इसे लगभग 7000 वर्ग मीटर फैले क्षेत्र में 32 करोड़ की लागत आई है। मुख्यालय को पर्यावरण के अनुकूल पूर्णतया सौर ऊर्जा से संचालित होगा। शाह ने कहा कि स्वास्थ्य और पोषण पर सहकारी क्षेत्र ने अहम योगदान दिया है। बनासकांठा डेयरी और अहमदाबाद डेयरी सहित सहकारी डेयरियों ने स्वास्थ्य पहल, खासकर बच्चों में कुपोषण को दूर करने और गर्भवती महिलाओं के लिए काफी अहम है।

बोगी पुल को तोड़ते रोड पर पहुंची

भागलपुर में ट्रेन हादसा

भागलपुर। यहां एक हैरान करने वाला हादसा सामने आया है। एक ट्रेन की बोगी लोहिया पुल को तोड़ते हुए मुख्य बाजार में जा घुसी। जहां यह घटना हुई वह स्टेशन का ही एरिया माना जाता है। एक ट्रॉली, ट्रेन की बोगी को लोड करके स्टेशन की ओर जा रही थी। टर्न लेते वक्त ट्रक चालक का कंट्रोल हाथ से छूट गया। चालक ने कोशिश की लेकिन वह संभाल नहीं पाया। ट्रक लोहिया पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए आगे निकल गया। जान माल की सूचना नहीं है।

आम आदमी को प्रभावित करने वाले नियमों में बदलाव

आज से कई लॉकर लापरवाही पर किए जा सकते हैं फ्रीज

नए साल में बैंकिंग, सिम कार्ड के साथ आधार से जुड़े नियमों में होगा बदलाव

जिन लोगों ने रिटर्न अब तक दाखिल नहीं किया है उन्हें 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से पहले हर हाल में उक्त अवधि के लिए अपना रिटर्न दाखिल कर लेना था।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वर्ष 2023 अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। नए साल 2024 में आम आदमी को प्रभावित करने वाले नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव होने वाले हैं। इनमें सिम कार्ड से लेकर आयकर रिटर्न (आईटीआर) से जुड़े नियम शामिल हैं।

इन पर भी पड़ेगा प्रभाव

1. बैंक लॉकर समझौते
बैंकों में लॉकर रखने वाले व्यक्तियों के लिए, एक महत्वपूर्ण समय सीमा है- 31 दिसंबर 2023। इस दिन तक जिन लोगों ने संशोधित बैंक लॉकर समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं उनके लॉकर एक जनवरी से फ्रीज किए जा सकते हैं।

2. बीमा पॉलिसी
भारतीय बीमा नियामक व विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक जनवरी से सभी बीमा कंपनियों के लिए पॉलिसीधारकों को ग्राहक सूचना पत्र देना अनिवार्य कर दिया है। इस दस्तावेज़ का उद्देश्य बीमा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को सरल शब्दों में समझाना है।

3. बीमा ट्रिनिटी प्रोजेक्ट
नए साल में बीमा ट्रिनिटी प्रोजेक्ट लॉन्च करने के लिए तैयार है। बीमा सुगम, बीमा विस्तार और बीमा वाहक उत्पादों को शामिल करते हुए, यह परियोजना विविध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए है। बीमा सुगम के माध्यम से उत्पादों या सेवाओं की खरीद को सरल बनाने का प्लान है। वहीं बीमा विस्तार के माध्यम से सस्ती बीमा सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य है। वहीं, बीमा वाहक के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण में योगदान देना है। इन उत्पादों की आधिकारिक लॉन्चिंग जनवरी या आगे के महीनों में की जा सकती है।

4. आयकर रिटर्न दाखिल करना
एक जनवरी से जो करदाता वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने में विफल रहे हैं, उनके पास अब बिलेटेड रिटर्न दाखिल करने का विकल्प नहीं होगा। लोग 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से पहले हर हाल में उक्त अवधि के लिए अपना रिटर्न दाखिल कर सकते थे।

आईआईटी बीएचयू का मामला

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। बृज एनक्लेव कॉलोनी सुंदरपुर का कुणाल पांडेय और जिवधीपुर बजरडीहा का आनंद उर्फ अभिषेक चौहान व सक्षम पटेल को वाराणसी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। वारदात में प्रयोग बाइक बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी भाजपा से जुड़े हैं।

साथी युवक को भगा दिया था....

आईआईटी बीएचयू की एक छात्र अपने एक सहयोगी के साथ एक नवंबर की रात में करीब 1:30 बजे टहलने के लिए निकली थी। दोनों कर्मन वीर बाबा मंदिर के पास पहुंचे थे इसी दौरान एक बुलेट पर सवार तीन युवक पहुंचे और उन्हें रोक लिए। आरोप है की छात्रा को रोकने के बाद उन लोगों ने उसके साथ के युवक को डरा धमका कर भगा दिया।

तस्वीरों में भारत का दम

पीएम मोदी ने नई दिल्ली में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मेजबानी की।

यूएस। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ पीएम मोदी ने भारतीय पान का स्वाद लिया।

चेन्नई। पीएम मोदी ने तमिलनाडु के चेन्नई में एक दिव्यांग कार्यकर्ता के साथ सेल्फी ली।

शहडोल। पीएम शहडोल के पकरिया गांव में बच्चों से बातचीत करते हुए।

इटली। कॉप28 शिखर सम्मेलन में इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ पीएम मोदी ने सेल्फी ली।

मुंबई। मुंबई के मरोल में सैफ़ी अकादमी के नए परिसर के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री मोदी।

बेंगलुरु। वंदे भारत ट्रेन में युवाओं से पीएम मोदी बातचीत करते हुए।

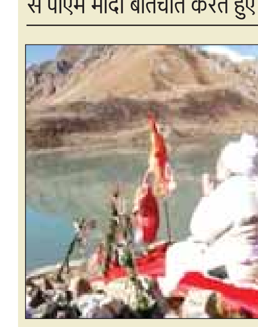

केदारनाथ। उत्तराखंड के पार्वती कुंड में पूजा-अर्चना करते मोदी।

बेंगलुरु। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो चेयरमैन एस.सोमनाथ भावुक हो गए। इसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें गले लगा लिया।

बेंगलुरु। एचएएल में पीएम मोदी ने तेजस विमान से उड़ान भरी थी।

किरिबाटी नया साल 2024 मनाने वाला पहला देश बना

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आतिशबाजी, ऑस्ट्रेलिया में लाइट शो, अद्भुत नजारा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रशांत महासागर में स्थित छोटा-से द्वीप किरिबाटी नया साल 2024 मनाने वाला पहला देश बन गया है। देश का सबसे बड़ा द्वीप, जिसे क्रिसमस द्वीप भी कहा जाता है, 2024 में प्रवेश कर गया।

किरिबाटी मध्य प्रशांत क्षेत्र में 33 द्वीपों का एक समूह है। उसके दायरे में 35 लाख वर्ग किलोमीटर का इलाका आता है। खास बात यह है कि क्षेत्रफल के लिहाज से यह भारत से भी बड़ा है। भारत का क्षेत्रफल लगभग 32 लाख 87 हजार वर्ग किलोमीटर है। वहीं, किरिबाटी की आबादी सिर्फ तकरीबन एक लाख है। आपको बता दें कि मामाउ 2020 में एक नए कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुने गए थे। अब उनकी छवि इस क्षेत्र में चीन के प्रतिनिधि के रूप में बन गई है।

ऑकलैंड में नए साल का स्वागत

किरिबाटी के बाद, न्यूजीलैंड के ऑकलैंड ने भी 11:00 (जीएमटी) पर ऑकलैंड स्काई टॉवर से आतिशबाजी और शहर के हार्बर ब्रिज पर एक लाइट शो के साथ वर्ष 2024 का स्वागत किया। न्यूजीलैंड के सबसे ऊंचे टावर का सिरा आकाश में आतिशबाजी के विस्फोट के साथ अलग-अलग रंगों से जगमगा उठा। नए साल की पूर्व संध्या का जश्न अपने अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया में आतिशबाजी भी शुरू हो गई है।

खास बातें

- ऑकलैंड स्काई टॉवर से आतिशबाजी
- अलग-अलग रंगों से जगमगा उठा शहर

छोटा द्वीप है

किरिबाटी मध्य प्रशांत क्षेत्र में 33 द्वीपों का एक समूह है और 35 लाख वर्ग किमी में फैला है

देश के कई हिस्सों में दिखा नए साल का जश्न

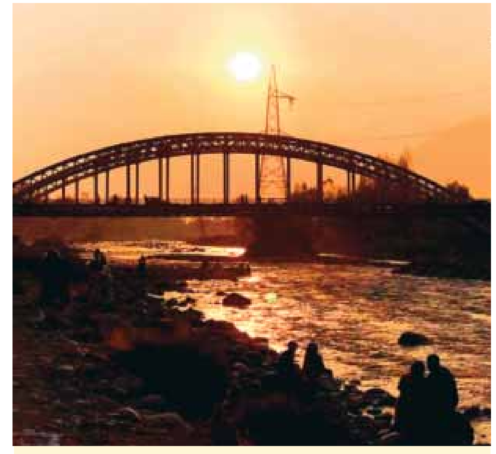

जम्मू कश्मीर के गांदरबल में रविवार को नवनिर्मित वेइल ब्रिज पर वर्ष 2023 का आखिरी सूर्यास्त।

पंजाब में पीली सरसों का सांकेतिक रंग अपनाया

अमृतसर। अमृतसर में नए साल 2024 की पूर्व संध्या पर चेहरे और हथेली को रंगों से रंगे हुए महिलाएं फोटो खिंचवाती हुईं।

हिमाचली पोशाक

शिमला। शिमला में नए साल के जश्न के दौरान पारंपरिक हिमाचली पोशाक में लड़कियां 2024 बनाने के लिए गुब्बारे पकड़ती हैं।

खबर संक्षेप

नए साल पर वैष्णो देवी के दर पर उमड़ा हुजूम

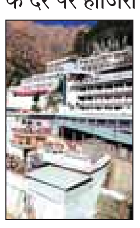

जम्मू। नए साल पर मां वैष्णो देवी के दर पर हाजिरी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा है। 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचे है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड सहित जिला पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया कि अब तक 94.35 लाख श्रद्धालु दरबार में हाजिरी दे चुके हैं, जो पिछले साल के मुकाबले तीन लाख ज्यादा हैं। 31 दिसंबर को भी 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचे हैं। कटड़ा से भवन तक क्षेत्र को 6 सेक्टर में बांटा गया है।

सेना को मिले 50 और अरमाडो वाहन

जम्मू। भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे राजोरी और पुंछ जिलों में हाल ही में सैन्य वाहनों पर हुए हमलों को देखते हुए 50 और एडवांस बुलेट प्रूफ वाहन भेजे गए हैं। इससे सैन्य जवानों को जंगल में छिपे आतंकियों का सफाया करने में मदद मिलेगी। सीमावर्ती राजोरी और पुंछ जिलों में एडवांस बुलेट प्रूफ अरमाडो वाहनों की संख्या बढ़ने से सेना अब पहले से और सुरक्षित हो जाएगी। ये बुलेट प्रूफ लाइट स्पेशलिस्ट वाहन (एएलएसवी) विशेष रूप से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए बनाए गए हैं।

नौसेना ने डेस्ट्रॉयर और फ्रिगेट से लैस टास्क ग्रुपों की समुद्र में तैनाती की

जहाजों पर हमलों के बाद नौसेना ने समुद्र में बढ़ाई निगरानी, ईईजेड इलाके में विशेष सुरक्षा इंतजाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लाल सागर और अरब सागर में हाल के समय में कई व्यापारिक जहाजों हमलों के बाद भारतीय नौसेना ने निगरानी बढ़ा दी है। खासकर ईईजेड इलाके में विशेष तौर पर निगरानी की जा रही है। नौसेना ने बयान जारी कर बताया कि 'हाल के समय में लाल सागर, अदन की खाड़ी और सेंट्रल और उत्तरी अरब सागर में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। ऐसे में इस अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट की सुरक्षा और निगरानी के लिए भारतीय नौसेना ने कई कदम उठाए हैं।

नौसेना ने बताया 'हवाई निगरानी के लिए लंबी दूरी के मेरीटाइम एयरक्राफ्ट पेट्रोलिंग कर रहे हैं। ईईजेड इलाके की प्रभावी तौर पर निगरानी की जा रही है। नौसेना, तटरक्षक बल के साथ समन्वय करके ऑपरेशन चला रही है।

खास बातें

- लंबी दूरी के मेरीटाइम एयरक्राफ्ट पेट्रोलिंग कर रहे
- जहाजों पर हमले की 23 घटनाएं हो चुकी हैं

हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को बनाया जा रहा निशाना

इस्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से लाल सागर और अरब सागर में हूती विद्रोहियों द्वारा कई व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया गया है। फलस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं। अमेरिकी सेना ने शनिवार को ही लाल सागर में एक सिंगापुर के झंडे लगे व्यापारिक जहाज पर हमले की कोशिश को नाकाम किया। अमेरिकी सेना ने बताया कि 19 नवंबर से अब तक लाल सागर और अरब सागर के इलाकों में व्यापारिक जहाजों पर हमले की 23 घटनाएं हो चुकी हैं। जहां हमले हो रहे हैं, वह अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट का हिस्सा है। खतरे को देखते हुए भारतीय नौसेना ने लाल सागर और अरब सागर में अपने पांच युद्धक जहाज तैनात कर दिए हैं।

डकैती की घटनाएं आई थी सामने

दरअसल कुछ समय पहले भारतीय तट से लगभग 700 समुद्री मील दूर एमवी रुएन पर समुद्री डकैती की घटना सामने आई है और इसके बाद पोरबंदर से लगभग 220 समुद्री मील अरब सागर में 'एमवी केम प्लूटो' पर ड्रोन से हमला हुआ था। जिस समय यह हमला हुआ उस समय इस जहाज में 21 भारतीय और वियतनाम का एक नागरिक सवार था। इन घटनाओं के बाद भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री डकैती को रोकने के प्रयासों को बढ़ाने की दिशा में इस इलाके में एक और स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत तैनात कर दिया था।

क्या होता है ईईजेड

ईईजेड समुद्र में एक एक्सक्लूसिव इकॉनोमिक जोन होता है, जो आमतौर पर किसी भी देश की समुद्री सीमा से 230 नॉटिकल मील का इलाका माना जाता है। ईईजेड की समुद्री सीमा के प्रत्येक संसाधन पर उस देश का हक होता है। इस इलाके में घुसपैठ या हमला उस देश की संप्रभुता पर हमला माना जाता है।

नौसेना ने समुद्र में तैनात किए अपने युद्धक जहाज

नौसेना ने बताया 'डेस्ट्रॉयर और फ्रिगेट से लैस टास्क ग्रुपों की समुद्र में तैनाती की गई है। किसी भी जहाज पर हमले की स्थिति में ये टास्क ग्रुप तुरंत प्रतिक्रिया देंगे। साथ ही हवाई निगरानी के लिए लंबी दूरी के मेरीटाइम एयरक्राफ्ट पेट्रोलिंग कर रहे हैं। ईईजेड इलाके की प्रभावी तौर पर निगरानी की जा रही है। नौसेना, तटरक्षक बल के साथ समन्वय करके ऑपरेशन चला रही है। नौसेना ने बताया कि हाल ही में भारत के ईईजेड इलाके के नजदीक जहाजों पर हमले हुए थे। एमवी रुएन जहाज भारतीय तट से करीब 700 नॉटिकल मील था, जब उसे समुद्री लुटेरों ने कब्जाने की कोशिश की। वहीं जब एमवी केम प्लूटो जहाज पर ड्रोन हमला हुआ तब वह भारत के पोरबंदर तट से करीब 220 नॉटिकल मील दूर था। नौसेना क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए समर्पित है।'

यूएपीए के तहत कार्रवाई

मुस्लिम लीग के बाद अब तहरीक-ए-हुर्रियत पर बैन

- भारत विरोधी प्रचार फैला रहा है, आतंकी गतिविधियों में लिप्तता
- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में मुस्लिम लीग पर प्रतिबंध के बाद अब 'तहरीक-ए-हुर्रियत पर भी बैन लगा दिया गया है। इस संगठन को यूएपीए के तहत 'गैरकानूनी एसोसिएशन' घोषित किया गया है। यह संगठन जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने और इस्लामिक शासन स्थापित करने की निषिद्ध गतिविधियों में शामिल है।

यह समूह जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए भारत विरोधी प्रचार फैला रहा है और आतंकवादी गतिविधियां जारी रख रहा है। गृह मंत्रालय ने यूएपीए के तहत पार्टी को गैरकानूनी संघ' घोषित किया है। इसकी जानकारी गृह मंत्री अमित शाह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की है।

आतंक के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस

अमित शाह ने एक्स हैंडल पर लिखा है कि पीएम मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति है, इसलिए भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को तुरंत विफल कर दिया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा था कि मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट)/एमएलजेके-एमए को यूएपीए के तहत एक 'गैरकानूनी संगठन' घोषित किया गया है। यह संगठन और इसके सदस्य जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल हैं, आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करते हैं और लोगों को जम्मू-कश्मीर में इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए उकसाते हैं।

पहले मुस्लिम लीग को किया प्रतिबंधित

इससे पहले 27 दिसंबर को केंद्र सरकार ने मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर-मसरत आलम गुट (एमएलजेके-एमए) पर बैन लगा दिया था। सरकार ने ये कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत की थी। संगठन पर आरोप है कि उसके सदस्य जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल थे और आतंकी समूहों का समर्थन कर रहे थे। इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी।

घरेलू रक्षा औद्योगिक तंत्र को मजबूत कर रही केंद्र सरकार: राजनाथ सिंह

तेजपुर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह

एजेंसी ▶▶ तेजपुर

तेजपुर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि असम ने देश को ऐसे प्रतीक दिए हैं जिन्होंने कला, वीरता, धर्म, राजनीति और लगभग सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जहां तक मैं समझ पाया हूं, मैं कह सकता हूं कि युवा छात्रों में शिक्षकों की तुलना में अधिक नयापन है। समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार देश को एक रणनीतिक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए घरेलू रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक मजबूत आधार विकसित कर रही है। मंत्रालय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित

महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर श्री राजनाथ सिंह ने कहा, सरकार ने सेना सहित सभी क्षेत्रों में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं।

आज देश में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, लड़ाकू विमानों से लेकर चंद्रयान तक, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें महिलाओं की उपस्थिति न देखी गई हो।

न्यू ईयर से पहले तनाव

मणिपुर में 24 घंटे में दो आतंकी हमले, 4 सुरक्षाकर्मी घायल

एजेंसी ▶▶ इंफाल

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में कुछ घंटे के अंतराल में दूसरी बार सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर हमला किया है। इस हमले में चार जवानों के घायल होने की खबर है। इससे पहले शनिवार को इम्फाल-मोरेह राजमार्ग से गुजर रहे मणिपुर पुलिस कमांडो की एक अन्य यूनिट को निशाना बनाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार रात सीमावर्ती शहर मोरेह में मणिपुर पुलिस कमांडो की बैरक को निशाना बनाते हुए हमला किया।

हमले में एक कमांडो हुआ घायल

इम्फाल-मोरेह राजमार्ग से गुजर रहे मणिपुर पुलिस कमांडो की एक अन्य यूनिट पर दोपहर करीब 3.45 बजे भारी गोलीबारी की गई। इसकी चपेट में आने से एक कमांडो घायल हो गया। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि, दोपहर की घटना के बाद स्थिति नियंत्रण में थी।

पीएम मोदी को सप्रेम भेंट

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी पुस्तक 'व्हाई भारत मैटर्स' की पहली प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की।

गणतंत्र दिवस पर इस बार 2 बातें होंगी खास, दुनियां के लोग बनेंगे साक्षी

दो दर्जन से अधिक मित्र देशों के बच्चे गणतंत्र दिवस पर दिखाएंगे 'हुनर

- गणतंत्र दिवस शिविर दिल्ली में शुरू हो चुका है
- 2,274 कैडेट्स का चुनाव किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड 2024 में इस बार दो बातें खास होंगी। पहली- इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में 25 मित्र देशों से आए बच्चे भी परेड का हिस्सा होंगे। दूसरी- इस बार गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के दस्ते में महिला कैडेटों की संख्या सर्वाधिक होगी। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों के मद्देनजर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का गणतंत्र दिवस शिविर 2024 दिल्ली कैंट के करियप्पा परेड ग्राउंड में शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह के अनुसार, इस बार एनसीसी कैडेट्स के साथ 25 मित्र देशों से आए बच्चे भी परेड का हिस्सा होंगे। शिविर में शामिल हो रहे ये बच्चे युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का हिस्सा है। परेड में जिन मित्र देशों के बच्चे शामिल हो रहे हैं, उनमें अर्जेंटीना कैडेट भी गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा होंगे।

परेड में एनसीसी की भागीदारी की वजह

गणतंत्र दिवस शिविर का मूल उद्देश्य कैडेट्स में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व गुणों की भावना लाना है। हर साल होने वाला कार्यक्रम कैडेट्स को प्रशिक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

महिला कैडेट्स की होगी सबसे बड़ी

लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह के अनुसार, गणतंत्र दिवस समारोह 2024 की परेड में सभी 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के एनसीसी कैडेट्स शामिल होंगे। एनसीसी परेड दस्ते के लिए कुल 2,274 कैडेट्स का चुनाव किया गया है, जिसमें 907 महिला कैटेड भी शामिल हैं। महिला कैडेट्स की यह संख्या अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी है। इसके अलाव, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के 122 कैडेट्स सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र के 171 कैडेट भी गणतंत्र दिसव परेड में हिस्सा ले रहे हैं। गणतंत्र दिसव परेड में बच्चे, गणतंत्र दिसव परेड में भारतीय सेना,करियप्पा परेड ग्राउंड में सर्वधर्म पूजा के साथ हुई गणतंत्र दिवस शिविर की शुरूआत।

इन देशों के कैडेट होंगे शामिल

अर्जेंटीना, बोत्सवाना, भूटान, ब्राजील,चेक गणराज्य,फिजी,कजाखिस्तान, केन्या, किर्गिस्तान, लाओस, मलेशिया, मॉलदी, नेपाल, रूस, सऊदी अरब, सेशेल्स, ताजिकिस्तान, ब्रिटेन, वेनेजुएला, वियतनाम, श्रीलंका, सिंगापुर, नाइजीरिया, मॉरीशस, मोजाम्बिक ।

चीन की बड़ी कार्रवाई

चीन ने एक झटके में पीएलए के 9 जनरल को किया बर्खास्त

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन की संसद से चीनी सेना या पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौ वरिष्ठ जनरल को बर्खास्त कर दिया गया। बर्खास्त किए गए अधिकारियों में वायुसेना के पूर्व कमांडर भी शामिल हैं। चीन में इन दिनों कई बड़े फेर-बदल देखने को मिल रहे हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने रक्षा मंत्री बदलने के 24 घंटे के अंदर एक और बड़ा फैसला कर सबको हैरान कर दिया। पीएलए के नौ वरिष्ठ जनरलों को संसद से बर्खास्त कर दिया है, जिसमें रॉकेट फोर्स के अधिकारी भी शामिल हैं।

परमाणु मिसाइल का काम देखने वालें पर गाज

बर्खास्त किए गए लोगों में पीएलए रॉकेट फोर्स के पांच शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं जो देश के परमाणु हथियारों के घटक मिसाइल विभाग का कामकाज देखते थे।

एनपीसी की घोषणा के अनुसार, जिन लोगों की सदस्यता एनपीसी से समाप्त की गई हैं। उनमें झांग झेंझोंग, झांग यूलिन, राव वेनमिन, जू शिनचुन, डिंग लाइहांग, लू होंग, ली युचाओ, ली चुआंगुआंग और झोउ यानिंग शामिल हैं।

खबर संक्षेप

एलएनसीटी ग्रुप के चेयरमैन ने सीएम डॉ. यादव से की मुलाकात

भोपाल। एलएनसीटी ग्रुप के चेयरमैन जय नारायण चौकसे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मध्यप्रदेश प्रदेश भवन नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान चौकसे ने मुख्यमंत्री से चिकित्सा शिक्षा एवं सहकारिता क्षेत्र, शिक्षा के क्षेत्र में विकास और उन्नति के लिए चर्चा की।

एंबुलेंस में गांजा पकड़े जाने के बाद जागा परिवहन विभाग

रायपुर। एक सप्ताह पहले आमानाका पुलिस थाना क्षेत्र में एक एंबुलेंस से 364 किलो गांजा पकड़ा गया था। जांच में यह सामने आया कि एंबुलेंस की अनुमति परिवहन विभाग से नहीं ली गई थी। इसके बाद परिवहन विभाग जागा। शहरभर में दौड़ रही एंबुलेंस की जांच शुरू की। परमिट, अनुमति और चालकों के लाइसेंस नहीं होने पर कार्रवाई की जा रही है। बीते दो दिनों में आंबेडकर अस्पताल, एम्स के अलावा निजी अस्पतालों के सामने खड़ी 18 एंबुलेंस जब्त की गई, जिन्हें संबंधित थानों में खड़ा किया गया है। राजधानी में सरकारी के साथ हजारों की संख्या में निजी एंबुलेंस बेधड़क दौड़ रही हैं। कोरोना के समय पैसे कमाने के चक्कर में कई लोगों ने सैकड़ों वैन और मिनीडोर को एंबुलेस में तब्दील कर चलाना शुरू कर दिया था। नियमानुसार एंबुलेंस का संचालन करने के लिए परिवहन विभाग से अनुमति लेनी होती है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद परिवहन विभाग की उड़नदस्ता टीम अवैध रूप से संचालित एंबुलेंस पर कार्रवाई कर रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के स्लैब डालने का काम शुरू

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त ने पूजा-अर्चना कर किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को निर्माणाधीन भाजपा प्रदेश कार्यालय के पहले स्लैब डालने की विधिवत पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री व विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, विजय अटवाल, सुधांशु गुप्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र की 16वीं विधानसभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम 9 एवं 10 जनवरी को मप्र विधानसभा भवन के मानसरोवर सभागार में आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने पिछले दिनों अपने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भेंट कर उन्हें प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। स्पीकर बिरला ने यह आमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला 9 जनवरी को प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विधानसभा सदस्यों को अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह सत्र सुबह 11 बजे से विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित किया जाएगा।

नौ और 10 जनवरी को होगा प्रबोधन कार्यक्रम

इस सत्र में लोकसभा स्पीकर बिरला के अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संसदीय कार्य मंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी अपने विचार रखेंगे। दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में विधानसभा सदस्यों को संसदीय नियमों, परंपराओं, सदन के सत्र संचालन की गतिविधियों एवं अन्य जानकारी के बारे में बताया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्माणाधीन सीधी-सिंगरौली हाईवे का लिया जायजा

सीधी-सिंगरौली हाईवे पर उन्नत गोपद पुल से 15 फरवरी तक शुरू होगी आवागमन सुविधा

रीवा में उड़ान योजना से एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है, मार्च से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी: डिप्टी सीएम शुक्ल

सीधी से सिंगरौली सड़क निर्माण कार्य की हर माह होगी समीक्षा

शेष हाइवे का निर्माण बारिश के पहले कराने के दिए दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शनिवार को निर्माणाधीन सीधी-सिंगरौली हाइवे का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सीधी-सिंगरौली हाइवे इस क्षेत्र की जीवन रेखा है। हाइवे पर निर्मित गोपद पुल का निरीक्षण करते हुए उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीधी की ओर लगभग 280 मीटर तथा सिंगरौली की ओर 100 मीटर पुल की एप्रोच रोड का कार्य एक माह में पूर्ण कर उन्नत गोपद पुल में 15 फरवरी से आवागमन शुरू कराएं।

शेष हाइवे का निर्माण भी वर्षा के पहले शुरू कराने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सीधी से सिंगरौली सड़क निर्माण कार्य की हर माह समीक्षा की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़क मार्ग, रेल मार्ग और हवाई मार्ग महत्वपूर्ण घटक हैं। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इसका लाभ विन्ध्य क्षेत्र को भी मिला है। रीवा में उड़ान योजना से एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है, मार्च से हवाई सेवा भी शुरू हो जाएगी। रीवा और सीधी हाइवे में विश्वस्तरीय टनल का निर्माण किया गया है। इस कड़ी में ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन और सीधी-सिंगरौली हाइवे भी शामिल है, जिनमें तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन महत्वपूर्ण कार्यों पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के विकसित राज्यों में शामिल होगा।

30 जून तक जोगदहा पुल की मरम्मत पूरी हो जाएं

उप मुख्यमंत्री शुक्ल को जनता ने सोन नदी के जोगदहा पुल के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को जोगदहा पुल की मरम्मत का कार्य 30 जून तक पूरा कराने के निर्देश दिए। शुक्ल ने सिहावल से नवनिर्वाचित विधायक विश्वामित्र पाठक के निज निवास देवसर में जाकर सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री को पाठक ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की गतिविधियों से अवगत कराया।

उप मुख्यमंत्री का सिंगरौली में भव्य स्वागत

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सिंगरौली पहुंचने पर ज्वालामुखी माता मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री का सिंगरौली जिले आगमन में भव्य स्वागत किया गया। उप मुख्यमंत्री के बरगवां पहुंचने पर राज्यमंत्री राधा सिंह, विधायक देवसर राजेन्द्र मेश्राम, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, अन्य जनप्रतिनिधियों, आमजनों ने स्वागत किया। देवसर में विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पहार एवं ढोल-ढमाकों से उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

शुक्ल ने ज्वालामुखी माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर हुआ अमल

गुना बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार गुना जिले में पिछले दिनों हुई बस दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को 50-50 हजार रूपए एवं मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने घटना के तुरंत बाद मृतकों के परिजनों एवं घायलों को सहायता राशि देने के निर्देश दिए थे।

गुना जिले के प्रभारी कलेक्टर प्रथम कौशिक ने शनिवार को अस्पताल पहुंचकर 16 घायल व्यक्तियों से चर्चा की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। प्रभारी कलेक्टर ने दो मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि के चेक प्रदान किए।

घायलों को 50 -50 हजार रुपए की सहायता राशि दी

बस दुर्घटना में घायल जिन व्यक्तियों को 50 -50 हजार रूपए की सहायता राशि दी गई है, उनमें रितु भील पत्नी विजय भील, निशा ओझा पत्नी अजय, अंकित कुशवाह पुत्र उमराव, सविता ओझा पत्नी सीता राम, सोनू अहिरवार पुत्र मांगीलाल, कांता जाटव पत्नी कालूराम, दीपक सोनी पुत्र ओमप्रकाश, चंद्रपाल यादव पुत्र हरनाम सिंह, विनीता ओझा पत्नी शिवचरण, मोहन सिंह पुत्र भीकम सिंह, करण सिंह पुत्र रामसिंह, राम ओझा पुत्र मदन लाल, सुनील सेहरिया पिता राधेश्याम, गोरा बाई पत्नी रामकिशन अहिरवार, हीरालाल पुत्र मोती बंजारा तथा सोनाली पुत्री सोनू अहिरवार शामिल हैं। इसके साथ ही चिन्हित दो मृत व्यक्ति स्व. मनोहर पुत्र भूरेलाल शर्मा एवं स्व. बीरेन्द्र सिंह यादव पुत्र सीताराम यादव के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की राशि उनके परिजनों के खाते में भेजने की कार्रवाई की गई है। बता दें कि गुना में बस हादसे में बस जलकर खाक हो गई थी। इसमें काफी जनहानि हुई थी।

रेडक्रॉस के जरिए मिले 5- 5 हजार रुपए

दुर्घटना के अगले ही दिन रेडक्रॉस के माध्यम से 5- 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपचाररत घायल व्यक्तियों को प्रदान की गई थी।

विभागों के बंटवारे के बाद मंत्रियों ने की सीएम से मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए मनोयोग से जुट जाएं: विष्णुदेव साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रियों को विभाग बंटने के बाद सभी मंत्रियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने मनोयोग से जुट जाएं। प्रदेश की जनता के विश्वास पर हम खरा उतरेंगे। सुशासन का सूर्योदय वाक्य को मिलकर चरितार्थ करेंगे। अगले पांच वर्षों में मोदी द्वारा दी गई सारी गारंटी पूरी करनी है। पूरी पारदर्शिता के साथ आम जनता को इसका लाभ देना है। मोदी की गारंटी समाज के सभी वर्गों से संबंधित है और आपको सुनिश्चित करना है कि उनकी गारंटी का जमीनी क्रियान्वयन बेहतर तरीके से होता रहे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मौजूद रहे। साथ ही स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

सीएम साय ने गृहग्राम में लगाया जनदर्शन

गृहग्राम पहुंचे विष्णुदेव साय ने लोगों की समस्याएं सुनने अपने निवास में जनदर्शन का आयोजन किया। इसमें जिले के साथ आसपास जिलों से भी काफी संख्या में लोग उमड़े। मुख्यमंत्री साय ने इन सभी लोगों की समस्या और मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और इनका उचित समाधान करने का आश्वासन दिया है। सीएम निवास में इन आवेदनों पर काम शुरू हो गया है। प्राप्त सभी आवेदनों को विभागवार छंटनी कर इसे सूचीबद्ध किया जा रहा है।

मंत्रालय में नए साल में शुरू होगा मंत्रियों का काम

पिछले तीन माह में डंप एक हजार से ज्यादा फाइल पेंडिंग, काम निपटाने की रहेगी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य में भाजपा की सरकार के मंत्रियों के सामने पेंडिंग फाइलों को निपटाने की चुनौती होगी। कुर्सी पर बैठते ही हर मंत्री के सामने एक हजार से ज्यादा फाइलें होंगी, जो पिछले तीन माह में डंप हुई हैं। सबसे ज्यादा पेंडिंग फाइलें स्कूल शिक्षा में हैं। इसके बाद उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और पीडब्लूडी आदि विभाग की हैं। अकेले स्कूल शिक्षा में चार हजार से ज्यादा, उच्च शिक्षा में लगभग दो हजार, स्वास्थ्य महकमे में एक हजार से ज्यादा फाइलें डंप पड़ी हैं। इन फाइलों में सबसे ज्यादा प्रशासकीय अनुमोदन से संबंधित हैं।

बताया जा रहा है कि प्रशासकीय अनुमोदन की शत प्रतिशत फाइलें

मंत्रालय में डंप हैं। इनमें केवल उन्हीं फाइलों पर काम हुआ है, जिसे संचालनालय से केवल अवलोकनार्थ मंत्रालय को भेजा गया था। पेंडिंग फाइलों में संचालनालय से अनुमोदन के लिए आने वाली फाइलों के अलावा अनुशासनात्मक कार्रवाई करने, नवीन मद से संबंधित और पिछली सरकार के ट्रांसफर- पोस्टिंग की फाइलें भी शामिल हैं।

मंत्री के अनुमोदन की जरूरत वाली फाइलें डंप पड़ी

राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अक्टूबर को चुनाव आचार संहिता लगी थी। नतीजे 3 दिसंबर को आ गए थे। मंत्रियों के नाम तय करने, शपथ और विभागों के बंटवारे में 26 दिन लग गए। आचार संहिता लगने के साथ ही नवीन मद के कामों पर चुनाव आयोग ने रोक लगा दिया था। इसके अलावा ट्रांसफर पोस्टिंग भी रोक थी। केवल आयोग की स्वीकृति से ही ट्रांसफर- पोस्टिंग किए जा सकते थे। मंत्री के अनुमोदन की जरूरत वाली सभी फाइलें डंप पड़ी हैं।

इन फाइलों में सबसे पहले होगा काम

महतारी वंदन योजना में विवाहित महिला को सालाना 12 हजार रुपए देने की योजना के लिए साय सरकार ने अनुपूरक में बजट स्वीकृत करा लिया है। पीएम आवास योजना में 18 लाख आवास बनाने के लिए वित्तीय स्वीकृति के बाद ही मकानों का निर्माण शुरू हो जाएगा। एक नवंबर से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल के दर से 21 क्विंटल धान खरीदी हो रही है। नल जल योजना

महापौर एजाज ढेबर की हटाई सुरक्षा

छत्तीसगढ़: कांग्रेस नेताओं को दी तमाम सुरक्षा का नए सिरे से किया जाएगा रिव्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर के महापौर एजाज ढेबर की सुरक्षा हटा ली गई। कांग्रेस सरकार के वक्त महापौर ढेबर की सुरक्षा में तीन पुलिसकर्मी बतौर पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) ड्यूटी पर लगाए गए थे। ये सार्वजनिक कार्यक्रमों में महापौर के साथ ही हुआ करते थे। अब इन्हें हटा लिया गया है। आमतौर पर रायपुर के महापौर को पुलिस सुरक्षाकर्मी दिए जाते रहे हैं, मगर इस बार सरकार बदलते ही अचानक ढेबर की सिक्योरिटी को हटा लिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिर्फ एक पुलिसकर्मी को महापौर के साथ रखा गया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेताओं को दी गई तमाम सुरक्षा का नए सिरे से रिव्यू पुलिस विभाग कर रहा है। जहां जरूरत नहीं, वहां से सुरक्षा हटाने का काम शुरू किया जा चुका है। महापौर समेत रायपुर के पूर्व विधायक कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा को भी रिव्यू किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी नेताओं की सिक्योरिटी को भी हटाया जा सकता है।

यह गलत परंपरा है

महापौर एजाज ढेबर ने तीन सुरक्षाकर्मियों को हटाने पर कहा कि यह गलत परंपरा है। मेरा मानना है राजनीति से प्रेरित होकर चार में से तीन पीएसओ को अचानक, बिना कोई जानकारी दिए हटा दिया गया। शहर का प्रथम नागरिक होने के नाते सुरक्षा मिलनी चाहिए, क्योंकि शहर में मुझे भ्रमण करना पड़ता है। इससे पहले के सभी महापौरों को सुरक्षा दी गई थी। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, पर शहर (नगर निगम) में तो कोई परिवर्तन नहीं हुआ है? फिर भी सुरक्षा हटा दी गई। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृहमंत्री से मिलकर बात करूंगा। गौरतलब है कि कांग्रेस सरकार के वक्त महापौर ढेबर की सुरक्षा में तीन पुलिसकर्मी बतौर पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर ड्यूटी पर लगाए गए थे। ये सार्वजनिक कार्यक्रमों में महापौर के साथ ही हुआ करते थे। इनमें से तीन को हटा लिया गया। अब केवल एक ही सुरक्षाकर्मी महापौर के साथ रहेंगे।

40 वृहद, 63 मध्यम और 375 लघु परियोजनाएं निर्माणाधीन

मध्यप्रदेश में 41.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता, वर्ष 2027 तक इसे बढ़ाकर 53 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में वर्तमान में जल-संसाधन विभाग के तहत 41 लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित की जा चुकी है। दिसम्बर-2024 तक 43 लाख हेक्टेयर, दिसम्बर-2025 तक 46 लाख हेक्टेयर और दिसम्बर-2027 तक 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाए जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। जल संसाधन विभाग के तहत वर्तमान में 40 वृहद, 63 मध्यम और 375 लघु परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल सिंचाई क्षमता 30 लाख हेक्टेयर है।

वर्तमान स्थिति में 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आंशिक सिंचाई सुविधा विकसित की जा चुकी है। इन योजनाओं के पूर्ण होने पर 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा।

वर्तमान स्थिति में 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आंशिक सिंचाई सुविधा विकसित की जा चुकी

प्रदेश में फसलों के लिए इतनी सिंचाई सुविधा उपलब्ध

जल-संसाधन विभाग के कुशल प्रबंधन से प्रदेश में निर्मित सिंचाई क्षमता का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। जल-संसाधन विभाग की ओर से वर्ष 2023-24 में खरीफ फसल के लिए 3 लाख हेक्टेयर, ग्रीष्मकालीन फसल के लिए 83 हजार हेक्टेयर एवं रबी फसल के लिए निर्धारित लक्ष्य का 34.17 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में हर खेत को पानी उपलब्ध कराने के संकल्प को विभाग की ओर से पूरा किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सूक्ष्म दाब सिंचाई पद्धति को बढ़ावा

प्रदेश में पानी के अधिकतम उपयोग के लिए सूक्ष्म दाब सिंचाई पद्धति को बढ़ावा देने के लिए 40 वृहद और 53 मध्यम परियोजनाओं में दबावयुक्त पाइप सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का उपयोग करते हुए निर्माण किया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना पर बयानबाजी तेज

कहां है हर महीने एक हजार रुपए देने वाली योजना कहां है महतारी वंदन के 60 लाख आवेदन: कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा के घोषणा पत्र में महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना चलाने की घोषणा पर सरकार गठित होने के बाद काम शुरू नहीं होने से कांग्रेस ने भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने प्रश्न उठाया है कि आखिर महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए देने की योजना कहां है?, इस प्रश्न पर भाजपा ने भी पलटवार कर कांग्रेस को महिला विरोधी बताया है।

कांग्रेस महिलाओं को वोट बैंक समझती है: भाजपा

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कांग्रेस के महतारी वंदन योजना पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा महिला विरोधी रही है। कांग्रेस महिलाओं को अपना वोट बैंक समझती रही है। भाजपा ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं संचालित की हैं, जिनका लाभ प्रदेश की महिलाओं को मिला है।

मोदी की गारंटी को पूरा करने पीछे हट रही भाजपा

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी की गारंटी के नाम से भाजपा ने महिलाओं से फार्म भरवा कर 1000 रुपए महीना देने का वादा किया था। महतारी वंदन योजना के झांसे में आकर प्रदेश की 60 लाख से अधिक महिलाओं ने फार्म में अपने मोबाइल नंबर, बैंक खातों का विवरण और अपनी निजी जानकारियां भी दी थीं। अब महिलाएं 1000 रुपए महीना मिलने का इंतजार कर रही हैं? घर-घर जाकर महिलाओं से फार्म भरवाने वाले भाजपा के नेता और कार्यकर्ता अब मुंह छुपा रहे हैं। किसानों को प्रति क्विंटल धान के 3100 रुपए भी नहीं मिल रहे हैं। महिलाओं को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर भी नहीं मिल रहा है।

हरिभूमि
जबलपुर भूमि
जबलपुर, सोमवार 1 जनवरी 2024
login : www.haribhoomi.com

नये साल के नाम खूब छलकाये गये जाम

होटलों, क्लबों में रही धूम, सड़कों पर मयकश लहराये

जबलपुर।

वर्ष 2023 के रात 12 बजते ही इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। नई सुबह के साथ नये साल 2024 का आगाज हो गया। बीते वर्ष की विदाई और नये वर्ष के स्वागत में शहर में जमकर जश्न मनाया गया। होटलों, क्लबों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ नये वर्ष का स्वागत हुआ। वहीं मयकशों ने जमकर जाम छलकाए, यूं तो शाम ढलते ही मयखानों में रोज ही जाम छलकते हैं। धर्म-कर्म में विश्वास रखने वालों ने भगवान का भजन-पूजन और मंत्रों का जाप कर आने वाले नए साल का आगाज अच्छा हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की, जबकि चकाचौंध और हो-हल्ले से दूर रहने वाले लोग एक हफ्ते पूर्व ही नया वर्ष मनाने धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर जा चुके थे। जिन्हें खुशी और पीने का बहाना चाहिए वे नये साल के नाम पर जाम पर जाम छलकाते रहे।

शहर की नामचीन होटलों ने भी म्यूजिकल डांस और जाम छलकाने के इंतजाम आकर्षक पैकेज के साथ किये थे। धनाढ्य वर्गीय लोगों ने शहर की थ्री-स्टार कही जाने वाली होटलों में नये साल का जश्न मनाया। वहीं अभिजात्य वर्गीय क्लबों में भी नये साल के जश्न का खूब रंग जमा। नाच गानों के साथ नये साल का आगाज किया गया। रात 12 बजे जैसे ही घड़ी के कांटे आपस में मिले। वैसे ही लोग खुशी से झूम उठे और शानदार आतिशबाजी कर बीत रहे वर्ष को बाय-बाय और आ रहे नये साल को वैलकम किया। नये साल के जश्न में मयखानों से नशे में चूर होकर निकले नौजवान युवकों ने शहर की सड़कों पर

जमकर हुड़दंग भी मचाई। एक बार ऐसा लगा कि नये साल का जश्न है या होली जैसी हुड़दंग। कालोनियों में भी नये साल पर जश्न का माहौल देखा गया। डीजे लगाकर लोग नाचते रहे। कालोनियों व अपार्टमेंटों में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ रात्रिभोज भी आयोजित किये गये। हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस ने लगाम भी कसी लेकिन पुलिस की सक्रियता सिर्फ प्रमुख चौराहों और मयखानों तक ही सीमित रही। गली कूचों में देर रात तक होहल्ला होता रहा। नये वर्ष के पहले दिन 1 जनवरी को शहर के पर्यटन स्थल भेड़ाघाट, बरगी बांध, टैम्भर फाल, परियट, डुमना नेचर रिजर्व, भंवरताल, टैगोर उद्यान, मदन महल में बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचेगे।

रात 12 बजे के बाद भी बजते रहे डीजे

मयखाने भी देर रात तक आबाद रहे। हालांकि पुलिस ने डंडे जरूर फटकारे, लेकिन सब कुछ संगामित्ती और सधेबधे अंदाज में चलता रहा। वरिष्ठ अधिकारी भी नये साल के जश्न में सरीक रहे और मोबाईल व वायरलेस सेट से लगातार स्थिति की जानकारी जरूर लेते रहे। रात में कड़ाके की ठंड के बावजूद शराब के नशे की गरमी में खासकर मनचले नौजवान युवक सड़कों पर बहकते नजर आये। प्रतिबंध के बावजूद कालोनियों व अपार्टमेंटों में रात 12 बजे के बाद तक डीजे, साउंड सिस्टम चलता रहा और नये साल के जश्न में डूबे लोग थिरकते रहे। शहर की नामचीन होटलों और क्लबों में भी कमोबेश यही स्थिति रही।

चाय पान वालों पर चला डंडे का जोर

मौसम ठंडा-ठंडा कूल-कूल होने के कारण आम दिनों की तरह भीड़ नहीं रही लेकिन शराबी, लफंगे जरूर घूमते रहे। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनायें रखने के लिये चाय पान के ठेले में जरूर डंडे फटकारें और दुकान जल्द बंद करा दी। जबकि शराब की दुकानें और बीयर बार देर रात तक आबाद रहे।

देर रात तक बजे डीजे, मयखाने भी रहे आबाद

नये साल के जश्न की मस्ती में खूब झूमें बाईकर्स

जबलपुर। पुलिस की तमाम सख्ती के दावों के बीच नये साल के जश्न में जमकर हुड़दंग हुई। आम दिनों में पुलिस के लिये चुनौती बने बाईकर्स सवार नववर्ष की आगमन बेला में फिर बड़ी चुनौती बनकर सामने आये। एक मोटर सायकिल में तीन-तीन, चार-चार युवक सवार होकर सड़कों पर लहराते हुये वाहन चलाते देखे गये। पुलिस ने नव वर्ष की पूर्व संध्या में सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था करने का दावा किया था।शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर फिक्स पिकेट्स लगाये गये थे और सभी सीएसपी व थाना प्रभारी अपने-अपने प्रभार वाले क्षेत्रों में सघन पेट्रोलिंग करते रहे। जहां नववर्ष पर कार्यक्रम आयोजित किये गये थे, वहां भी पुलिस पहरा दे रही थी। लेकिन विदा हो रहे वर्ष में विवादों से बचने के लिए पुलिस ने बहुत डर-डर कर कार्यवाही की। हालांकि शाम ढलने के बाद वाहनों की चेकिंग का अभियान प्रारंभ हो गया था। शराब पीकर वाहन चलाने वालों को ब्रेथ एनालाईजर से मुंह सूंघा जा रहा था। इसके बावजूद भी पुलिस की व्यवस्था और सख्ती कमजोर पड़ गई। शराब पीकर लहराते हुये बाईकर्स सवारों ने जमकर हुड़दंग लीला मचाई। चाय-पान के टपरे देर रात तक खुले रहे।

नये साल के पहले हफ्ते में हो सकता है बारिश

फिर बन रहा पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी

जबलपुर। बारिश और बादलों के बीच नववर्ष आगाज होगा। उत्तरी भारत में पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी हो रहा है। जिससे नये साल के पहले हफ्ते में पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बादल छाने और बारिश होने के आसार बन रहे हैं। जबलपुर सहित संभाग के जिलों में पश्चिमी विक्षोभ की आहट से मौसम ने रंगत बदलना भी शुरू कर दिया है। धूप-बादलों के बीच दिन भर अठखेलियां जारी रहीं वहीं हवा का रुख भी उत्तर-पश्चिमी से बदलकर दक्षिण -पश्चिमी हो गया है जिससे बढ़ती ठंड पर एक बार फिर ब्रेक लग गया है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले 24 घंटे तक वातावरण में ठंडक घुली रहेगी इसके बाद बादल गहराने व दक्षिण-पश्चिमी हवा के कारण तापमान में बढ़ोतरी होने से ठंड का असर भी कुछ होने लगेगा। दिन के तापमान में आंशिक गिरावट तो रात के तापमान में चार डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। जनवरी के पहले हफ्ते में पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने से तापमान में गिरावट आने से ठंड का असर बढ़ सकता है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक तापमान में गिरावट बनी हुई है। दिन का अधिकतम तापमान 25.07 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 10.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 88 प्रतिशत और सायंकाल 60 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.52 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 5.36 मिनिट पर हुआ। प्रदेश में सबसे कम 8 डिग्री तापमान दतिया जिले में दर्ज किया गया। उत्तरी पूर्वी हवाएं 2 से 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

नव वर्ष से श्रेया ने लिया सपरिवार अंगदान-देहदान का संकल्प

जबलपुर। संस्कारधानी की बेटी नाम से मशहूर श्रेया खंडेलवाल ने नव वर्ष पर सपरिवार अंगदान देहदान का संकल्प पत्र भरा। श्रेया ने कहा मृत्यु के बाद भी इंसान अपने जीवनरक्षक अंगों, नेत्रों, त्वचा आदि के माध्यम से दूसरों के शरीर में जी सकता है, उन्हें 'जीवनदान' दे सकता है। यदि मेडिकल के विद्यार्थियों के लिए सम्पूर्ण देह का दान कर दिया जाए, तो उन्हें अत्यंत महत्वपूर्ण प्रायोगिक सुविधा मिल जाएगी और वे ज़्यादा बेहतर डॉक्टर बनकर पीड़ित मानवता की अधिक सेवा कर पाएंगे। हम नेत्रदान से दूसरों के जीवन को रोशन कर सकेंगे। हम रक्तदान करके भी दूसरों के शरीर में अमृत के रूप में बहने का दिव्य अनुभव हासिल कर सकते हैं। मेरे सम्पूर्ण परिवार ने अंगदान देहदान का संकल्प पत्र भर दिया है और 'आओ अमर हो जाएं' अभियान को नए साल से आजीवन आगे बढ़ाने का प्रण लिया है। - **श्रेया खंडेलवाल**

यादव महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन भोपाल में होगा

जबलपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जबलपुर बैठक इंडियन काफी हाउस घंटाघर जबलपुर में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 18 फरवरी को भोपाल में होने जा रहे राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर चर्चा की गई। जिसमें जबलपुर जिला से समस्त स्वजातिय बंधुओ की अधिवेशन में उपस्थित के लिए अपील की गई एवं अधिवेशन में पहुंचने की रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही संगठन के विस्तार पर पर चर्चा की गई। यहां पूर्व प्रदेश महासचिव भाई नरेश यादव को प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबलपुर शहर युवा अध्यक्ष पद रिंकू असित यादव को नियुक्त किया गया। इसी प्रकार महिला विंग में प्रदेश कार्यकारी महिला अध्यक्ष के लिए पूर्व जनपद अध्यक्ष रजनी यादव को नियुक्त किया गया। इसी प्रकार प्रदेश सचिव पद पर पूर्व सरपंच मोहन यादव मगेली पूर्व सरपंच धरहर उमा यादव को भी प्रदेश सचिव बनाया गया। युवा बिंग में प्रदेश सचिव पद पर विनोद यादव हिनोतिया बरेला को भी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष विजय यादव जिला अध्यक्ष रामकुमार यादव बड़डा प्रदेश महासचिव गुलाब यादव संजय यादव वसंता शहर अध्यक्ष मनोज यादव युवा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव महिला ग्रामीण अध्यक्ष श्रीमती रश्मि यादव शहर अध्यक्ष श्रीमती कंचन यादव यादव आदि उपस्थित थे।

धान उपार्जन केन्द्रों का उडन दस्तों ने किया औचक निरीक्षण

जबलपुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों के आकस्मिक निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिये उडन दस्तों का गठन किया गया। दल ने पाटन और शहपुरा तहसील के खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया और किसानों से चर्चा की। परियोजना संचालक आत्मा डॉ. एसके निगम ने बताया कि पाटन तहसील के ग्राम सकरा में गोविंद वेयर हाउस स्थित खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के लिये पहुंचे उडनदस्ता दल से चर्चा में किसानों ने उपार्जन की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। किसानों ने बताया कि धान की तुलाई, सिलाई एवं रखवाई का किसी प्रकार का पैसा उनसे नहीं लिया जा रहा हैं। उडन दस्ता दल ने इस मौके पर केन्द्र प्रभारी को किसानों की किसी तरह की असुविधा नहीं होने देने के निर्देश दिये। साथ ही एफएक्यू धान की खरीदी ही करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ. इंदिरा त्रिपाठी भी मौजूद थीं। इस मौके पर किसानों से खरीदी गई धान की तुलाई भी मौके पर की गई। डॉ. निगम ने बताया कि उडनदस्ता दल द्वारा शहपुरा तहसील के अंतर्गत तेवर, बिजौरी और कैथरा धान उपार्जन केन्द्राW का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में इन केन्द्रों पर तौल कांटे की जांच की गई तथा उनका सत्यापन किया गया। तेवर के अदविका लॉजिस्टिक वेयर हाउस स्थित खरीदी केन्द्र को छोड़कर शेष खरीदी केन्द्रों पर माईश्चर मीटर उपलब्ध पाये गये। किसानों ने चर्चा के दौरान इन केन्द्रों पर उपार्जन व्यवस्था को लेकर संतोष जताया। किसानों ने बताया कि उनसे किसी प्रकार का कोई कमीशन नहीं लिया जा रहा हैं। तुलाई भी सही की जा रही है। खरीदी केन्द्रों पर उपार्जन से संबंधित बैनर-पोस्टर भी लगे पाये गये। किसानों के बैठने तथा पेयजल आदि के समुचित इंतजाम पाये गये। निरीक्षण के दौरान तेवर और कैथरा में सर्वेयर अनुपस्थित थे। किसानों की मौजूदगी में किये गये निरीक्षण के दौरान उडनदस्ता दलों द्वारा पंचनामा भी तैयार किये गये हैं।

एमपी एमएलए विशेष कोर्ट का फैसला

पूर्व सांसद मुंजारे को दो साल की कैद

साथियों को 2 वर्ष का कारावास व जुर्माने से दण्डित किया

जबलपुर।

एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट की न्यायाधीश श्रीमति विश्वेश्वरी मिश्रा की अदालत ने बालाघाट के पूर्व सांसद और विधायक कंकर मुंजारे व अन्य 4 आरोपियों को रैम्प निर्माण कर रही कंपनी के कर्मचारी को धमकाने और 20 लाख रुपये की मांग करने को लेकर मारपीट के आरोप में दोषी पाते हुये 2 साल की सजा सुनाई और साथ ही जुर्माना भी लगाया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक गत 25 जून 2020 को बालाघाट के खैरलांजी में खनिज विभाग की अनुमति के बाद एलएंडटीपीसी 200 मशीन से ट्रैक्टर के आवागमन के लिये मार्ग रैम्प का निर्माण किया जा रहा था। उसी समय पूर्व सांसद एवं विधायक कंकर मुजारे एक सफारी स्टॉर्म वाहन में आए और मौके पर मौजूद प्रार्थी अजय लिल्हारे और नियोजक राजेश पाठक के साथ गाली गलौच करने लगे। इंदू लिलहारे व अन्य चार मूहं में कपड़ा बांधे थे, सभी ने गालीगलौच करते हुये लाठियों से मारपीट शुरु कर दी। जिससे प्रार्थी अजय लिल्हारे और राजेश पाठक के साथ मारपीट करते हुये हर महीने 20 लाख की मांग की। मारपीट के दौरान घाट पर कार्यरत अन्य कर्मचारियों द्वारा उन्हें बचाने के प्रयास किये गये तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। खैरलांजी थाने में प्रार्थी अजय लिल्हारे द्वारा लिखित शिकायत दी गई, जिसकी विवेचना के बाद पुलिस ने धारा 324, 147, 149, 323 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला लोक अभियोजन अधिकारी अजय कुमार जैन विशेष लोक अभियोजन श्रीमति अरुण प्रभा भारद्वाज एवं हेमलता दहल ने पैरवी की जिनके तर्कों से सहमत होकर गवाहों व सबूतों के मद्देनजर न्यायालय ने आरोपियों को दोषी पाया और दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई साथ ही 5-5 सौ रुपये का जुर्माना भी लगाया। माननीय न्यायालय श्रीमती विश्वेश्वरी मिश्रा विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट(एम.पी./एम.एल.ए. न्यायालय), जबलपुर के द्वारा थाना खैरलांजी, जिला बालाघाट के अप0 क्रं. 186/2020 व सत्र प्रकरण(पीपीएम) क्रमांक 15/2022 के प्रकरण में आरोपीगण अजय उर्फ छोटू, कंकर मुंजारे, इंदु लिल्हारे, सावनलाल पिछोडे, नंदकिशोर उर्फ नंदू ढेकवार को अंतर्गत धारा 327 सहपठित 149 भादस में 02 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 रू अर्थदण्ड, धारा 147 भादस में 03 माह का सश्रम कारावास व 500 रू अर्थदण्ड तथा धारा 323 सहपठित 149(2 कांउट) भादस में न्यायालय अवधि अवसान पर्यन्त व 500-500 रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 25.06.2020 को प्रार्थी अजय लिल्हारे द्वारा आरक्षी केंद्र खैरलांजी, जिला-बालाघाट में इस आशय का एक लिखित आवेदन दिया गया कि दिनांक 25.06.2020 को सायंकाल लगभग 5.23 बजे उसके द्वारा खनिज विभाग की अनुमति उपरांत एल.एन.टी.पी.सी. 200 मशीन से ट्रेक्टर के आवागमन हेतु मार्ग/रैम्प का निर्माण किया जा रहा था, तद्समय सफेद रंग की फारच्यूनर चारपहिया वाहन से पूर्व विधायक/सांसद कंकर मुंजारे और 04 अन्य व्यक्ति तथा वाहन सफारी स्टार्म से इंदू लिल्हारे व अन्य चार साथी मुख पर कपड़ा बांधे हुए, मोटरसाईकिल से खैरलांजी का अजय उर्फ छोटू एक मत होकर डंडा धारित करते हुए घटना स्थल पर उपस्थित हुए तथा प्रार्थी को मशीन से खीचकर अश्लील गालियां देते हुए मशीन को बंद करने तथा नियोजक राजेश पाठक से प्रत्येक माह बीस लाख रूपए की मांग करते हुए प्रार्थी के साथ डंडे से मारपीट की जिससे उसे पैर में घुटने के नीचे तथा बांयी ओर सिर में चोट पहुंची, प्रार्थी को बचाने के उद्देश्य से घाट पर कार्यरत व्यक्तियों द्वारा प्रयास किये जाने पर अभियुक्तगण द्वारा उनके साथ भी मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त के आधार पर आरक्षी केन्द्र खैरलांजी में प्रदत्त लिखित आवेदन के आधार पर रिपोर्ट लेखबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई, जिसकी विवेचना रामबाबू चौधरी द्वारा की गई। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उप-संचालक(अभियोजन) श्री विजय कुमार उईके के मार्गदर्शन में जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री अजय कुमार जैन, श्रीमती अरूणप्रभा भारद्वाज, विशेष लोक अभियोजक एवं श्री हेमलता दहल, विशेष लोक अभियोजक द्वारा उक्त मामले में सशक्त पैरवी की गई। प्रकरण में जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री अजय कुमार जैन द्वारा तर्प प्रस्तुत किया गया कि अभियुक्त एक सामान्य व्यक्ति न होकर एक जनप्रतिनिधि होते हुए रूपयो की अवैध मांग की गई और फरियादी के साथ मारपीट की गई इसलिए अभियुक्त को अधिक से अधिक(दस साल) दण्ड की मांग की गई। माननीय न्यायालय श्रीमती विश्वेश्वरी मिश्रा विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट(एम.पी./एम.एल.ए. न्यायालय), जबलपुर के द्वारा थाना खैरलांजी, जिला बालाघाट के अप0 क्रं. 186/2020 व सत्र प्रकरण(पीपीएम) क्रमांक 15/2022 के प्रकरण में आरोपीगण अजय उर्फ छोटू, कंकर मुंजारे, इंदु लिल्हारे, सावनलाल पिछोडे, नंदकिशोर उर्फ नंदू ढेकवार को अंतर्गत धारा 327 सहपठित 149 भादस में 02 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 रू अर्थदण्ड, धारा 147 भादस में 03 माह का सश्रम कारावास व 500 रू अर्थदण्ड तथा धारा 323 सहपठित 149(2 कांउट) भादस में न्यायालय अवधि अवसान पर्यन्त व 500-500 रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

गायत्री महायज्ञ की मंगल कलश यात्रा

हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा का जयघोष

सिहोरा। शांतिकुंज हरिद्वार के गायत्री शक्तिपीठ जबलपुर के मार्गदर्शन मे प्रारंभ हो रहे गायत्री महायज्ञ की दिव्य मंगल कलश यात्रा निकली जो गायत्री मंदिर गढ़िया मोहल्ला से प्रारम्भ होकर काल भैरव चौक,झंडा बाजार,महावीर चौक,मैना कुंआ,पुराना बस स्टैंड,ग़ौरी तिराहा,आजाद चौक , कटरा मोहल्ला,गढ़ियापुरा से होते हुए यज्ञ स्थल पहुंची बहनों ने 7 किलोमीटर का भ्रमण करते हुए दिव्य मंगल कलश यात्रा से जन-जन को यज्ञ हवन में आहुति देने हेतु आमंत्रण दिया आज 1 जनवरी से प्रातः 9 बजे से यज्ञ आहुति का कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न प्रकार

के संस्कार भी संपन्न होंगे तथा 2 बजे से पावन प्रज्ञा पुराण की कथा होगी।गायत्री परिवार के अध्यक्ष एन के गर्ग ने कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु सभी सिहोरा वासियों से अपील की है, दिव्य मंगल कलश यात्रा में हम सुधरेंगे युग सुधरेगा हम बदलेंगे युग बदलेगा का जय घोष करते हुए पूरे नगर में कलश यात्रा ने भ्रमण किया। फोटो 01 माता देवालय खडरा में विशाल भंडारे का आयोजन आज सिहोरा - नूतन वर्ष 2024 के प्रथम दिन सिद्ध पीठ स्थल माता देवालय खडरा में समाजसेवी व्यवसायी अरुण प्रताप सिंह द्वारा आज दोफहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी से पहुंचने की अपील की गई है। हर भक्त की चाहत रहती है की नये वर्ष की शुरुआत वह माता का आशीर्वाद लेकर करें इसलिए आज हजारों श्रद्धालुओं द्वारा यहां पहुंचकर माता के दर्शन के साथ प्रसाद ग्रहण किया जायेगा।

साफ सफाई का रखें ध्यान, बनेगी शहर की अच्छी पहचानः रोहाणी

जबलपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान शहर के एम्पायर तिराहा के पास स्वच्छता अभियान 2024 के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वर दास रोहाणी ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर विधायक श्री रोहाणी ने कहा कि नगर निगम के द्वारा लगातार शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए इस तरह के जागरूकता भरे कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं हम सब का भी दायित्व बनता है कि हम अपने शहर को साफ सुथरा रखें जिससे कि एक नई तस्वीर नई पहचान हमारे शहर की बने। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने लोगों को जागरूक करते हुए साफ सफाई के संबंध में विस्तृत जानकारी थी और कहा कि आप भी जागरूक हो और दूसरों को भी जागरूक करें। तभी हमारा शहर और भी अधिक सुंदर दिखाई देगा। इस अवसर पर अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, संभागीय अधिकारी चेतन चौधरी, सी.एस.आई. पोला राओ, एवं सहयोगी संस्था ओम साई विजन की आई ई सी टीम आदि शामिल रहे।

सेवानिवृत्ति पर 6 पुलिस कर्मियों की विदाई

जबलपुर। 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों को शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित समारोह में विदाई दी गई। उपनिरीक्षक रामसुमिरन यादव, कार्यवाहक उपनिरीक्षक सूरज प्रसाद उपाध्याय, कार्यवाहक उपनिरीक्षक सरोज कुमार दुबे, कार्यवाहक उपनिरीक्षक अरविंद शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक चंदूलाल मोची को सेवानिवृत्ति पर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना कर सेवानिवृत्त उपरांत मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिः पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, रक्षित निरीक्षक जयप्रकाश आर्य मौजूद रहे।

मजदूर संघ के अध्यक्ष को समारोहपूर्वक दी विदाई

जबलपुर। जीसीएफ के इतिहास में कार्य समिति द्वारा मजदूर संघ हथोड़ा के अध्यक्ष मिठाई लाल रजक का ऐतिहासिक विदाई समारोह निर्माणी के कैंटीन हाल में मनाया गया जहां हजारों की संख्या में कर्मचारियों की मौजूदगी में ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन पाठक ने अपने उद्बोधन में मिठाई लाल के किए गए संघर्ष की चर्चा किया साथी नई पेंशन स्कीम के एवं निगमीकरण के खिलाफ कर्मचारी को एकजुट रहने की सलाह दी कर्मचारी नेता उत्तम विश्वास एवं पार्थ ओझा ने श्री मिठाई लाल रजक एवं श्री एसएन पाठक को लाल रंग की पगड़ी पहनाकर सम्मान किया साथ ही कार्य समिति सदस्य एवं यूनियन के पदाधिकारी गण पृथक पृथक

श्री मिठाई लाल रजक को उपहार भेंट किया कार्यक्रम में मंच संचालन का काम कार्य समिति सचिव राजा पांडे एवं अमित चंदेल द्वारा किया गया विभिन्न निर्माणी के अन्य मजदूर संगठन द्वारा भी मिठाई लाल रजक को पुष्प हारो से सम्मान किया महामंत्री रोहित यादव जबलपुर में उपस्थित नहीं थे मगर वह भी ऑनलाइन मोबाइल के द्वारा कार्यक्रम में जुड़े थे इस विदाई समारोह में राजा पांडे उत्तम विश्वास अमित चंदेल पार्थ बीरबल सिंह अमित गुप्ता आशीष विश्वकर्मा राहुल गुप्ता इत्यादि मौजूद थे।

नये कानून के विरोध में ट्रांसपोर्टर्स बंद करेंगे अपना व्यवसाय

जबलपुर। केंद्रीय सरकार द्वारा हिट और रन कानून में बदलाव के चलते ड्राइवर को 10 साल की सजा और 10 लाख रुपया जुर्माने के विरोध में देश का सम्पूर्ण ट्रांसपोर्ट जगत इसका सख्ती से विरोध करेगा। जरूरत पड़ी तो ड्राइवर हित में पूरे देश में चक्का जाम कर दिया जायेगा। यह बात मप्र कॉंग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ, एवं भाईचारा ऑल इंडिया ट्रक ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष नरिंदर सिंह पांधे ने कही। उन्होंने आगे कहा इसका आम जनता के जीवन पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा पेट्रोल डीजल से लेकर सभी जरूरी खाने पीने की चीजें, दवाई आदि का आगमन पूरी तरह रुक जायेगा। ड्राइवर अगर दुर्घटना के बाद भागता है तो सिर्फ जनता की पिट जाने के डर से न कि पुलिस को आसहयोग करने हेत और हर बार गलती भी ड्राइवर की भी नहीं होती। उन्होंने केंद्र सरकार से निवेदन किया है की इन काले कानून को तुरंत वापिस लेने का निवेदन किया है।

देश की रक्षा के लिये स्थाई विरासत छोड़ी

लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

जबलपुर। लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए 31 दिसंबर 2023 को सेवानिवृत्त हुए। अपने प्रस्थान पर उन्होंने एक भव्य समारोह में भारतीय सेना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की । जबलपुर मिलिट्री स्टेशन के सभी वरिष्ठ अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और जवानों ने मिलकर भारत माता की जयघोष के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी। सेवानिवृत्ति पर, मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास ने लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत को पदभार सौंपा । उनके कार्यकाल को अनुकरणीय नेतृत्व और अटूट समर्पण द्वारा चिह्नित किया गया, जिससे देश की रक्षा के लिए सेवा और प्रतिबद्धता की एक स्थायी विरासत छोड़ी गई। जबलपुर मिलिट्री स्टेशन के सभी रैंकों ने लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास और जोनल अध्यक्षा आवा, श्रीमती मीता दास को गरिमापूर्ण विदाई दी। जनरल ऑफिसर लगभग चार दशकों की शानदार और कठिन सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनरल ऑफिसर को 1987 में भारतीय सेना की प्रतिष्ठित जम्मू और कश्मीर लाइट रेजिमेंट में नियुक्त किया गया था। अपने प्रतिष्ठित सैन्य करियर के

दौरान, उन्होंने सेंट्रल फ्रंट पर स्ट्रैटेजिक इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया, जो प्रमुख रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में कार्य करता है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों को संभालते हुए उल्लेखनीय कार्य किया है ६ सेना मुख्यालय में सैन्य सचिव शाखा और अतिरिक्त महानिर्देशक मैन पावर शाखा में काम करते हुए वह कई महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों का हिस्सा रहे हैं। उन्हें कमांडेंट ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई में भी तैनात किया गया था, जहां भारतीय सेना के बेहतरीन अधिकारी अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए तैयार किये जाते हैं। जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास ने सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की भलाई के उद्देश्य से कई कल्याण-संबंधी परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। सैनिकों के कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आवास और वित्तीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करने वाली पहलों का क्रियान्वन हुआ है। इन परियोजनाओं ने न केवल सेवारत सैनिकों और उनके परिवारों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए भूतपूर्व सैनिकों को महत्वपूर्ण सहायता भी प्रदान की है। भारतीय सेना में सेवारत और सेवा कर चुके भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को बढ़ाने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास का समर्पण उनकी गहन सहानुभूति और दृढ़ नेतृत्व को दर्शाता है। उन्होंने हमेशा मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने को महत्व दिया है और इस संबंध में उन्होंने साइकिल रैलियों, मैराथन आदि के माध्यम से उदाहरण स्थापित करके सैनिकों और नागरिकों को फिटनेस के बारे में जागरूक किया है। उन्हें परम विशिष्ट सेना मैडल, विशिष्ट सेना मैडल द्वारा भी सम्मानित किया गया है। अपनी सेवा के दौरान ड्यूटी से परे प्रदर्शन करने के लिए चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ और दक्षिणी कमान के जीओसी-इन-सी कमेंडेशन कार्ड एवं वीरता पुरस्कार के रूप में दो बार सेना मेडल से सम्मानित किया गया है।

मूक बधिर खिलाड़ियों को भोजन सेवा प्रदान की

जबलपुर। मूक बधिर खिलाडियों की राज्य स्तरीय क्रिकेट स्पर्धा रानीताल स्टेडियम में समापन अवसर चलित प्रसादम सेवा प्रकल्प द्वारा स्वादिष्ट भोजन प्रसादी कराई। इस अवसर पर भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल ने टीम के सभी खिलाडियों, कोच एवं आयोजकों को शुभकामनायें दीं। इनमें से चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेलने जायेंगे।

2 आरोपी गिरफ्तार, 2 लाख के जेवर बरामद

ट्रेन में जेवरों से भरा पर्स चोरी

जबलपुर। चलती गाड़ी से महिलाओं के पर्स गायब करने वाले 2 आरोपियों को जीआरपी ने धर दबोचा। जीआरपी थाना प्रभारी शशि धुर्वे ने बताया कि इतवारी रीवा एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान अज्ञात बदमाशों ने बालाघाट निवासी श्रीमति 30 वर्षीय फेबा मिंज का कीमती सामान से भरा लेडीस पर्स चोरी कर लिया था। जिसमें लगभग 2 लाख रुपये के जेवर थे। श्रीमति मिंज की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की शिकायत दर्ज कर जांच पड़ताल की और इस दौरान पुलिस ने सुराग मिलने पर मदार छल्ला निवासी आरोपी मोहसिन अंसारी और गोसलपुर निवासी लक्ष्मण शाह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में

आरोपियों ने चोरी की वारदात करना कबूल किया। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया पर्स और सोने चांदी के जेवर बरामद किये गये। जिनकी कीमत लगभग 2 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

चाकूबाजी के तीन आरोपी पकड़ाये

जबलपुर। माढ़ोताल थानांतर्गत गत 29 दिसंबर की रात कटंगी रोड स्थित एक वेयरहाउस के कर्मचारी पर चाकू से हमला करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया है वहीं उनका चौथा साथी फिलहाल फरार हैं। माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि जब माँ वेयरहाउस टोयोटा शोरूम निवासी अंकित सेन जय मां शोरूम कटंगी रोड में रहकर मजदूरी करता हैं। गत 29 दिसंबर की रात 9 बजे अंकित वेयरहाउस में काम कर रहा था। तभी चार युवक शुभम कोल, मोहित गोंटिया, अमित ठाकुर एवं विशेष रैकवार आये और काम के लिये पूछे। अंकित ने काम के लिये मना किया। तो चारों गालीगलौज करने लगे। विशेष रैकवार ने चाकू निकाला और उसके साथियों ने विशेष से कहा कि इसे जान से खत्म कर दो। विशेष ने जान से मारने की नियत से अंकित के चेहरे व हाथ में चाकू मार दिया। हमलावरों पर धारा 294, 307, 34 का मामला दर्ज दर्ज कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों मोहित उर्फ भूर कोल, अमित ठाकुर व शुभम कोल को अभिरक्षा में लिया है वहीं आरोपी विशेष रैकवार की तलाश जारी है।

फांसी के फंदे पर झूली महिला

जबलपुर। बेलबाग थानांतर्गत तुलसी मोहल्ला में कल एक महिला ने कमरा बंद कर सीलिंग फेन के हुक से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाते हुए मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया। बेलबाग पुलिस ने बताया कि तुलसी मोहल्ला निवासी रीतेश कोरी कल रात 10 बजे छत पर सोने चला गया था। पत्नी कमरे में नीचे सो रही थी। सुबह लगभग 5.30 बजे रीतेश उठकर नीचे आया तो देखा कि कमरे का दरवाजा लगा था। दरवाजा खोलकर कमरे के अंदर जाकर देखा पत्नी प्रिया कोरी कमरे में सीलिंग फेन से रस्सी का फंदा बनाकर फांसी पर लटकी थी। रीतेश ने फांसी का फंदा काटकर पत्नी को उतारा तब तक पत्नी की मौत हो चुकी थी।

जुआ के फड़ पर छापा

जबलपुर। पाटन पुलिस ने चौधरी मोहल्ला के बाड़ा तबेला में मुखबिर की सूचना पर एक दर्जन जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ा। जुआरियों के पास से 23 हजार 670 रुपये और ताश पत्ते जप्त किये गये। थाना प्रभारी पाटन नवल सिंह आर्य ने बताया कि रविवार को मुखबिर की सूचना पर चौधरी मोहल्ला पाटन में विक्कू यादव के बाड़ा तबेला में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी यहां आकाश यादव, रूपेश राठौर , अतुल यादव, राजा यादव , विक्कू उर्फ विकास यादव, भानू यादव, जित्तू उर्फ जितेन्द्र यादव, आकाश उर्फ अक्कू यादव , मनीष गोतम सभी निवासी चैधरी मोहल्ला पाटन, शुभम ठाकुर, राजा ठाकुर, टिंकू यादव तेनों निवासी साहू कालोनी जुआ खेलते पकड़े गये। जुआरियो के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते एवं नगदी 23 हजार 670 रूपये जप्त करते हुये जुआरियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

श्रीमती जमना देवी- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ ग्वारीघाट रोड निवासी श्री नत्थू सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती जमना देवी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती दमयंती बाई सोनी- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री दादूराम सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती बाई सोनी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शखावत राय खत्री- बड़ी ओमती निवासी श्री शखावत राय खत्री (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री छोटे लाल कनौजिया- जय प्रकाश नगर धनी कुटिया अधारताल निवासी श्री छोटे लाल कनौजिया (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री खाक बहादुर पुन- अनुराधा कॉलोनी धोबीघाट वाटर वर्क्स रोड निवासी श्री खाक बहादुर पुन (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती रजनी नामदेव- घमापुर रामलीला मैदान के पास निवासी श्री ओम प्रकाश नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी नामदेव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अर्जुन आर्या- गुडविल अपार्टमेंट नेपियर टाउन निवासी श्री अर्जुन आर्या (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती चंदा बाई विश्वकर्मा- फूटाताल लाल स्कूल के पास निवासी श्री अशोक विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा बाई विश्वकर्मा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल कुशवाहा- तिलहरी निवासी श्री प्रेम लाल कुशवाहा (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सरस्वती विश्वकर्मा- शीतलामाई कुम्हार मोहल्ला निवासी श्री राकेश विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती विश्वकर्मा (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह मूंगफली तेल में रहा सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल कीमत में आये सुधार को छोड़कर बाकी सभी (सरसों,

सोयाबीन तेल-तिलहन, मूंगफली तिलहन, कच्चा पामतेल, पामोलीन दिल्ली एवं एक्स-कांडला तथा बिनौला तेल) के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि दाम ऊंचे होने की वजह से बाजार में मूंगफली तेल की लिवाली कम है इसके चलते मूंगफली दाने की खरीद भी कम है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एफडी की ब्याज दरें 1.25% बढ़ाईं

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने विभिन्न अवधि की सावधि जमाओं (एफडी) की ब्याज दरों को 1.25

प्रतिशत तक बढ़ाया है। इससे पहले, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भी सावधि जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ाई थीं। बीओबी ने एक बयान में कहा, 'विभिन्न अवधि की दो करोड़ रुपये तक की सावधि जमाओं पर ब्याज दर 0.01 प्रतिशत से 1.25 प्रतिशत तक बढ़ाई गई है।'

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से

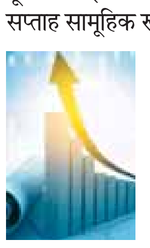

1,29,899.22 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। बीते कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,133.3 अंक या 1.59 प्रतिशत के लाभ में रहा। सेंसेक्स 28 दिसंबर को 72,484.34 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा।

2023 में 76 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गईः सरकार

नई दिल्ली। इस साल 76 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई है। सरकार ने एक बयान में बताया कि इनमें से 30 खनिज ब्लॉकों की

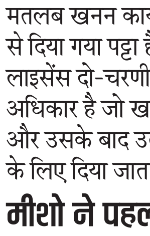

खनन पट्टे के लिए नीलामी की गई और शेष 46 को समग्र लाइसेंस के रूप में बेचा गया। खनन पट्टे का मतलब खनन कार्य करने के उद्देश्य से दिया गया पट्टा है, जबकि समग्र लाइसेंस दो-चरणीय परिचालन अधिकार है जो खनन के उद्देश्य से और उसके बाद उत्पादन परिचालन के लिए दिया जाता है।

मीशो ने पहली बार दर्ज किया मुनाफा

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित मीशो ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज

करने वाली पहली ई-वाणिज्य यूनिकॉर्न बन गई है। कंपनी ने हालांकि जुलाई-सितंबर तिमाही में कितना मुनाफा हुआ, इसकी जानकारी नहीं दी। कंपनी का घाटा चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कम होकर 141 करोड़ रुपये रह गया।

फर्स्टक्राई के आईपीओ में टाटा हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। दिग्गज उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड के आगामी आरंभिक

सार्वजनिक निर्गम में अपने सभी 77,900 शेयर बेचने पर विचार कर रहे हैं। ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड मां-बच्चों की देखभाल वाले उत्पाद मंच फर्स्टक्राई की मालिक है। रतन टाटा 2016 में शुरुआत में 66 लाख रुपये लगाकर कंपनी में निवेशक बन गए थे।

नए वर्ष में निवेशकों को तोहफा, यूपीआई से खरीद सकेंगे सेकेंडरी मार्केट में शेयर

दुनिया में पहली बार भारत में शुरू होगी यह सुविधा, एक जनवरी से सीमित ग्राहकों के लिए शुरू होगी सेवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक जनवरी 2024 को सेकेंडरी मार्केट के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई लांच करेगा। इसके बाद निवेशक यूपीआई के जरिए पेमेंट करके शेयर्स खरीद सकेंगे। अभी आईपीओ की बिडिंग में यूपीआई के जरिए पेमेंट कर पाते हैं। जब आईपीओ के लिए अप्लाई करते हैं, तो उसका पैसा इन्वेस्टर्स के अकाउंट में ही ब्लॉक हो जाता है और जब शेयर्स इश्यू होते हैं, तब अमाउंट डेबिट होता है। इसी तरह सेकेंडरी मार्केट यानी शेयर बाजार में यह सर्विस शुरू होने के बाद स्टॉक्स खरीदने पर उसका जितना भी अमाउंट होगा, वह आपके अकाउंट में ब्लॉक हो जाएगा। इसके बाद जब उसी दिन सेटलमेंट होगा, तो इन्वेस्टर्स के अकाउंट से पैसा डेबिट हो जाएगा। सेकेंडरी मार्केट में यूपीआई से खरीद-फरोख्त शुरू करने वाला भारत दुनिया का पहला देश होगा।

ट्रांजैक्शंन की स्पीड बढ़ेगी

एनसीपीआई ने बताया कि क्लियरिंग कॉरपोरेशन, स्टॉक एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, स्टॉकब्रोकर, बैंक और यूपीआई ऐप सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के साथ मिलकर इक्विटी कैश सेगमेंट के लिए बीटा वर्जन में पेमेंट सर्विस पेश की जाएगी। शुरुआत में यह सर्विस सीमित ग्राहकों के लिए ही होगी। इस कदम से ट्रांजैक्शंस की स्पीड बढ़ जाएगी और भारत के स्टॉक एक्सचेंजों के लिए सेम डे सेटलमेंट करने में मदद मिलेगी।

किसे होगा फायदा

शेयर बाजार में यह सर्विस शुरू होने के बाद स्टॉक्स खरीदने पर जितने पैसे लगेंगे, वह राशि निवेशक के अकाउंट में ब्लॉक हो जाएगी। इसके बाद जब उसी दिन सेटलमेंट होगा तो इन्वेस्टर्स के अकाउंट से पैसा कट जाएगा। अभी तक आईपीओ की बिडिंग में यूपीआई के जरिए पेमेंट करने की सुविधा है। एनपीसीआई ने बताया कि इस बीटा लांच को ब्रोकरेज ऐप 'ग्रो' फैसिलिटेट कर रहा है।

फंड ब्लॉक करने की सुविधा ऑप्शनल है

फंड ब्लॉक करने की फैसिलिटी इन्वेस्टर्स के लिए ऑप्शनल है। यह सुविधा स्टॉकब्रोकर देगा। अगर इन्वेस्टर ने इस सुविधा का चयन किया तो ब्रोकर निवेशक के अकाउंट की डिटेल एक्सचेंजेज के साथ शेयर करेगा। बीएसई और एनएसई उस निवेशक के डेटा को क्लीयरिंग कॉरपोरेशन के साथ साझा करेंगे। यूपीआई गाइडलाइन्स के मुताबिक एक निवेशक अधिकतम पांच लाख रुपए ब्लॉक कर सकता है।

सोने में चमक कायम, नए साल में 70,000 तक पहुंच सकता है दाम

वैश्विक तनाव की वजह से सोने के दाम एक बार फिर बढ़े

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पीली धातु की चमक नए साल 2024 में भी बनी रहेगी। अगले साल सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा। फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। वहीं रुपया इस समय 83 प्रति डॉलर के पार पहुंच चुका है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया में सोने के दाम एक बार फिर चढ़ गए।

नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा

सोना रिकॉर्ड 61,914 रुपए का भाव छू चुका

उभरते बाजार के कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया।

सुरक्षित निवेश के रूप में सोना बना रहेगा

कॉमट्रेंड्ज रिसर्च के निदेशक ज्ञानशेखर त्यागराजन ने कहा, 'निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बरकरार है। यही वजह है कि इस साल चार दिसंबर को सोने का भाव 64,063 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में यह 2,140 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।'

चुनावी साल में रुपया हो सकता है कमजोर

त्यागराजन ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि 2024 में अंततः यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा। वहीं घरेलू बाजार में सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा सकता है।' उन्होंने कहा कि चुनावी साल में रुपया कमजोर हो सकता है। इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे।

केंद्रीय बैंकों की मांग हो सकती है अधिक

कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष - प्रमुख जिंस शोध रविंद्र राव ने कहा कि खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है।

हेजिंग के लिए सोने की भूमिका बढ़ी

इससे महंगाई के खिलाफ 'हेजिंग' के लिए सोने की भूमिका बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सितंबर तिमाही में सोने की कीमत पिछले साल से 12 प्रतिशत कम रही। वर्ष 2023 में सोने की मांग पिछले साल से थोड़ी कम 700-750 टन रहेगी।

कारोबार कमोबेश 2022 जैसा ही रहेगा

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बिक्री पर असर पड़ा है और 30-35 लाख शादियों के बावजूद इस साल पीली धातु का कारोबार कमोबेश 2022 जैसा ही रहेगा।

अदाणी ने इस साल इक्विटी व बांड से 15 अरब डॉलर जुटाए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के समूह ने इस साल इक्विटी से पांच अरब अमेरिकी डॉलर (41,500 करोड़ रुपये) जुटाए और करीब इससे दोगुनी राशि बांड के जरिए हासिल की।

अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह पर लगाए गए गंभीर आरोपों से उबरते हुए अदाणी ने निवेशकों का भरोसा साबित किया। अडाणी 2023 की शुरुआत में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी थे, हालांकि 24 जनवरी को आई हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में उन पर आरोप लगाए जाने के बाद उनकी निजी संपत्ति लगभग 60 अरब ड़ॉलर घट गई।

अदाणी 2023 के शुरुआत में दुनिया के दूसरे बड़े अमीर

समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और अपनी रणनीति पर काम करते हुए वापसी की। अदाणी एक साल पहले अपनी संपत्ति से करीब 36 अरब अमेरिकी डॉलर पीछे हैं। वह अपने प्रतिद्वंद्वी अरबपति मुकेश अंबानी से 12 अरब अमेरिकी डॉलर पीछे हैं।

अदाणी ग्रीन ने 1.36 अरब डॉलर जुटाए

अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के एक संघ से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एजीईएल के अनुसार मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण के बाद से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण से कंपनी का कुल कोष बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

नए साल में ब्याज दर व चुनाव तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

निवेशकों के लिए वर्ष 2023 एक यादगार साल रहा, अगले 3 से 6 माह में सेंसेक्स व निफ्टी सात फीसदी चढ़ सकते हैं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक यादगार साल और निवेशकों को मिले शानदार मुनाफे के बाद भारतीय शेयर बाजार महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरे 2024 में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। नए साल में शेयर बाजार की निगाह ब्याज दरों के साथ लोकसभा चुनाव और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर नजर रहेगी।

विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहेगी और अगले 3-6 माह में प्रमुख शेयर सूचकांक - सेंसेक्स और निफ्टी सात प्रतिशत तक चढ़ सकते हैं। वर्ष 2023 में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 11,399.52 अंक या 18.73 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी में 3,626.1 अंक या 20 प्रतिशत की तेजी हुई।

विश्लेषकों की राय है कि लोकसभा चुनाव, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, अमेरिका और भारत में ब्याज दरों की चाल, मुद्रास्फीति के रुझान और भू-राजनीतिक हालात शेयर बाजार के लिए प्रमुख कारक होंगे। उन्होंने कहा कि बाजार 2024 के आम चुनावों में बहुमत के साथ भाजपा सरकार की वापसी चाहता है। मोतीलाल ओसवाल ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रिब्यूशन ने एक टिप्पणी में कहा कि लोकसभा चुनाव और उसके बाद पहले आम बजट पर सभी की नजर रहेगी। ब्याज दर में किसी भी कटौती से बाजार को अतिरिक्त बढ़ावा मिलेगा। इस साल यानी 2023 में शेयर बाजार के निवेशकों की पूंजी में 81.90 लाख करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी हुई।

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के चेयरमैन राकेश मेहता ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की बढ़त ने निवेशकों की भावना को और बल दिया है।

विदेशी कोषों की खरीदारी बढ़ी

मेहता ने कहा, एक बार फिर भारतीय बाजारों में विदेशी कोषों की लिवाली बढ़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई की मौजूदा तेजी अगले 3-6 महीनों में बनी रहेगी। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में 5-7 प्रतिशत की बढ़ोतरी तथा मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 10-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

राजकोषीय घाटा नवंबर में लक्ष्य का 50.7 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली। सरकार का राजकोषीय घाटा नवंबर के अंत में 9.06 लाख करोड़ रुपये रहा जो समूचे वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 50.7 प्रतिशत है। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, वास्तविक रूप से राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि में 9,06,584 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 2022-23 के बजट अनुमान का 58.9 प्रतिशत था। सरकार के व्यय और राजस्व के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहते हैं। सरकार का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 17.86 लाख करोड़ रुपये यानी जीडीपी का 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत सरकार की नवंबर 2023 तक कुल प्राप्तियां 17.4 लाख करोड़ रुपये रहीं जो चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 64.3 प्रतिशत है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 4.471 अरब डॉलर बढ़कर 620.441 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.112 अरब डॉलर बढ़कर 615.971 अरब डॉलर हो गया था। यह किसी एक सप्ताह में हुई सर्वाधिक वृद्धि में से एक था। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 2.816 अरब डॉलर बढ़कर 606.859 अरब डॉलर रहा था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। इस तरह 620 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर पर विदेशी , मुद्रा भंडार अपने शिखर से केवल 25 अरब डॉलर दूर है।

कोविड के बावजूद नए साल के जश्न को लेकर उत्साह

होटल उद्योग को नए साल में कमाई बढ़ने की उम्मीद

आतिथ्य क्षेत्र कमाई में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ने की खबरों का नए साल का जश्न मनाने की तैयारी में जुटे लोगों की भावनाओं पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। ऐसे में होटल या आतिथ्य क्षेत्र अपनी कमाई में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहा है।

होटलों में खाने-पीने के लिए आने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, वहीं रिजॉर्ट स्थलों पर बुकिंग में भी जोरदार उछाल देखने को मिला है। होटल क्षेत्र के कुछ खिलाड़ियों ने कहा कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष में उन्हें अपने राजस्व में 19 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है।फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने कहा, 'कोविड के मामले बढ़ने की खबरों से जश्न की तैयारी कर रहे लोगों की भावना पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके अलावा आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिष्ठान कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं। कुल मिलाकर भावना सकारात्मक है।' उनसे पूछा गया था कि क्या कोविड-19 के फिर उभरने से साल अंत या नए वर्ष का जश्न मनाने के लिए बुकिंग पर किसी तरह का असर पड़ा है।

राजस्व में 19 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

कमरों की बुकिंग में भी हम इतनी की बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। कमरों की बुकिंग से राजस्व पर रेजेंटा और रॉयल ऑर्किड होटल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंदर के बालजी ने कहा, हम पिछले साल की समान अवधि की तुलना में राजस्व में 19 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

2023ः एआई का मुख्यधारा में प्रवेश

भारत डेटा गोपनीयता, उपयोगकर्ता सुरक्षा पर हुआ सख्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वर्ष 2023 में प्रौद्योगिकी का विकास अभूतपूर्व रफ्तार से हुआ। इस दौरान भारत ने डेटा गोपनीयता और भंडारण पर नए कानून बनाए। इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन ढांचे को परिभाषित करने के लिए सख्ती बढ़ाई गई। वर्ष 2023 में कृत्रिम मेधा (एआई) को लेकर उत्साह और आश्चर्य के बीच ओपनएआई के चैटजीपीटी की लोकप्रियता और डीपफेक पर भारत की कार्रवाई ने सभी का ध्यान खींचा। भारत ने डिजिटल संप्रभुता पर जोर दिया और सोशल मीडिया तथा बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर सख्ती की।

डिजिटल क्षेत्र में उभर रहे नए जोखिमों से 'नेटिजन्स' को सुरक्षित रखने का भारत का संकल्प स्पष्ट था। सरकार निर्णायक रूप से नियमों और कानूनों को तैयार करने के लिए आगे बढ़ी। इस तरह भविष्य के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार हुआ, जो भारत में न केवल डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की रक्षा करेगा, बल्कि डिजिटल और सोशल मीडिया मंचों के लिए सख्त जवाबदेही तय करके एक मुक्त, सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट भी सुनिश्चित करेगा। रश्मिका मंदाना सहित चर्चित हस्तियों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने सोशल मीडिया मंचों के साथ सख्ती से बात की। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी अनुपालन विफलता से सख्ती से निपटा जाएगा और कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

अनुपालन ढांचे को परिभाषित करने सख्ती बढ़ाई गई

कंपनियों पर दबाव रहा

वैश्विक स्तर पर, व्यापक आर्थिक संकट और वृद्धि संबंधी चुनौतियों ने बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर दबाव बनाया। ऐसे में इन कंपनियों ने खर्च में कटौती की और 2023 की शुरुआत में बड़े पैमाने पर छंटनी का सहारा लिया। छोटी अवधि के वीडियो की बढ़ती लोकप्रियता और हर अवसर के अनुरूप ऐप तथा मीम्स के चलन से सोशल मीडिया में हलचल जारी रही।

सिर्फ चार शेयर निर्गम मूल्य से नीचे, निर्गम से कंपनियों ने 54 हजार करोड़ रुपए जुटाए

इस साल 59 में से 54 आईपीओ ने दिया 45 फीसदी रिटर्न

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इस साल यानी 2023 में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाई पर पहुंच गए और इनमें लगभग 20 प्रतिशत की तेजी आई। इससे शेयर बाजार के निवेशकों की पूंजी 82 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गई।

शेयर बाजार में तेजी के इस रुख के बीच 2023 में कुल 59 आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आए। इनमें से 55 ने निवेशकों को औसतन 45 प्रतिशत का प्रतिफल (रिटर्न) दिया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, 2023 का साल आईपीओ निवेशकों के लिए अप्रत्याशित वर्ष साबित हुआ।

कंपनियों का बेहतरीन प्रदर्शन

इस साल 59 कंपनियां सूचीबद्ध हुईं और उन्होंने 54,000 करोड़ रुपये जुटाते हुए निर्गम मूल्य से औसतन 45 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया। इसका मतलब है कि दो-तिहाई से ज्यादा कंपनियों ने शेयर बाजार से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

सिर्फ चार आईपीओ नुकसान में रहे

इस साल आए सभी 59 आईपीओ औसतन लगभग 26.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुए। 29 दिसंबर तक इन आईपीओ पर रिटर्न लगभग 45 प्रतिशत रहा। 59 में से सिर्फ चार आईपीओ ही 29 दिसंबर को अपने निर्गम मूल्य पर नुकसान के साथ कारोबार कर रहे थे।

23 आईपीओ में 50 फीसदी से अधिक वृद्धि

सूचीबद्ध होने के बाद से 59 में से 23 आईपीओ में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और उनमें से नौ ने निर्गम मूल्य पर दोगुना से अधिक लाभ दिया। सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लि. (इरेडा) है, जिसने 29 नवंबर को सूचीबद्ध होने के दिन 32 रुपये की निर्गम कीमत पर 221.3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

टाटा टेक्नोलॉजीज का सबसे अच्छा प्रदर्शन

टाटा टेक्नोलॉजीज सूचीबद्ध होने के दिन 500 रुपये के निर्गम मूल्य पर तीन गुना उछाल के साथ दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली कंपनी है और अब भी कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर 136 प्रतिशत से अधिक ऊपर है। रियल्टी कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने 385 रुपये के निर्गम मूल्य पर 128 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

निर्गम की दृष्टि से चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर

चीन में इस साल विभिन्न कंपनियों ने 240 निर्गम के जरिये 60 अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाई है। ऐसे में सार्वजनिक निर्गम की दृष्टि से चीन के बाद दलाल पथ दूसरे स्थान पर रहा है।

चिंतन

नए वर्ष में चुनौतियों से पार पाना होगा

भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है, विकसित भारत संकल्प से ओत-प्रोत है। आज जब नव वर्ष शुरू हो रहा है तो ये आत्मविश्वास और संकल्प वर्ष भर दिखाई देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम की 108वीं कड़ी में कहा है कि देश विकसित भारत व आत्मनिर्भरता की भावना से भरा हुआ है, वर्ष 2024 में भी गति बनाए रखनी है। देश के लिए नव वर्ष खास है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव होने हैं, जिसमें एक तरफ राजग होगा तो दूसरी तरफ इंडि गठबंधन। भाजपा नीत राजग नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर सवार होकर राम मंदिर, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व व विकास के एजेंडे के साथ मैदान में होगा तो नव गठित इंडि गठबंधन राजग को शिकस्त देने के लक्ष्य के साथ चुनाव में होगा। राष्ट्रीय स्तर पर इंडि गठबंधन की यह पहली परीक्षा होगी। नए वर्ष में राजनीति में बड़ा परिवर्तन दिखाई देगा। भारत अभी सबसे अधिक जीडीपी दर से बढ़ने वाला देश है, नए साल में भी यह स्थिति बनी रहेगी। सड़क, रेल, विमानन, पोर्ट आदि सभी इन्फ्रा क्षेत्र में देश तेजी से नवनिर्माण कर रहा है, नए वर्ष में इन क्षेत्रों में गति बनी रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में खास कर डिजिटल, इलेक्ट्रिकल, ग्रीन हाइड्रोजन, ऑटो, फार्मा, बायोटेक, नैनोटेक, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर आदि क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम दिखाई देंगे। इसरो नव वर्ष में नया इतिहास रचने जा रहा है। भारत ने बीते वर्ष में वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों का 'निर्णायक' तरीके से सामना किया। बढ़ती मांग, घटती महंगाई, स्थिर ब्याज दर परिदृश्य और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था की चमक बनी रही। दुनिया के विकसित देशों में व्यापक निराशावाद और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही। जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि सितंबर तिमाही में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। जीडीपी दर में भारत चीन से आगे रहेगा। वर्ष 2023 में प्रौद्योगिकी का विकास अभूतपूर्व रफ्तार से हुआ। भारत ने डेटा गोपनीयता और भंडारण पर नए कानून बनाए। कृत्रिम मेधा (एआई) को लेकर उत्साह के बीच ओपनएआई के चैटजीपीटी की लोकप्रियता और डीपफेक पर भारत की कार्रवाई ने सभी का ध्यान खींचा। भारत ने डिजिटल संप्रभुता पर जोर दिया और सोशल मीडिया तथा बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर सख्ती की। डिजिटल सेक्टर में नए वर्ष में भी भारत की प्रगति दिखाई देगी, खासकर एआई में। भू-राजनीतिक उथल-पुथल से भरे इस वर्ष में, भारत ने जी-20 के सदस्य देशों को प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा सर्वसम्मति से अपनाने के वास्ते तैयार करने में अपनी कुशल रणनीति का प्रदर्शन किया। चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये के बीच अपनी रणनीतिक ताकत से भारत ने अपनी ग्लोबल साख बढ़ाई। नए वर्ष में भी भारत वैश्विक परिदृश्य में चमकता सूर्य साबित होगा। इसके साथ ही गरीबी दूर करने, सामाजिक व सांप्रदायिक विभाजन मिटाने, व्यापार घाटा शून्य करने, महंगाई-बेरोजगारी से निपटने, युद्ध व भूराजनीतिक संकट के बीच आपूर्ति तंत्र दुरुस्त रखने की चुनौतियों से नव वर्ष में पार पाना होगा।

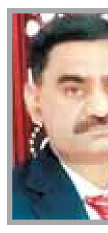

स्वागतम 2024
अरविंद जयतिलक

संकल्प सिद्धि का बने नव वर्ष

यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे ढकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। हम नए वर्ष में भारत राष्ट्र व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें उसके लिए सिद्धि में जुटें।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे ढकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है।

आइए हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। विचारों के इस संकल्प को उर्वरता और मुखरता प्रदान करने के साथ उत्थान व विकास की नई लकीर खिंचेगा। ऐसा इसलिए कि राष्ट्र व समाज के उत्थान में ही स्वयं के उत्थान व विकास के बीज निहित होते हैं। भारतीय जनमानस को इस नए साल में इसी उत्थान व विकास के बीज के प्रकीर्णन का संकल्प लेना होगा। इस बीज के प्रस्फुटन से ही देश में तरक्की का अमृत रस छलकेगा और सौहार्द का वातावरण निर्मित होगा।

तरक्की व सौहार्द के जुड़ाव से ही राष्ट्र व समाज की चेतना मजबूत होगी। नए संकल्पों के जरिए ही मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। राष्ट्र का मान और शान बढ़ेगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बनें। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रुप देने की जरुरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस सिर्फ अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरुरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं।

अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। हम भी ऐसा कर गांधी जी के रामराज वाले सपने को साकार कर सकते हैं। अच्छी बात है देश की तकरीबन सभी सरकारें इस दिशा में सकारात्मक पहल कर रही हैं। वह रैन बसेरों के जरिए बेघर लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रही है। केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरुरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। लेकिन बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है।

हम हर वर्ष लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद हकर देते हैं।घर में बचे भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरुरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिलजुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती हैं। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरुकता की कमी है। हम चाहे तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं। विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गयी है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार है।

आइए हमलोग संकल्प लें कि इस वर्ष प्रदूषण न कर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। प्रदूषण की तरह गंदगी भी एक भीषण समस्या है। गंदगी के कारण विभिन्न किस्म के रोग उत्पन होते हैं। इन रोगों से निपटने के लिए सरकार हर वर्ष हजारों करोड़ रुपए खर्च करती हैं। गंदगी मिटाने के लिए देश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमलोग नए साल में समूहबद्ध होकर अपने आसपास की गंदगी को साफ करने और वातावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प ले सकते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो बीमारियो पर खर्च होने वाली धनराशि को शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मदों में खर्च किया जा सकता है।

देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और धूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए। भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है। लेकिन जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। यह ठीक नहीं है। युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधे पर है। हम नए वर्ष में भारत राष्ट्र व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें व सिद्धि में जुटें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

नूतन वर्ष विशेष
योगेश कुमार गोयल

कर्म से लक्ष्य की ओर बढ़ें

हर साल नए वर्ष में प्रवेश करने पर हम कुछ नए संकल्प लेते हैं, कुछ बुराइयों का त्याग करने का प्रण करते हैं, कुछ नई योजनाएं बनाते हैं और इन पर अमल करते हुए जीवन में बदलाव लाने की हमारी कोशिशें भी चंद दिनों तक जारी रहती हैं पर कुछ ही दिनों में हम फिर उसी पुराने ढ़र्रे पर लौट आते हैं। दरअसल हमारी सबसे बड़ी कमी यही होती है कि हम एक ही बार में अपने अंदर सारा बदलाव लाने की चेष्टा करते हैं जबकि जरूरत होती है सारी बातों को धीरे-धीरे अपने जीवन में उतारने और अमल में लाने की। कोई भी नया संकल्प लेने से पहले सबसे जरूरी है कि हम अपने अंदर की कमजोरियों, अपने गुणों-अवगुणों को पहचानकर इनकी समीक्षा करें और अपनी गलतियों, असफलताओं अथवा कमजोरियों के लिए दूसरों पर दोषारोपण करने के बजाय उन्हें एक-एक कर सुधारने का प्रयत्न करें।
जीवन में अपनी गलती स्वीकारना सीखें क्योंकि अपनी गलतियां स्वीकारने से आप आत्मविश्लेषण तो कर ही सकेंगे, इससे आपको कुछ न कुछ नया सीखने को भी मिलेगा और आपका व्यक्तित्व भी निखरेगा। हर व्यक्ति में कोई न कोई गुण अवश्य होता है, अतः दूसरों से भी कुछ अच्छी बातें सीखने का प्रयास करें। जिस प्रकार कोई बुरी आदत छूटने में समय लगता है, उसी प्रकार नई आदतें विकसित होने में भी समय लगता है।
जीवन में सफलता प्राप्ति और जीवन में उन्नति के लिए जरूरी है कि हमारे जीवन में पारदर्शिता स्पष्ट झलके। जो कुछ हम कहें, उस पर हम दूसरों को अमल भी करते दिखाई दें। यदि हम दूसरों को उपदेश देते रहें और स्वयं उन बातों पर अमल न करें तो लोग हमें संदेह की नजर से देखेंगे और हमारी बातों का भी उनकी नजरों में कोई महत्व नहीं होगा। यदि हमारे अंदर दूसरों की निन्दा करने की आदत है तो उसे छोड़ने का प्रयास बेहद जरूरी है क्योंकि अपनी इस आदत के कारण भी हम दूसरों की नजरों में गिर सकते हैं। हम स्वयं को दूसरों से किसी भी मामले में कम न समझें। यदि हमारे अंदर आत्मविश्वास है तो हम हर प्रकार की चुनौती का दृढ़ता से सामना कर सकते हैं और उस पर विजय पा सकते हैं। यदि हम धूम्रपान के आदी हैं तो एक ही बार में धूम्रपान का त्याग करने की कोशिश करने के बजाय धूम्रपान की मात्रा में धीरे-धीरे कमी करते जाएं और इस सीमा तक पहुंच जाएं कि धूम्रपान का त्याग करना हमारे लिए कोई मुश्किल काम न रह जाए।
जीवन में सफलता और तरक्की के लिए अनुशासन का बहुत बड़ा महत्व है। आप कितने ही प्रतिभाशाली, परिश्रमी और शक्ति सम्पन्न क्यों न हों, यदि जीवन में अनुशासन नहीं है तो आप सफलता प्राप्त नहीं कर सकते। दूसरों के प्रति नकारात्मक सोच की प्रवृत्ति का त्याग करें। यदि आपके मन में हर समय दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार आते रहेंगे या दूसरों के प्रति ईर्ष्या की भावना आपके मन में रहेगी तो आप हमेशा तनावग्रस्त ही रहेंगे और तनाव आपको विभिन्न प्रकार के रोगों का शिकार बनाकर आपकी उन्नति और सफलता के मार्ग में बाधक बनेगा। यदि आपस में कोई समस्या या गलतफहमी हो तो मिल-बैठकर उसे सुलझाने का प्रयास करें। आज के भौतिकवादी युग में आपसी संबंध औपचारिकता मात्र ही रह गए हैं। आप दूसरों से अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए अपनी ओर से हरसंभव पहल करें और विनम्रता तथा वाणी में मिठास को अपने स्वभाव का अहम हिस्सा बनाएं। फिर देखें, आपसी रिश्तों में प्रगाढ़ता आने से आपके मन को कैसा सुकून मिलता है, साथ ही आपके स्वभाव में विनम्रता व वाणी में माधुर्यता आने से आपका व्यक्तित्व भी निखर उठेगा। लक्ष्यहीन मनुष्य का जीवन तो पशु जीवन के ही समान है। कहीं हम भी पशुओं की भांति दिनभर अपनी जीभ के स्वाद और रात को मस्ती में ही तो अपने जीवन के अनमोल पलों को नहीं गंवा रहे हैं। जीवन के सही लक्ष्य के निर्धारण से ही आपका समग्र विकास संभव है। लक्ष्य की श्रेष्ठता ही हमें बुलंदी पर पहुंचा सकती है। इसलिए बीमारी में या दूसरों के सुख-दुख में उनका सहयोग करें और अपने मस्तिष्क से संकुचित विचारों को बाहर करके सकारात्मक सोच विकसित करें। रात को सोने से पूर्व अपने दिनभर के कार्यों का विश्लेषण करते हुए यह जानें कि आपने आज कितना समय व्यर्थ गंवाया है। यदि उस समय में आप कुछ ऐसे रचनात्मक कार्य करें, जिससे दूसरों का भला हो सके तो सोचिए, इससे आपके मन को कितना सुकून मिलेगा। स्वमूल्यांकन करते हुए यह निर्धारित करें कि आपके जीवन का लक्ष्य क्या है? समय का सुनियोजन जीवन में सफलता के लिए बहुत जरूरी है। आलस्य सफलता के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोधक है। अतः आलसी प्रवृत्ति को त्याग दें, स्वावलंबी बनें और अपने काम को दूसरों पर थोपने की चेष्टा न करें। किसी भी कार्य को कल पर टालने के बजाय उसे सही समय पर निपटाने की आदत विकसित करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन मूल्यों का पाठ है योग

संकलित
दर्शन

भारत ने जो विश्व को बहुमूल्य उपहार दिए हैं, योग उनमें से एक है। योग हमारी अंतर्जात क्षमताओं को जाग्रत करने और पूर्णता की उच्चतम स्थिति की प्राप्ति में सहायक है। लोहे का एक टुकड़ा चुंबक कैसे बन जाता है? जब लौह कण एक दिशा-विशेष में एकत्र हो जाते हैं, तब यह होता है। उसी प्रकार, यदि हम अपने मन को एक ही बिंदु पर-एक ही दिशा में एकाग्र करें तो हम असीम ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने एकाग्रता के साथ तप किया और इतनी शक्ति अर्जित की। जैसे सूर्य की किरणों को आवर्धक लेंस द्वारा एक बिंदु पर एकत्रित करें, तो रुई जल सकती है। यही बात हमारी आंतरिक शक्तियों पर भी लागू होती है। हम निष्ठापूर्ण एकाग्रता-शक्ति अर्थात योग द्वारा इनका आह्वान कर सकते हैं। योग हो या कोई अन्य साधना, सम्यक ज्ञान और मार्गदर्शन बहुत आवश्यक है। साथ ही, बाहरी व भीतरी अनुशासन भी बरतना चाहिए।बुरे कर्मों से बच कर, हम स्वस्थ विचार और दृष्टिकोण बनाएं और धर्मोचित कर्म करें। मूल्यों पर आधारित जीवन जिएंगे, तभी हमें योगाभ्यास का पूरा-पूरा लाभ प्राप्त होगा। योग हमारी बुद्धि,भावनात्मक मन एवं शरीर के लिए उपयोगी है। यह बिना दुखी हुए, हमें जीवन की समस्याओं से संतुलित रूप से निपटना सिखाती है। आइए, हम सब अपने प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा सिखाई गई इस अमूल्य विद्या को प्रोत्साहन देने एवं इसे लोकप्रिय बनाने का प्रयत्न करें। *-अम्मा अमृतानंदमयी देवी*

भक्ति का मतलब ये नहीं कि दुख नहीं आएंगे

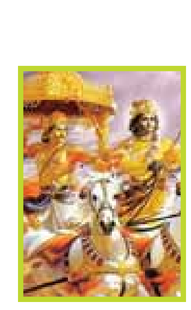

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सके। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

सटाका

आज की पाती

अपराधियों को सजा देने में हिचकिचाहट क्यों?

अर्जुन अवार्डी विनेश फोगाट और अन्य खिलाड़ियों के साथ बृजभूषण शरण सिंह का क्या व्यवहार है? महिला खिलाड़ियों को उत्पीड़न का शिकार क्यों बनाया जा रहा है? अगर महिला खिलाड़ियों की इज्जत और आबरू दाव पर लगती है, तो जरा सोचिए, क्या भविष्य में खेल के मैदान में कोई महिला उतरेगी? कौन अभिभावक अपने बच्चों को ऐसी जगह भेजेगा जहां उनकी इज्जत नहीं होती। एक तो खिलाड़ियों की ड्रेस ही ऐसी होती है कि अभिभावक दिल पर पत्थर रखकर ही उसे खिलाड़ियों को पहनाते हैं। फिर अपने देश के लिए मैदान में उतरें और वहां रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं, तो यह घोर निंदा का विषय है। ये लोग क्यों यहां-वहां महिला खिलाड़ियों को छेड़ते हैं? इस तरह के अपराधियों को सजा देने में सरकार को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। *-शरद साहू, राजनांदगांव*

ट्रेंड

स्वस्थ चिंतन से संकल्प पूर्ति

स्वस्थ चिंतन से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा और इसके लिए स्वस्थ शरीर एवं मस्तिष्क आवश्यक है। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही जीवन के सारे कार्य संभव हो पाएंगे। हम शारीरिक रूप से जितना स्वस्थ होंगे, मानसिक रूप से भी मजबूत होंगे। **- योगी आदित्यनाथ, सीएम**

सद्भाव से मनाएं नव वर्ष

नए साल का जश्न सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता, प्रेम, भाईचारे और दोस्ती की घोषणा के रूप में मनाया जाना चाहिए। आइए हम शांति, खुशी और समानता से भरे बेहतर कल के लिए अपनी आशाएं साझा करें।
-पिनराई विजयन, मुख्यमंत्री, केरल

आक्रामकता से बचें गिल

मुझे लगता है कि शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में कुछ ज्यादा ही आक्रामकता से खेल रहा है। जब आप टेस्ट क्रिकेट में खेलते हो तो टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे की तुलना में इसमें थोड़ा अंतर होता है। अपनी आक्रामकता पर लगाम लगाएं।
-सुनील गावस्कर, क्रिकेटर व कमेंटेटर

फिट रहने का लें संकल्प

लोगों को फिल्मी सितारों से प्रेरित 'दिखावटी' जीवन जीने पर नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन जीने पर ध्यान देना चाहिए। मैं प्राकृतिक तरीके से फिट रहने के बारे में भावुक हूं। मुझे फैंसी जिम से ज्यादा तैराकी, बैडमिंटन खेलना, सीढ़ियां चढ़ना, 'मुदगर' के साथ व्यायाम करना पसंद है। **-अक्षय कुमार**

करंट अफेयर

मेक्सिको और वेनेजुएला में शरणार्थियों की वापसी शुरू

मेक्सिको और वेनेजुएला ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने मेक्सिको में वेनेजुएला के शरणार्थियों को वापस लाने के लिए उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। यह कदम लोगों को बड़ी संख्या में अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए उठाया गया है। प्राधिकारियों का कहना है कि हर दिन कम से कम 10,000 शरणार्थी अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर पहुंच रहे हैं ,जिनमें से बड़ी संख्या में लोग शरण पाने के इच्छुक हैं। वापसी उड़ानें शुरू करने का फैसला तब लिया गया जब इस सप्ताह मुख्यत: वेनेजुएला के हजारों लोगों का काफिला दक्षिण मेक्सिको से आगे बढ़ा। लोगों को वापस लाने संबंधी ये उड़ानें अक्टूबर में मेक्सिको में हुई एक शिखर वार्ता के दौरान क्षेत्रीय नेताओं के बीच बने एक समझौते का हिस्सा हैं जिसका मकसद प्रवास का समाधान तलाशना है। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने शुक्रवार को एक उड़ान और शनिवार को दूसरी उड़ान के साथ स्वदेश वापसी शुरू की है। यह 'प्रवास के मुद्दों पर सहयोग मजबूत करने' का प्रयास है। मेक्सिको सरकार ने कहा कि उसने गत 20 जनवरी को भी 110 लोगों के साथ ऐसी ही उड़ान का संचालन किया था।

ऑफ बीट

एमआरआई स्कैनर में सावधानी क्यों है जरूरी

विस्कॉन्सिन की एक 57 वर्षीय महिला को हाल ही में चोट लग गई। वह एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग) स्कैन के लिए अस्पताल गई और छुपे हुए हथियार के साथ मशीन में दाखिल हो गई। मशीन के शक्तिशाली चुंबक के कारण बंदूक चल गई। कई वर्षों के अध्ययन और अनुकूलन के परिणामस्वरूप 1977 में पहला रोगी स्कैन हुआ। हर साल लगभग 9 .5 करोड़ एमआरआई स्कैन किए जाते हैं। यह एक प्रभावी और मूल्यवान निदान उपकरण है, जो रोगियों के लिए अविश्वसनीय रूप से सुरक्षित है जो नैदानिक छवियों में उत्कृष्ट ऊतक रिज़ॉल्यूशन देता है और प्राप्तकर्ता को किसी भी हानिकारक आयनकारी विकिरण के संपर्क में नहीं लाता है। हालांकि यह सुरक्षित है, लेकिन मशीनों से निकलने वाले शोर (इयरप्लग की पेशकश) के बारे में मरीजों की कुछ चिंताएं हैं, जो 100 डेसिबल तक पहुंच सकती हैं। और क्लौस्ट्रफ़ोबिया से पीड़ित कुछ लोग मशीन में लंबे समय तक इसे सहन करने के लिए परेशान होते हैं। एमआरआई जो कुछ भी चित्रित किया जा रहा है उस पर शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र लागू करके काम करता है। ये चुम्बक पृथ्वी से 30,000 अधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सालासर टेक्नो बोर्ड ने बोनस इश्यू को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड लार्ज और हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स की मैन्युफैक्चरिंग में लगी हुई है और टेलीकॉम, पावर, रेलवे और अन्य

सहित विभिन्न प्रकार की इंडस्ट्रीज़ को कस्टमाइज स्टील स्ट्रक्चर्स और ईपीसी सॉल्यूशंस देती है। कंपनी बोर्ड ने 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर इश्यू करने की सिफारिश की है, अर्थात प्रत्येक 1 रुपये के इग्ज़िस्टिंग फुली पैड-अप इक्विटी शेयर के लिए 1 रुपये के 4 नए फुली पैड-अप बोनस इक्विटी शेयर, जो कंपनी के प्रत्येक मेंबर के पास रिकॉर्ड डेट पर शेयरहोल्डर्स और अन्य स्टेट्यूटरी अप्रूवल के अधीन होंगे।

स्टार हेल्थ ने किया 13 करोड़ का भुगतान

भोपाल। स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस ने घोषणा की कि उसने पिछले 6 महीनों में, यानी अप्रैल 2023 से सितंबर 2023 के बीच भोपाल में 13 करोड़ रुपए के दावों का निपटान किया। कंपनी ने नेटवर्क अस्पतालों के दावे के निपटान के लिए 9 करोड़ रुपए और गैर-नेटवर्क अस्पतालों के दावों के निपटान के लिए 4 करोड़ रुपए का भुगतान किया। स्टार हेल्थ ने भोपाल में कैशलेस दावा निपटान के तौर पर 7 करोड़ रुपए से अधिक और प्रतिपूर्ति दावा निपटान के तौर पर 6 करोड़ रुपए का भुगतान किया। कंपनी ने ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए, सभी कैशलेस दावों का निपटारा 2 घंटे के भीतर कर दिया। ज़्यादातर मामलों में, कैशलेस उपचार के लिए शुरुआती ऑथराइज़ेशन 2 घंटे के भीतर दिया गया।

स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में हुई वृद्धि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नए साल की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2024 तक के लिए 2 छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें बढ़ा दी है। स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में यह बढ़ोतरी 10-20 बीपीएस तक की गई है। जिन स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दर में इजाफा हुआ है उनमें सुकन्या समृद्धि और 3-वर्षीय डाकघर एफडी है। सुकन्या की ब्याज दरें 20 बीपीएस तक बढ़ी हैं। सुकन्या समृद्धि योजना की पहले ब्याज दर 8 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 8.20 फीसदी हो गई है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में लड़कियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत की थी।

विकास को रफ्तार देने वाली 4547 .69 करोड़ की 343 योजनाओं का हुआ उद्घाटन और शिलान्यास

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया झारखंड की तकदीर के साथ ही तस्वीर बदलने का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने कार्यकाल के सफल चार वर्ष पूरे कर लिए। इन चार वर्षों में विकास के कई नए आयाम स्थापित हुए, जो आज झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदलने का काम कर रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री ने सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राज्य वासियों को कई सौगातें दी।

इन तोहफों में कई योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास, लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण और युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलना शामिल है, जो इस राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

शिक्षा विभाग में 662 और स्वास्थ्य विभाग में 307 नव चयनितों को नियुक्ति पत्र प्रदान

20 योजनाओं का हुआ लोकार्पण

सरकार के 4 साल पूरे होने के अवसर पर रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने 849.37 करोड़ रुपए की लागत वाली 20 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की 3, स्वास्थ्य, जल संसाधन, पर्यटन और श्रम विभाग की 1- 1, पथ निर्माण विभाग की 6 , आरईओ की 4 और नगर विकास एवं आवास विभाग की 3 योजना है। इनमें जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन हुआ, उसमें रांची स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट के तहत इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कार्य और खूंटी के कर्रा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शामिल है।

12815 योजनाओं की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने 24 नवंबर से शुरू हुए आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार के तीसरे चरण के अंतर्गत सभी 24 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 9268 करोड रुपए की लागत से 12815 योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया। वहीं, इस दौरान 3109968 लाभार्थियों के बीच करीब 3814.84 करोड रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग में नव चयनित 307 मेडिकल अफसर और कर्मियों एवं शिक्षा विभाग में पीजीटी टीचर तथा लैब असिस्टेंट के लिए चयनित 662 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। वहीं, विभिन्न विभागों की के कलमकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया।

323 योजनाओं की रखी गई नींव, 3698.32 करोड़ रुपए होंगे खर्च

सरकार के 4 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने 323 योजनाओं की नींव रखी। इन योजनाओं पर 3698.32 करोड़ रुपए होंगे खर्च होंगे। इनमें कृषि विभाग की 2 , खाद्य आपूर्ति विभाग की 2, परिवहन विभाग की 1, स्वास्थ्य विभाग की 23, कल्याण विभाग की 7 , जल संसाधन विभाग की 3, नगर विकास एवं आवास विभाग की 8, ग्रामीण विकास विभाग की 1, आरइओ की 211, पाक निर्माण विभाग की 58 और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की 7 योजनायें हैं। इनमें जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास हुआ, उसमें रिम्स रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, लातेहार, देवघर, साहिबगंज, दुमका और गढ़वा में क्रिटिकल केयर ब्लॉक अस्पताल, रांची पलामू और देवघर में धनवंतरी आयुष अस्पताल, रांची के धुर्वा में चिल्ड्रेन ट्रैफिक पार्क, गढ़वा में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, लातेहार में कोल्ड स्टोरेज, रांची के सोनाहातु में स्वर्णरेखा नदी पर उच्च स्तरीय पुल, लातेहार सरायकेला और पलामू स्थित एकलव्य विद्यालय में मल्टीपरपज ऑडिटोरियम शामिल है।

शेयर बाजार की निगाह ब्याज दरों के साथ लोकसभा चुनाव और वैश्विक घटनाक्रम पर

साल 2024 में तूफान बनेगा शेयर बाजार

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

निवेशकों के लिए साल 2023 एक यादगार साल रहा। निवेशकों शानदार मुनाफा मिला। भारतीय शेयर बाजार महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरे 2024 में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं।नए साल में शेयर बाजार की निगाह ब्याज दरों के साथ लोकसभा चुनाव और वैश्विक घटनाक्रम पर नजर रहेगी। घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहेगी और अगले 3-6 माह में प्रमुख शेयर सूचकांक - सेंसेक्स और निफ्टी 7 प्रतिशत तक चढ़ सकते हैं।

निवेशकों को लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए। नए साल में रियल एस्टेट, एनबीएफसी, पावर सेक्टर, एफएमसीजी, मेटल अच्छे दिख रहे हैं। भारत की विकास दर 6.5 रहने की आशा है।

मुनाफा वसूली करते रहना चाहिए

भोपाल स्टॉक इंवेस्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल के अनुसार निफ्टी और सेंसेक्स इस वित वर्ष के अंत में नई ऊंचाई पर बंद हुआ। 364 लाख करोड़ की पूंजी निवेशकों की बाजार में लगी है। निफ्टी 21731 और सेंसेक्स 72240 पर बंद हुआ। निवेशकों को लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए। साथ में मुनाफा वसूली भी करते रहना चाहिए। नए साल में रियल एस्टेट, एनबीएफसी, पावर सेक्टर, एफएमसीजी, मेटल अच्छे दिख रहे हैं। भारत की विकास दर 6.5 रहने की आशा है। इस साल सबसे ज्यादा बजाज ऑटो , कोल इंडिया, टेक्नोलॉजी, टाटा पावर, एनटीपीसी, टाटा मोटर में उछाल रहा।

बाजार को अतिरिक्त बढ़ावा मिलेगा

शेयर बाजार विश्लेषक आदित्य मनयां के अनुसार लोकसभा चुनाव, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, अमेरिका और भारत में ब्याज दरों की चाल, मुद्रास्फीति के रुझान और भू-राजनीतिक हालात शेयर बाजार के लिए प्रमुख कारक होंगे। उन्होंने कहा कि बाजार 2024 के आम चुनावों में बहुमत के साथ भाजपा सरकार की वापसी चाहता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव और उसके बाद पहले आम बजट पर सभी की नजर रहेगी। ब्याज दर में किसी भी कटौती से बाजार को अतिरिक्त बढ़ावा मिलेगा। इस साल यानी 2023 में शेयर बाजार के निवेशकों की पूंजी में 81.90 लाख करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी हुई।

चुनाव में जीत के बाद निवेशक ने दिया बल

सुनील जैन (जैनाविन) हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की बढ़त ने निवेशकों की भावना को और बल दिया है। व्यापक आर्थिक कारकों के सकारात्मक होने के साथ ही अमेरिकी बांड रिटर्न में गिरावट के चलते एक बार फिर भारतीय बाजारों में विदेशी फंड की गिरावट बढ़ी है।

एफएमसीजी सेक्टर के लिए चुनौतीपूर्ण रहा बीता साल

कृषि उपज की ऊंची कीमतों ने भी बाजार को किया प्रभावित

एफएमसीजी सेक्टर के लिए वर्ष 2023 चुनौतीपूर्ण साल रहा। इस दौरान त्योहारी मांग उम्मीद से कम रही। बारिश की कमी से ग्रामीण बाजार प्रभावित हुआ और बेमौसम बारिश ने पेय पदार्थों की बिक्री पर असर डाला। इसके अलावा ऊंची जिंस कीमतों ने भी बाजार को प्रभावित किया। यह कहना है एफएमसीजी सेक्टर से जुड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स और व्यापारियों का।

बाजार विश्लेषकों के अनुसा ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी, बिक्री में वृद्धि और अनुकूल जिंस कीमतों की वजह से देश का ए फ ए म सी जी उद्योग नए साल में दहाई अंक में वृद्धि के लिए तैयार है। एफएमसीजी क्षेत्र में रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुएं शामिल हैं। इसके अलावा ऊंची जिंस कीमतों ने भी बाजार को प्रभावित किया। भारत जैसे उभरते बाजार में इस क्षेत्र में उच्च वृद्धि की क्षमता है और 2024 के बेहतर साल साबित होने की उम्मीद है। इस दौरान कच्चे माल की कीमतें कम होने से घरेलू उपभोग और निजी उपभोग की वस्तुओं के साथ खाद्य व्यवसाय को भी लाभ होगा। कारोबारियों और व्यापारियों द्वारा उम्मीद की जा रही है कि अगले वित्त वर्ष में प्रवेश करने के साथ मांग में सुधार होगा। एफएमसीजी कंपनियां नवाचार और प्रीमियम उत्पादों को आगे बढ़ाएंगी और ग्रामीण वितरण की गुणवत्ता बढ़ाने पर उल्लेखनीय निवेश

मुद्रास्फीति में नरमी के साथ उपभोक्ता भावनाओं में हुआ उल्लेखनीय सुधार

मध्यप्रदेश एमएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील जैन 501 के अनुसार एफएमसीजी कंपनियां जिंस मुद्रास्फीति में नरमी के साथ लाभ मार्जिन में वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। ऐसे में ब्रांडिंग पर खर्च बढ़ेगा और प्रचार योजनाओं की वापसी होगी। कहा जा रहा है कि मुद्रास्फीति में नरमी के साथ 2023 में उपभोक्ता भावनाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पुनरुद्धार के संकेत दिखाई दे रहे हैं, हालांकि ग्रामीण मांग अभी भी शहरी बाजारों से पीछे है। हमें उम्मीद है कि ग्रामीण बाजार नए साल में मजबूत पुनरुद्धार दर्ज करेंगे। सुनील जैन के अनुसार शहरी इलाकों में एफएमसीजी क्षेत्र की वृद्धि जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि एफएमसीजी उद्योग में 10 प्रतिशत से अधिक और शहरी क्षेत्रों में इसके 12 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है।

बीओबी ने ब्याज दरों को 1.25 फीसदी तक बढ़ाया

बैंक ऑफ बड़ौदा के एफडी पर मिलेगा अब ज्यादा ब्याज

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

बैंक आफ बड़ौदा ने एनआरओ मियादी जमा सहित घरेलू रिटेल सावधि जमा पर ब्याज दरों में 10 आधार अंकों से 125 आधार अंकों तक की वृद्धि की घोषणा की, जो प्रभावी होगी।

ये दरें 2 करोड़ रुपए से कम की जमा राशि पर लागू होंगी। दरों में वृद्धि कापुी हद तक छोटी अवधि की परिपक्वता जमा श्रेणी, विशेष रूप से 1 वर्ष से कम अवधि की जमाओं पर केंद्रित है। छोटी अवधि की परिपक्वता अवधि में ब्याज दरों में वृद्धि से न केवल जमाकर्ताओं को बहुत लाभ होगा जो कम परिपक्वता के लिए जमा रखते हैं, बल्कि जमा की समग्र लागत को संतुलित और अनुकूलित करने और अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन की बचत के बैंक के उद्देश्य में भी योगदान देंगे। यह बैंक की छोटी अवधि की रिटेलमीयादी जमाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कार्यनीति के अनुरूप भी है।

ग्राहक ऑनलाइन एफडी भी खोल सकते हैं

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक (रिटेल देयताएं और एनआरआई व्यवसाय) रवींद्र सिंह नेगी ने कहाकि रिटेल सावधि जमा दरों में वृद्धि का निर्णय हमारे ग्राहकों को अधिक लाभ प्रदान करने की बैंक ऑफ बड़ौदा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, दूसरी ओर नीतिपरक रूप से हमारे जमा पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है। हमारा मानना है कि अपनी बचत पर अधिक कमाई का यह विकल्प न केवल अधिक ग्राहकों को आकर्षित करेगाख बल्कि बैंक को जमा की लागत के स्तर के प्रबंधन में भी मदद करेगा जिसका लाभ हमें एनआईएम में भी देखने को मिलेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के मौजूदा और नए ग्राहक उच्च दरों का लाभ उठा सकते हैं और पूरे भारत में बैंक की किसी भी शाखा के माध्यम से एफडी खोल सकते हैं। बैंक के मोबाइल एप नेट बैंकिंग (बॉब वर्ल्ड इंटरनेट) के माध्यम से मौजूदा ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन एफडी भी खोली जा सकती है।

एडविक कैपिटल एनबीएफसी बनने की ओर

नई दिल्ली। एडविक कैपिटल लिमिटेड अपनी लॉन्ग-टर्म बिजनेस स्ट्रेटिजि के एक हिस्से के रूप में और अनेक कार्यक्षेत्रों में अपने बिजनेस इंट्रेस्ट को बढ़ाने के लिए, विस्तारित फाइनेंशियल स्ट्रेंथ के साथ आज की तारीख में लगभग 1100 मिलियन रुपए के नेट वर्थ और लगभग 2000 मिलियन रुपए की टोटल असेट के साथ एक सिस्टमैटिकली महत्वपूर्ण एनबीएफसी बनने की ओर बढ़ रही है। इस प्रतिष्ठित स्थिति को पाने के लिए, एडविक कैपिटल मैनेजमेंट ने पहले से ही अपने पोर्टफोलियो को व्यापक बनाने और फ्यूचरिस्टिक न्यू एज बिज़नेस में विविधता लाने, होलिस्टिक इवैल्यूऐशन पैरामीटर्स के साथ कंपनी की मौजूदा बिज़नेस लाइंज की सराहना और उन्हें पूरक करने के उद्देश्य से अपनी बिज़नेस व्यापार एक्सटेंशन स्ट्रेटिजि को लागू करना शुरू कर दिया है।

बाजार के जानकारों का पूर्वानुमान

नए वर्ष में सोना रिकॉर्ड बनाएगा 70 हजार रुपए के पार होगा भाव

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

इस समय रुपया 83 प्रति डॉलर के पार पहुंच चुका है, चुनावी साल में कमजोर हो सकता है , इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे

बहुमूल्य धातु सोने की चमक नए साल 2024 में भी बनी रहेगी। अगले साल सोना 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपए की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा।

फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। वहीं रुपया इस समय 83 प्रति डॉलर के पार पहुंच चुका है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया में सोने के दाम एक बार फिर चढ़ गए।

सोने की कीमतों में रहा उतार-चढ़ाव

कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। हालांकि इस साल सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपए प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया।

निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने की खरीदारी

सराफा व्यापारी संजीव गर्ग (गांधी) और नवनीत अग्रवाल के अनुसार निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बरकरार है। यही वजह है कि इस साल चार दिसंबर को सोने का भाव 64,063 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में यह 2,140 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

पीली धातु का आकर्षण रहेगा

उन्होंने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरें घटाने और भूराजनीतिक तनाव जारी रहने, कमजोर रुपए से सोने को समर्थन मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,250-2,300 डॉलर प्रति औंस पर जा सकता है। घरेलू बाजार में यह 68,000-70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है। विभिन्न कारकों से वर्ष के दौरान सोने की कीमतें वैश्विक स्तर पर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर तिमाही में सोने की कीमत पिछले साल से 12 प्रतिशत कम रही।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा

दस नंबर मार्केट स्थित सोनी ज्वैलर्स के संचालक और अरेरा सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष आनंद सोनी के अनुसार हमें उम्मीद है कि 2024 में अंततः यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा। वहीं घरेलू बाजार में सोना 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनावी साल में रुपया कमजोर हो सकता है। इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे। खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है।

बिजनेस न्यूज

मानसरोवर डिलीजेंट केयर में जबड़े का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण

भोपाल। मानसरोवर डिलीजेंट केयर (एमडीसी) हॉस्पिटल कोलार में 65 वर्षीया बुजुर्ग के दोनों ओर के जबड़ों के जटिल ट्यूमर की सफल सर्जेरी कर कृत्रिम 3 डी जबड़े का प्रत्यारोपण किया गया एट्यूमर के कारण महिला 5 वर्षो से खाना खाने में दिक्कत का सामना कर रही थी। महिला को पहले टीबी व कोविड दोनों हो चुका था, यह मध्यप्रदेश में पहली बार गाइडेड सर्जेरी कर ट्यूमर निकाल कर कृत्रिम थीडी जबड़े का प्रत्यारोपण हुआ है,जो की मरीज के लिए पुनर्जीवन से कम नहीं है, अब मरीज इंप्लांट की मदद से भोजन को अच्छे से चबा कर खा सकती है,उक्त जटिल शल्य कार्य को एमडीसी हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टर्स टीम जिसमे क्रोनिया फेशिअल सर्जन डॉ.अनिकेत चौहान,असिस्टेंट सर्जन डॉ.मेघा जैन ,एनास्थोलोजिस्ट डॉ.सुशान्त सक्सेना एजनरल फिजिशियन डॉ.रवि कुमार पटेल एवं अन्य सपोर्टिंग टीम द्वारा सफलता पूर्वक किया गया।

डॉ.एके द्विवेदी की पुस्तक 'यात्रा वृत्तांत' का विमोचन

भोपाल। वसुधैव कुटुम्बकम का उद्घोष करने वाली महान सनातनी संस्कृति संपूर्ण वसुधा के जन-जन को अपने परिवार का सदस्य समझती है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, सिद्धांत इसका मूल-प्राण है। इसीलिए सर्वे भवन्तु सुखिनः सूत्र में अटूट विश्वास रखने वाली यह संस्कृति विश्व के अनेक देशों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और जन-जन में सनातन धर्म के प्रति आस्था और स्वीकार्यता बढ़ रही है। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय स्थित दत्तोपंत ठेंगडी सभागार में वन नेशन वन अर्थ थीम पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने पुस्तक (यात्रा-वृत्तांत) सनातनी संस्कृति से सुरभित बाली की फुलवारी का विमोचन करते हुए कही। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय भारत सरकार में वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य तथा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर के कार्यपरिषद सदस्य एवं देश के सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा लिखित उक्त यात्रा-वृत्तांत के बारे में प्रो. शुक्ला ने कहा कि इससे न केवल विदेशों और खासतौर पर इस्लामिक देशों में फल-फूल रही सनातन संस्कृति के बारे में लोगों को पता चलेगा बल्कि उन्हें इस सच्चाई का भी एहसास होगा कि मात्र पूजा पद्धति बदल लेने से हमारे पुरखे और उनकी साझा विरासत नहीं बदली जा सकती है।

एनएसई ने भोपाल में शुरू किया कॉमन इंवेस्टर्स सर्विस सेंटर

भोपाल। निवेशक सेवाएं, जागरूकता और सुरक्षा स्टॉक एक्सचेंजों के प्रमुख कार्य हैं। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब और पश्चिम बंगाल राज्यों में प्रतिभूति बाजारों के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, सेबी ने स्टॉक एक्सचेंज एनएसई और बीएसई के साथ मिलकर भोपाल, कोयंबटूर, जबलपुर, जोधपुर, लुधियाना और सिलीगुड़ी में एक निवेशक सेवा केंद्र स्थापित किया है। एनएसई द्वारा प्रबंधित ये निवेशक सेवा केंद्र चालू किया गया। निवेशकों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से, एक्सचेंज ने नए निवेशक सेवा केंद्र स्थापित किए हैं। केंद्र क्वेरी समाधान, शिकायत समाधान और सेबी स्कोर पोर्टल और स्मार्ट ओडीआर पोर्टल में शिकायत दर्ज करने में आवश्यक सहायता प्रदान करता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहाकि निवेशक सेवा केंद्र प्रतिभूति बाजार में सूचीबद्ध कॉर्पोरेट संस्थाओं और अन्य पंजीकृत मध्यस्थों के खिलाफ निवेशकों की शिकायतों के समाधान की सुविधा प्रदान करेगा और राज्यों में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा भी प्रदान करेगा। भोपाल, कोयंबटूर, जबलपुर, जोधपुर, लुधियाना और सिलीगुड़ी में आईएससी केंद्र म्यूचुअल फंड, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट ट्रस्ट आदि जैसे सभी निवेश संबंधी उत्पादों और प्रश्नों के बारे में सीखने, बातचीत और ज्ञान सत्र के केंद्र होंगे।

शीतल डायमंड्स देशभर में रिटेल स्टोर स्थापित करेगी

नई दिल्ली। शीतल डायमंड्स लिमिटेड एक तेजी से बढ़ती हीरा निर्माता, आपूर्तिकर्ता और रियल नेचुरल लूज़ डायमंड और डायमंड ज्वैलरी की एक विशेष श्रृंखला की निर्यातक ने 49.95 करोड़ रुपए तक के प्रेफरेंशियल इश्यू की घोषणा की है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग रिटेल क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किया जाएगा। जिसके तहत कंपनी देश भर में रिटेल स्टोर स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी ने 27 दिसंबर 2023 को आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में अधिकृत पूंजी को रु. 15,50,00,000 तक बढ़ाने का निश्चय किया। जिसमे 5 रुपए प्रत्येक के 3,10,00,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। यह वृद्धि 5 रुपए प्रत्येक के 83,25,000 इक्विटी शेयर (60 रुपए के इश्यू मूल्य, 55 रु. प्रीमियम सहित, कुल 49.95 करोड़ रुपए) पात्र आवंटियों को प्रेफरेंशियल इश्यू के माध्यम से आवंटित और जारी करने के लिए की गयी है। इस निर्णय पर पहुंचने हेतु कंपनी ने पोस्टल बैलट का उपयोग करने का निश्चय किया। कंपनी का नाम बदलकर 'रजनीश रिटेल लिमिटेड' करना भी निश्चित हुआ। प्रस्तावित आवंटियों में प्रमोटर और गैर-प्रमोटर समूह की विभिन्न संस्थाएं शामिल हैं।

पंजीकृत मध्यस्थों के साथ ही डील करें: आशीष कुमार

भोपाल। एनएसई केएमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा कि हम नए साल में कदम रखने जा रहे हैं, इस मौके पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता है। एनएसई आपको विवेक और परिश्रम के साथ वित्तीय विकास की यात्रा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह सलाह भी देता है कि केवल पंजीकृत मध्यस्थों के साथ ही डील करें और कभी भी अनियमित उत्पादों में निवेश न करें। शेयर बाजार के माध्यम से निवेश दीर्घकालिक धन सृजन के लिए होता है। एक अप्रिय अनुभव निवेशकों को निराश कर सकता है, इसलिए यदि आप शेयर बाजार में नए हैं या विशेषज्ञ नहीं हैं तो सावधानी से चलना महत्वपूर्ण हो जाता है। उच्च जोखिम वाले डेरिवेटिव या शेयर बाजार में बार-बार ट्रेडिंग करने के नुकसान से बचें। नर्मदापुरम भी भारत की विकास गाथा में प्रतिबद्ध भागीदार बनें और उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें।

गाय कभी भी अनार्थिक और अनुपयोगी नहीं हो सकती: स्वामी अखिलेश्वरानंद

योगमणि गौशाला तिलवारा में छात्रों का फील्ड भ्रमण

हरिभूमि जबलपुर।

म.प्र.जन आभियान परिषद् बरगी जबलपुर अन्तर्गत कार्यरत नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों एवं सामुदायिक नेतृत्व विकास छात्रों का फील्ड भ्रमण एवं बैठक का अयोजन योगमणि गौशाला तिलवारा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे में म.प्र. गौ संवर्धन बोर्ड कार्यपरिषद के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरा नंद गिरी ने कहा कि गाय केवल अध्यात्म और दर्शन का विषय नही है इसकी राष्ट्र के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है गाय केवल दूध ही नहीं देती है अपितु इसका गोबर और गौ मूत्र अत्यंत उपयोगी है, यह कहे कि गाय भारत ही नहीं पूरी दुनिया में सबसे उपयोगी जीव है। लेकिन ये देखने में आया है कि आज हमने गाय को बेसहारा बना दिया है, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए स्वामी जी ने कहा कि गौ संवर्धन बोर्ड का बजट आज तीन सौ करोड़ हो गया है, हम गायों के संरक्षण के लिए गौ वन्य विहार का निर्माण कर रहे हैं गांवों में गौ शाला बनाई गई है,लेकिन ये अकेले शासन का काम नहीं है इसमें समाज की भागीदारी महत्वपूर्ण है जन अभियान परिषद से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं संस्थाओं से हमारा आग्रह है की गाय को संरक्षण करने में महत्वपूर्ण कार्य करे।

परिषद का ध्येय सरकार व समाज के बीच सेतु बनना

बैठक के मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर जितेंद्र जामदार ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि जन अभियान परिषद का मूल ध्येय सरकार और समाज के बीच एक सेतु के रूप काम करना है, सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने के साथ ही राष्ट्र निर्माण और प्रदेश के विकास में समाजिक भागीदारी सुनिश्चित करना है , आज परिषद का नेटवर्क प्रदेश की सभी ग्राम पंचायत में उक्त कार्य कर रहा है हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में हम प्रदेश के सभी गावों और नगरीय क्षेत्रों में प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से इस प्रकार के कार्यक्रम चलाए। बैठक में जन अभियान परिषद जबलपुर के ज़िला समन्वयक प्रदीप कुमार तिवारी ने परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों के साथ ही आगामी समय की कार्य योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गईं। बैठक में अनुपपुर के ज़िला समन्वयक उमेश कुमार पांडेय, विकास खंड समन्वयक विनायक वडनेरकर, अजय बघेल, बीजेपी के मंडल अध्यक्ष रजनीश ठाकुर,मेंटर विनय सोलंकी, विजय खरे, अमित पांडेय, श्रीमती विनीता पटेल, विवेक गुप्ता, अशीष व्यास, रीतेश पटेल, अंकित शुक्ला संदीप बाथरे सहित बड़ी संख्या में प्रस्फुटन समितियो के प्रतिनिधी एवं सी एम सी एल डी पी स्टुडेंट्स उपास्थित रहे।

बिना प्रकाश के जीवन संभव नहीं है

विशाल सूर्य अर्चन एवं महा पूजा का आयोजन

हरिभूमि जबलपुर। बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य आश्रम में चल रहे पौष मास के पावन पर्व पर सूर्य अर्चन पर आज भगवान शिव का वैदिक ब्राह्मणों द्वारा दुग्ध अभिषेक एवं पूजा संपन्न हुआ तत्पश्चात भगवान सूर्यनारायण का 2100 गुलाब पुष्पों से अर्चन एवं महा पूजा किया गया ब्रह्मचारी चैतन्यानंद के सानिध्य में यह विशाल सूर्य अर्चन एवं महा पूजा किया जा रहा है। परम पूज्य ब्रह्मचारी श्री ने बताया कि बिना प्रकाश के जीवन संभव नहीं है कोई भी वस्तु हो उसे प्रकाश की परम आवश्यकता होती है अन्यथा सूर्य के बिना चारों ओर अंधकार ही अंधकार हो जाएगा यह है चेतन जगत के लिए और जड़ता में जिस प्रकार सूखी लकड़ी के टूटने के पश्चात भी उस में से अगर रस बहे तो सूर्य प्रकाश की प्राप्ति से वह नया विशाल वृक्ष बन सकता है अर्थात सूर्य जड़ और चेतन जगत की आत्मा है भगवान सूर्यनारायण संपूर्ण सृष्टि की आत्मा है इनके प्रकाश पुंज से समस्त सृष्टि आलोकित होती है। सूर्य अर्चन में भक्त गणों में मधु यादव संजय मिश्रा नीता पटेल विजय कटारिया महेश गुप्ता, एड. कोशिकी मिश्रा नेहा कटल गोविंद साहू एवं मनोज सेन आदि उपस्थित थे।

तिरुवेंकट मुडैयान तमिल सभा की कार्यकारिणी का गठन

जबलपुर। तिरुवेकर मुडेयान तमिल सभा गली नं. 21 सदर बाजार जबलपुर के सदस्यों (कार्यकारिणी) का गठन किया गया। जिसमें सभा के समस्त सदस्यों द्वारा चुनाव करके सर्व समति से पारित किया गया। समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री तुलसीदास द्राविड़ द्वारा पूर्व में गठित समिति को भंग किया गया। जिसमें नई कार्यकारिणी समिती का गठन किया गया जो निम्नानुसार है अरुण पिल्लै (अध्यक्ष) अंकित स्वामी, सचिन स्वामी, आयुष पिल्लै (उपाध्यक्ष) आकाश नायडू (सचिव) महेश्वरमस्वामी, आदर्श पिल्ले, गौरव पिल्लै (सहसचिव) शेखर स्वामी (कोषाध्यक्ष) आयुष स्वामी, आनन्द दिल्ली (उपकोषाध्यक्ष) कार्यकारिणी सदस्य गौतम पिल्ले, श्रीकांत पिल्ले, पांडियन, आर. कृष्णनपिल्लै, बाला नायर, सुशील मुदलियार, विनोद पिल्लै, नन्दनपिल्लै, मनीष पिल्लै, प्रभाकरण, गोमाल स्वामी, पी। किसन, कन्हैया पिल्लै, मारी अप्पा, राजन स्वामी, अनिल बाबू ताराज, मोनू पिल्ले, नारायण स्वामी, श्रीमति सावित्रीरखामी, करुणापिल्लौ, ललीता पिल्लौ, कांता अम्मा, मालास्वामी चुने गए।

तिघरा प्रतिभा खोज प्रतियोगिता संपन्न मेमोरियल ट्रस्ट ने कार्यक्रम आयोजित किया

जबलपुर। ग्राम पंचायत तिघरा में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन मयूर मेमोरियल ट्रस्ट संस्था के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें चित्र प्रतियोगिता 10 से 18 वर्ष के बच्चों को आमंत्रित किया गया था।रंगोली प्रतियोगिता प्रतियोगिता 15 से 25 वर्ष लोकगीत गजल लोक नृत्य प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें तिघरा ग्राम की लगभग 60 प्रतिभाएं शामिल थीं संस्था के संस्थापक सदस्य गोविंद बिसेन ने बताया कि संस्था लगभग 11 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों की प्रतिभाओं को मंच पर लाने का प्रयास करते हैं। इसी क्रम मैं आज 31 दिसंबर 2023 को बच्चों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि सरपंच विक्रम सिंह कंबोज ने संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा संस्था द्वारा इस प्रकार के आयोजन हमेशा किए जाते हैं, जिसकी मैं भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूं आज के कार्यक्रम में श्रीमती आशा जायसवाल, गीता कुशवाहा,बबीता भानो,शालिनी झारिया,ज्योति गौंटिया,वर्षा गायकवाड़,अंजो कुशवाह,पूजा रजक, जयप्रकाश सेन,करण बिसेन,नीरज राय,पारुल मेहरा इत्यादि उपस्थित रहे प्रतिभागियो में गोरी गुप्ता, तेजस्वी पवार, नव्या सिंह, सविता पवार, अनुष्का कुशवाह ,तमन्ना ठाकुर ने सबका मन मोहा।

भीषण सर्दी में एस बी एफ की राहत

सोसाइटी फॉर बाइट फ्यूचर की पहल

जबलपुर। सोसाइटी फॉर ब्राइट फ्यूचर जबलपुर द्वारा आज गोहलपुर स्कूल के मैदान में जरूरतमंदों को कम्बल वितरण किया गया। विभिन्न स्लम एरिया में सर्वे करके बाबा जी की कुटी, अमखेड़ा, तालाब, बाईपास , गोहलपुर, बेनी सिंह की तलैया, चांदनी चौक, बड़ी भदार टेकरी, बाबा टोला, आदि स्लिम इलाकों में सर्वे कर जरूरतमंदों को चिन्हित कर सर्दी से बचाव के लिए कम्बल वितरण किया गया।एसबीएफ द्वारा जबलपुर के विभिन्न इलाकों में विगत 2008 से प्रतिवर्ष कंबल वितरण का प्रोग्राम किया जाता रहा है इस वर्ष भी इसी श्रेणी में लगभग 200 कंबल जरूरतमंदों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। मुख्य अतिथिशाहिद, वकार अहमद, मध्य प्रदेश कोऑर्डिनेटर उमर फारूक, पार्षद याकूब अंसारी, अन्नू भाई अध्यक्ष अंजुमन इस्लामिया, अनवर हुसैन, बुशरा अंजुम, इकरा बानो, जिकरा बनो, वसीम अहमद, रशीद अहमद उपस्थित रहे।

विकसित भारत के लिए निर्यात की ओर विशेष ध्यान देना होगा: डॉ. देवेन्द्र

जबलपुर।

भारत में विदेशी वस्तुओं का आयात ज्यादा है और हम निर्यात कम कर रहे हैं जिसके कारण बजट अनबैलेंस हो रहा है अगर हम निर्यात को बढ़ाएं और आयात को कम करें तो यह विकसित भारत को मजबूती प्रदान करेगा। उक्त विचार इंडियन इकॉनोमिक एसोसियेशन के द्वारा केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए युवा आर्थिक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मप्र के प्रभारी डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा ने विकसित भारत 2047 पर व्यक्त किए। डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा ने कहा कि विकसित भारत के लिए सरकार के साथ समाज को भी आगे आना होगा, युवा शक्ति का उपयोग करते हुए विकसित भारत के लिए निर्यात की ओर विशेष ध्यान देना होगा और आयात कम करना होगा। संगोष्ठी में अनेक विश्वविद्यालय के कुलपति, अर्थशास्त्री, पूर्व भारतीय योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोनटेक सिंह अहलुवालिया आदि उपस्थित रहे।

ताइक्वांडो राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए मानया मिश्रा रवाना

जबलपुर। जिला ताइक्वांडो टारगेट स्पोर्ट्स क्लब की मानया मिश्रा राष्ट्रीय स्कूल गेम्स ताइक्वांडो चैंपियनशिप बैतूल के लिए रवाना हुई। 31 दिसंबर से 5 जनवरी तक बैतूल में होने जा रही , स्कूल गेम राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर जिला ताइक्वांडो टारगेट स्पोर्ट्स क्लब अंबेडकर भवन तहसील चौक की मानया मिश्रा को ताइक्वांडो एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीयो ने बहुत सारी बधाई दी एवम कोच अरुण कुमार यादव ने अपने खेल का अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उसे प्रोत्साहित किया।

श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया गया शहीदी दिवस

जबलपुर। "गुरु गोबिंद सिंह महाराज के लख्ते जिगर बाबा फतेह सिंघ, बाबा जोरावर सिंघ की शहादत ने वो आदर्श स्थापित किया जिसकी मिसाल विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलती, अपनी मातृभूमि और धर्म की रक्षार्थ दुश्मनों का डटकर सामना कर मुगल साम्राज्य के सामने झुकने की बजाय मौत को स्वीकारना बेहतर समझा, उनकी वीरता और सिद्धांत के प्रति अडिगता, अदम्य साहस के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा, साहिबजादों को इस मुकाम तक लाने उनकी दादी, माता गुजर कौर का अहम योगदान रहा।" यह हृदयस्पर्शी विचार पंथ प्रसिद्ध कथावाचक भाई सरबजीत सिंघ धुंधा ने संगत के बीच व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पर्व मनाना सार्थक होगा जब हम साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश, कौम व समाज के हित में कार्य करें। छोटे साहिबजादे व माता गुजर कौर जी का शहीदी दिवस श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया गया जहां भारी संख्या में संगत ने उपस्थित होकर अमर शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। यह आयोजन गुरुद्वारा प्रेमनगर में आयोजित किया गया, जहां भाई हरप्रीत सिंघ, स्त्री सत्संग सभा, भाई गुरदीप सिंघ, भाई प्यारा सिंघ आदि ने साथियों के साथ गुरु इतिहास व मनोहारी कीर्तन प्रस्तुत किया। इस मौके पर छोटे बच्चों के द्वारा भी काव्यपाठ किया गया। आयोजकों द्वारा समाज के होनहार बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर ग्रंथी साहिबान द्वारा समस्त मानवता के कल्याण, विश्वशांति तथा आपसी प्रेम की अरदास संपन्न कराई गई। गुरु के अटूट लंगर दिन भर जारी रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने गुरु रामदास गुरसेवक सेवा समिति तथा गुरुद्वारा प्रेमनगर के तमाम सेवादारों का खासा योगदान रहा। मंच संचालन व आभार स. रणजीत सिंघ भोमराह ने किया।

मानव समाज पालन करता है श्रीराम

जबलपुर। परशुराम धाम ग्वारीघाट पूजन महा आरती उपरांत अक्षत कलश दिव्य दर्शन नर्मदा परिक्रमा वासियों के साथ एवं सर्व समाज के सम्माननीय जनों की उपस्थिति में नर्मदा जल भर के परशुराम धाम उमा घाट संक्षिप्त भ्रमणकर रामधुन उच्चारण करते हुए अयोध्या राम मंदिर की स्थापना की खुशी मनाई गई 500 वर्ष अब ऐसा लगता है कुछ पल दूर ही है राम मंदिर की वह विभूतियों को जिन्होंने संघर्ष किया जिनके कारण यह अवसर प्राप्त हुआ उन सब के चरणों में आज नमन करते हैं,अनेकों बार आक्रांताओं ने मंदिर को नष्ट किया ,देवतुल्य महापुरुषों ने मंदिर का नवनिर्माण किया यह अलौकिक कथा युगों युगों तक प्रभु के स्मरण के लिए उन महापुरुषों को नवजीवन प्रदान करेंगी,इस अवसर पर धनंजय वाजपेई ने ,कहा राम तो सबके हृदय के प्रतिबिंब बने हुए हैं राम के बिना सनातन पूर्णता अधूरा है राम तो हमारे जीवन की आधारशिला है हर व्यक्ति के मार्गदर्शक है ,राम ,इस अवसर पर बारी-बारी से सबने अक्षत कलश दिव्य दर्शन श्रृथार किया एक दूसरे को बधाई प्रेषित की आज हमारा जन्म प्रभु की कृपा से कुछ पल के लिए ही सही सफल हो गया आज,सभी उपस्थित जनों के नेत्रों से अश्व धारा निरंतर अलौकिक सुखिया प्रदान कर रही थी इस आंदोलन के महान विभूतियों को शत-शत नमन आज के दिव्या कार्यक्रम में पंडित धनंजय बाजपेई पंडित रावेन्द् तिवारी पंडित राजकुमार दुबे सीताराम कुरचानिया डॉक्टर अरुण मिश्रा श्रीमती मीरा दुबे पुष्पा तिवारी,मधुबाला दुबेअवधेश मिश्रा जी प्रकाश साहू विजय श्रीवास्तव नर्मदा परी देवेंद्र चौरसिया श्रीधर अनुराग बाबा ,कलू राम बाबा आदि उपस्थित थे।आवश्यक बैठक कलजबलपुर। स्थान धनुष यज्ञ रामलीला मैदान सदर 2 जनवरी रात्रि 8:00 बजे दिन मंगलवार को धनुष यज्ञ रामलीला समिति सदर आवश्यक बैठक आयोजित की गई है अयोध्या राम मंदिर उत्सव 22 जनवरी को होने जा रहा है धनुष यज्ञ रामलीला समिति राम भक्तों के साथ राम अयोध्या अक्षत कलश आतिशबाजी महा आरती प्रसाद वितरण के साथ दीपावली की तरह इस उत्सव को राममिलन उत्सव का नाम देते हुए मनाने का संकल्प लिया है इसके संदर्भ में हमने बैठक आयोजित की है। निवेदन करता सीताराम कुरचानिया अभिषेक चौकसे मधुर तिवारी धनंजय बाजपेई संतोष तिवारी डॉक्टर शंकर पांडे डीपी कमल अभय नायडू विजय ठाकुर पहलाद श्रीवास्तव आदि।

वार्षिक समारोह में टुकुर-टुकुर गाने पर दी मनोहारी प्रस्तुति बच्चों ने

जबलपुर । बुलबुल किड्स किंग्डम हाई स्कूल, अमखेरा रोड, न्यू राम नगर, आधारताल जबलपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की अध्यक्ष श्रीमति विमला श्रीवास्तव, डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव एवं प्राचार्य श्रीमति अर्चना श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ की गई, कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की गई, तत्पश्चात वेलकम सांग और किंडरगार्टन के छात्रो द्वारा टुकुर-टुकुर गाने पर मनोहारी डांस प्रस्तुत किया, और प्रायमरी के छात्रो द्वारा अदभुत मोरनी डांस ने मंत्रमुग्ध कर दिया, कठपुटली डांस का बहुत सुंदर प्रदर्शन किया गया, तथा इसी प्रकार मोबाईल के दुष्प्रभाव को दर्शाता हुआ एक नाटक प्रस्तुत किया गया जो अत्यंत सराहनीय था, दक्षिण भारतीय डांस, मराठी डांस, कव्वाली का बहुत मनोहारी प्रदर्शन किया, माँ दुर्गा का रक्तबीज राक्षस के संहार के नाटक ने दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया, स्कूल के प्री प्रायमरी के छात्रो ने कई मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किए, कार्यक्रम की श्रृंखला मे कोरोना एवं स्ट्रीट किड्स के नाटक प्रस्तुत किए, जिसे सभी लोगो ने सराहा इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के विभिन्न संस्कृति का परिचय कराया, जिसमे पंजाबी, राजस्थानी, बुंदेलखंडी, दक्षिण भारतीय शैली के विभिन्न डांस प्रस्तुत किए। कार्यक्रम मे स्कूल के अधिकांश अभिभावको की उपस्थिति रही जिसके हम बहुत आभारी है, स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंच संचालन वंशिका श्रीवास्तव ने किया, स्कूल के कार्यक्रम को नीलिमा पटेल, रश्मि चौहान, मनीषा खण्डायित, नम्रता श्रीवास्तव, नीतू सिंह, नीतू मिश्रा, नेन्सी श्रीवास्तव, श्रेया श्रीवास्तव, श्रीमति तब्बससुम, संगीता पटेल एवं समस्त स्टाफ का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा, कार्यक्रम के अंत मे आभार प्रदर्शन संस्था के डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने किया, सभी शिक्षिकाओ एवं समस्त अभिभावको का धन्यवाद दिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे सभी के सहयोग का आभार किया, और सभी को नव वर्ष की शुभकामनाये दी।

स्वच्छता की शपथ दिलाई गई

जबलपुर। नगर पालिक निगम जबलपुर की सहयोगी संस्था ओम साई विज़न की आई. ई. सी. टीम एवं वार्ड मै विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कार्यक्रम में विधायक श्री अशोक रोहाणी जी नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज जी नगर निगम उप आयुक्त अधिकारी मनोज श्रीवास्तव जी डि ओ चेतना चौधरी सी एस आई पोला राओ जी एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवमं यहां उपस्थित सभी आम नागरिकों को समझाइश दी गई अपने आस पास ज्यादा से ज्यादा साफ सफाई का ध्यान रखें और लोगों को स्वच्छता के बारे में प्रेरित किया गया।

अनोखा गांव! नहीं बनते पक्के घर, दरवाजे पर नहीं लगाया जाता ताला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में कई ऐसे गांव है जो अपनी अनोखी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। इन गांवों में हसीन वादियों के बीच वक्त बिताना लोगों को खूब पसंद है। मगर आज हम आपको ऐसे अनोखे गांव के बारे में बताएंगे, जहां आज भी पक्के घर नहीं मिलेंगे। कहा जाता है कि इस गांव में कोई भी पक्का मकान नहीं बनवाता, क्योंकि यहां पक्के घर को लेकर कई तरह के अंधविश्वास प्रचलित हैं। साथ ही, इस गांव में कई ऐसे नियम हैं जो सुनने में थोड़े अजीब लग सकते हैं।

गांव के लोग हैं पूरे शाकाहारी

इस गांव के लोग शराब, मांस और अंडे को छूते तक नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गांव के लोग अपने भगवान को नाखुश नहीं करते हैं। साथ ही, लोग सीमेंट का भी इस्तेमाल नहीं करते हैं और खाने में सब्जियों का सेवन करती हैं। अगर कोई गलती से नॉन वेज खा लेता है, तो सजा के तौर पर उसे पूजा करवाई जाती है। हालांकि, पशुपालन के यहां के लोग जिंदगी गुजर-बसर करते हैं।

देवनारायण ने कहा था- पक्की छत मत बनवाना

मान्यता है कि देवनारायण जब इस गांव में आए थे, तो गांव के लोगों की सेवा और भावना से बहुत खुश हुए थे। उन्होंने गांव वालों से वरदान मांगने को कहा तो लोगों ने कुछ नहीं मांगा। मगर इस पर देवनारायण जाते-जाते कह गए सुकून से रहना है तो पक्की छत का मकान मत बनाना। तब से लेकर आज तक लोगों ने गांव की पक्की छत बनवाता छोड़ दीं।

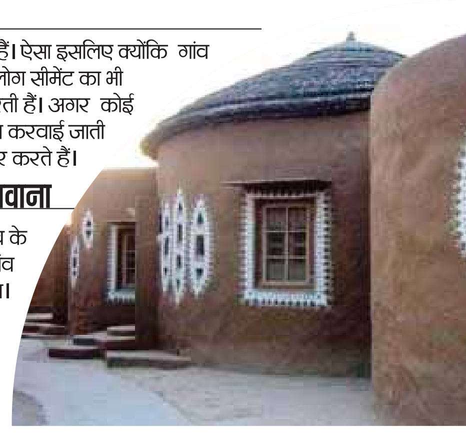

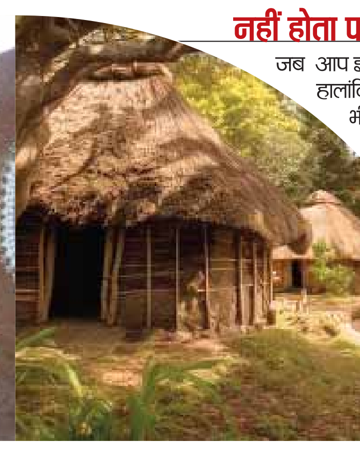

नहीं होता पक्की छत का मकान

जब आप इस गांव में जाएंगे, तो देखेंगे कि एक भी छत पक्की नहीं है। हालांकि, इसका कोई आर्थिक कारण नहीं है, पैसे होने के बावजूद भी लोग कच्ची छत बनवाते हैं। कहा जाता है कि यहां के लोग सुकून से रहने के लिए पक्की छत नहीं बनवाते हैं, क्योंकि लोगों की भगवान देवनारायण पर गहरी आस्था है।

घरों में नहीं लगाया जाता ताला

इस गांव में न सिर्फ कच्ची छतों को बनवाया जाता है, बल्कि दरवाजों पर ताला भी नहीं लगाया जाता। आपको सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन कहा जाता है कि इस गांव में पिछले 50 साल से घर में चोरी नहीं होती। गांव वालों के बीच आज तक कभी कोई विवाद भी नहीं हुआ है।

आखिर इस गांव का नाम क्या है?

राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित है, जिसका नाम देवमाली है। इस गांव की आबादी बहुत कम है, यहां सिर्फ 300 परिवार रहते हैं। लोगों की कुल आबादी की बात करें, तो करीब 2000 लोग रहते हैं। यहां लावड़ा गोत्र के गुर्जर समाज के लोग रहते हैं। साथ ही, गांव की तमाम जमीन भगवान देवनारायण के नाम अंकित है, जहां देवनारायण को पूजा जाता है। गांव में बिजली चले जाने पर तिल्ली के तेल से दीपक जलाया जाता है।

घर पर मिली महिला की जली हुई लाश, इलाके में दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

- हत्या या कुछ और हर एंगल से पुलिस कर रही जांच

नेलसनार थाना के अंतर्गत नेशनल हाईवे 63 मेन रोड पर एक महिला सेवंती शिवहरे (38) लगभग 10 वर्षों से अकेली किराना दुकान का संचालन कर रही थी। प्राप्त जानकारी अनुसार साप्ताहिक बाजार गुरुवार को भी महिला दुकान में रही। सूत्रों ने बताया कि आधी रात को महिला सेवंती शिवहरे अपनी दुकान पर सो रही थी इसी दरम्यान कुछ अज्ञात लोगों ने दुकान में आग लगाई, दुकान में अकेली सो रही महिला की जलने से मौत हो गई।

सुबह-सुबह इस घटना की जानकारी गांव के लोगों ने पुलिस को देने पर नेलसनार से उप निरीक्षक नीलांबर नाग के नेतृत्व में पुलिस बल घटना स्थल पहुंची। मामले की जांच कर मृतका की बहन के कथन पर रिपोर्ट दर्ज किया गया। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। इस मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों ने यह बताया कि मृतका का पति गीदम में रहता है और बेटी जगदलपुर में सांइस कालेज में पढ़ती है। इस दर्दनाक घटना के घटित होने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। नेलसनार पुलिस का कहना है कि इस घटना पर त्वरित कार्रवाई व पड़ताल कर नतीजे पर जल्द पहुंचेंगे। घटनास्थल किराना दुकान से एक लोहे का रॉड भी पुलिस को मिला है। इस घटना में पुलिस को संदेह है कि किसी अज्ञात लोगों ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया है।

अलग-अलग देशों में होने वाली अजीबोगरीब स्पर्धाएं

ग्रेवी में कुश्ती लड़ने से लेकर बदसूरत कुत्ते तक की होती हैं विचित्र प्रतियोगिताएं

नई दिल्ली। दुनियाभर में कई प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन कुछ ऐसी अनोखी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है, जिनके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी। इन विचित्र प्रतियोगिताओं की सूची में भी कुछ मुकाबले ऐसे हैं, जो इंसानों के लिए नहीं, बल्कि कीड़ों और जानवरों के लिए आयोजित की जाती हैं।

ग्रेवी में कुश्ती लड़ने की प्रतियोगिता

अभी तक आपने अखाड़े में होने वाली कुश्ती की प्रतियोगिताओं के बारे में सुना होगा, लेकिन इंग्लैंड में ग्रेवी में भी कुश्ती की जाती है। इस अनोखे प्रतियोगिता में लोग अतरंगी कपड़े पहनकर ग्रेवी से भरे पूल में 2 मिनट तक कुश्ती लड़ते हैं। हालांकि, प्रतियोगियों की कुश्ती करने की क्षमता पर भी उनका स्कोर तय नहीं किया जाता है। इसमें उन्हें फैंसी ड्रेस और मनोरंजन के लिए भी स्कोर किया जाता है।

पत्नी का भार उठाने की प्रतियोगिता

पति-पत्नी से जुड़ी यह प्रतियोगिता बहुत ही अजीब है और इसका आयोजन फिनलैंड के सोनकाजेरवी में किया जाता है। इसमें पति को अपनी पत्नी को पीठ पर बैठाकर कुछ बाधाओं को जल्दी से जल्दी पार करना होता है। हालांकि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुछ नियम हैं, जिनका पालन किए बिना आप इसमें हिस्सा नहीं ले सकते हैं।

घोंघा कीड़ों के बीच दौड़

इंग्लैंड में घोंघा यानी स्नेल के बीच दौड़ की प्रतियोगिता होती है। इसमें भाग लेने वाले सभी घोंघे को एक टेबल के ऊपर 13 इंच की दूरी तय करनी होती है। इस साल इसमें एवी नामक घोंघे ने जीत हासिल की थी। इस दौरान सभी घोंघे के ऊपर स्टिकर लगे होते हैं, ताकि उनकी पहचान की जा सके।

सबसे बदसूरत कुत्ते की प्रतियोगिता

अमेरिका में जानवरों से जुड़ी एक ऐसी प्रतियोगिता होती है, जिसमें सबसे बदसूरत कुत्ते को विजेता घोषित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में जीतने वाले कुत्ते को लाखों रुपये तक पुरस्कार राशि और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है। फिलहाल सबसे बदसूरत कुत्ते का नाम 'स्कूटर' है। इसका उद्देश्य कुत्तों को गोद लेने को बढ़ावा देना और उन असाधारण कुत्तों को प्रदर्शित करना है, जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है।

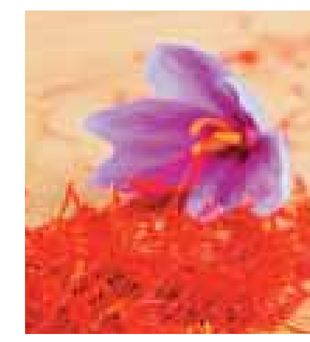

दुनिया का सबसे महंगा फूल, सैफरन क्रोकस

दुनिया के सबसे महंगे फूलों की सूची में सैफरन क्रोकस का नाम शामिल है। इसी फूल से केसर ही होता है, जिसका इस्तेमाल कई मिठाइयों और ब्यूटी उत्पादों में किया जाता है।

फिलहाल बाजारों में केसर की कीमत 2 लाख रुपये किलो के आसपास है। ऐसे में आप इसके फूल की कीमत का अंदाजा लगा सकते हैं कि यह कितना महंगा होगा। बता दें कि लगभग 1 किलो इस फूल की कीमत 8.33 लाख रुपये है।

मेंढक की अनोखी आंखें, हर आंख पर होती हैं तीन पलकें

नई दिल्ली। रेड-आइड ट्री फ्रॉग बड़ा ही अद्भुत जीव है, जो कलरफुल होता है, जिसके शरीर पर हरा, नारंगी और नीला कलर पाया जाता है। इस मेंढक की आंखें बेहद अनोखी होती है, जो चमकदार लाल रंग की होती हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इसकी हर आंख पर तीन पलकें होती हैं। आखिर इन मेंढकों की आंखों पर तीन पलकें क्यों होती हैं। इसके पीछे बड़ी ही चौंकाने वाली वजह है। बता दें कि ये मेंढक सेंट्रल और साउथ अमेरिका में पाए जाते हैं। जंगल में इस मेंढक का औसत जीवनकाल 5 साल है।

तीनों पलकें करतीं हैं अलग काम : वैज्ञानिकों के अनुसार, रेड-आइड ट्री फ्रॉग की दो पारदर्शी पलकें होती हैं, एक नीचे, एक ऊपर और तीसरी अर्ध-पारदर्शी पलक, जो इस मेंढक की आंखों को उन खतरों से बचाती है, जिनसे उसका सामना हो सकता है। इनकी पलकें पानी के भीतर आंख की रक्षा करने और जमीन पर उसे नम रखने का काम करती हैं। इस तरह से मेंढक की आंखें अनोखी तरह से डिजाइन होती है। बता दें कि रेड-आइड ट्री फ्रॉग का साइंटिफिक नाम अगलीचनिस कैलिड्रियास है। ये मेंढक नीली और पीली धारियों वाले अपने चमकीले हरे शरीर के लिए जाने जाते हैं।

अपने चमकीले रंगों की वजह ये मेंढक वातावरण के साथ घुल-मिल सकता है, जिससे शिकारियों से बचने के लिए छलावरण करता है।

शिकारी जंतु भी आंख देखकर चौंक जाते हैं

यह अपनी लाल रंग की चमकदार आंखों से शिकारियों को चौंका भी सकते हैं. रंग की इन अचानक चमक से शिकारी अक्सर इतना आश्चर्यचकित हो जाता है कि वह क्षण भर के लिए भ्रमित हो जाता है और झिझकता है और जब ऐसा होता है, तो मेंढक के पास बच निकलने के लिए एक सेकंड का समय होता है!

फुल स्पीड में बुल, शेयर मार्केट ने लगाया ऑल टाइम हाई, नए साल में बन सकते हैं नए रिकार्ड

अरविंद गायकवाड़ ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

भारतीय शेयर मार्केट फुल स्पीड में दौड़ रहा है। खुदरा और विदेशी निवेशकों के लगातार निवेश और कंपनियों की आय में मजबूत वृद्धि की बदौलत शेयर बाजार के लिए बढ़िया साबित हुआ। घरेलू डिमांड बढ़ने, कैपेक्स साइकिल में रिवाइवल और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से निवेशकों का सेंटीमेंट पॉजिटिव नजर आया है। आठ साल की रिकॉर्ड तेजी के बाद लगातार नए ऑलटाइम हाई की ओर बढ़ा। 2023 में सेंसेक्स के 30 में से 30 शेयर सकारात्मक रिटर्न देने में सफल रहे हैं। 2024 में भी बाजार के ऑल टाइम हाइ पर बने रहने की संभावना है। शेयर मार्केट के एक्सपर्ट कह रहे हैं कि 2024 में सेंसेक्स 74 हजार और निफ्टी 23 हजार का आंकड़ा छू सकता है। इस उम्मीद की वजह भी है। भारतीय बाजार ने 10 वैश्विक बाजारों को पीछे छोड़ दिया है। मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स, विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से निवेश जैसे फैक्टर्स के कारण ऐसा हुआ है। दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत, 4.16 लाख करोड़ डॉलर के कैपिटलाइजेशन के साथ 5वें सबसे मूल्यवान बाजार के रूप में मजबूत बनी हुई है।

चुनौतियों के बाद भी चमका बाजार

2023 में भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बहुत उम्मीदों के साथ हुई, लेकिन साल के पहले ही महीने में अदाणी ग्रुप के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के बाद बड़ी बिकवाली दिखी। अगले महीने ग्रोथ पर फोकस आम बजट से निवेशकों को कुछ राहत मिली। मार्च महीने में अमेरिका में बैंकिंग संकट और इसके बाद क्रेडिट सुईस संकट की वजह से दुनियाभर के बाजारों में दबाव दिखा। जून महीने में निफ्टी ने 2023 में पहली बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में कामयाब रहा। सितंबर में निफ्टी पहली बार 20,000 का आंकड़ा और फिर दिसंबर में सेंसेक्स ने पहली बार 70,000 का आंकड़ा पार किया। गुरुवार (28 दिसंबर) को निफ्टी 21,801.45 के नए शिखर पर पहुंच चुका है। इस दिन सेंसेक्स ने भी 72,484.34 का नया शिखर बनाया है।

चीन व अमेरिका के बाजार में रही गिरावट

चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स की तुलना में देखें तो जनवरी 2008 में निफ्टी50 के साथ यह भी 6,000 के स्तर पर था। अमेरिका में लेहमन ब्रदर्स संकट के बाद दोनों इंडेक्स लुढ़ककर 3000 के स्तर पर आ गए थे। लेकिन, इसके बाद दोनों इंडेक्स के परफॉर्मेंस की तुलना करना थोड़ा मुश्किल है। 2023 में अब तक एक ओर शंघाई कम्पोजिट एक बार फिर 3,000 के स्तर पर लुढ़क चुका है। वहीं, निफ्टी इस मुकाबले सवा सौ गुना ऊपर 21,800 पर है।

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

सीएम ने रखा गृह, कैलाश को नगरीय प्रशासन, प्रह्लाद को पंचायत ग्रामीण विकास...देवड़ा को वित्त, राजेंद्र शुक्ल को लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मोहन कैबिनेट के सभी 31 मंत्रियों को आखिरकार विभाग बांट दिए गए। विभागों के बंटवारे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वही सब किया, जैसा मंत्रिमंडल के गठन में किया था।

उन्होंने वरिष्ठता के साथ क्षेत्रीय व जातीय संतुलन को भी ध्यान में रखा है। पुराने नेताओं को बड़े विभाग दिए हैं। जबकि, नए मंत्रियों को उसी अनुसार विभाग दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने खुद अपने पास सामान्य प्रशासन, गृह, जेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबंधन, प्रवासी भारतीय समेत ऐसे समस्त विभाग अपने पास रखे हैं। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी दिया गया है। यह विभाग उनके पास पिछले कार्यकाल में भी रहा है। उनके अनुभव व कार्य कुशलता को देखते हुए फिर से वहीं विभाग दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग का दायित्व दिया गया है। मंत्री कुंवर विजय शाह को जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग की जिम्मेदारी दी है। इससे पहले उनके पास वन विभाग का दायित्व था।

इंदर सिंह परमार को उच्च शिक्षा

राकेश शुक्ला को नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की जिम्मदारी दी गई है। चेतन काश्यप को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग दिया गया है। पिछली बार यह विभाग मालवा के ही वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश सखलेचा के पास था। इंदर सिंह परमार को उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा व कौशल शिक्षा एवं रोजगार (केवल तकनीकी शिक्षा) विभाग दिया गया है।

हम सब पूरी ताकत व ऊर्जा से मप्र को ऊंचाई पर पहुंचाएंगे

खंडवा के सिंगाजी समाधि स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि मंत्रिमंडल के गठन के बाद मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में पूरी ताकत एवं ऊर्जा के साथ काम करके मध्य प्रदेश को ऊंचाई पर पहुंचाने का काम करेंगे। हम सबका प्रयास होगा कि राज्य को नई ऊंचाई तक पहुंचाएं। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दौरे को लेकर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए थे। इंदौर संभागायुक्त व आईजी ने मुख्यमंत्री के हनुवंतिया पहुंचने पर स्वागत किया।

आवश्यकता

आवश्यकता है- ऑल MP CG एयरपोर्ट हेतु पक्की जॉब लड़के-लड़किया अनपढ़/8वीं 10वी 12वी ग्रेजुएट लोडर, हेल्पर, ड्राइवर, ग्राउंड सुपरवाइजर, कंप्यूटर ऑपरेटर, रहना खाना फ्री+(कैब सुविधा) सैलरी 35,500/- से 85,500/- 9625271611 (भोपाल/04/जनवरी 24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 5381

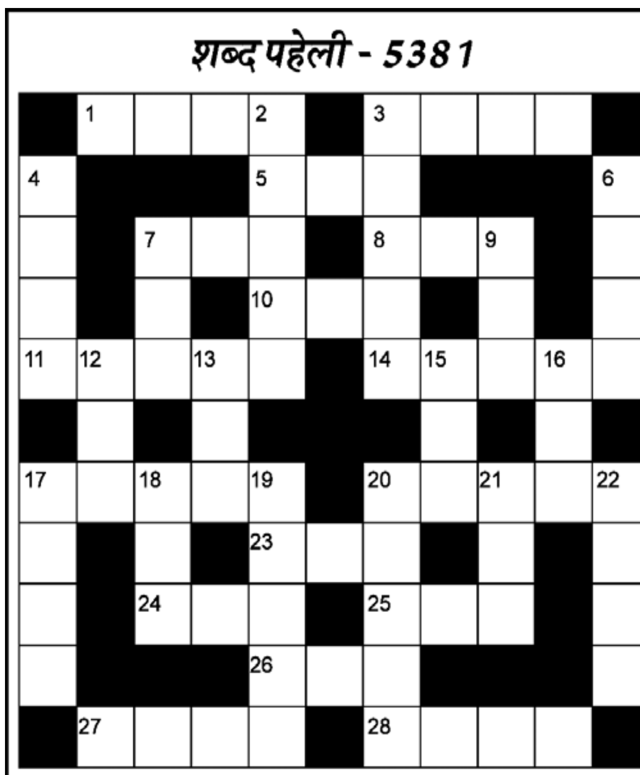

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -5380 का हल

क	ल	र	ब	■	■	■	मु	का	ब	ला
मी	■	■	त	म	त	मा	ना	■	■	ज
श	ब	■	न	या	■	न	दी	■	जी	बा
न	र	क	■	न	म	क	■	ख	रा	ब
■	दा	म	न	■	जा	■	न	फा	■	■
■	न	■	ख	त	■	म	न	■	म	■
■	■	सा	रा	■	आ	■	द	म	न	■
अ	ना	र	■	र	स	म	■	त	ह	री
मा	ता	■	ल	क	■	सौ	त	■	र	त
न	■	■	च	म	क	दा	र	■	■	स
त	क	दी	र	■	■	■	ल	ल	का	र

सूडोकु नवताल - 5391

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5390 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

आमिर खान को लगा मराठी सीखने का चस्का

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के लिए पिछली कुछ फिल्में खास नहीं रहीं। साल 2018 में आई फिल्म ठग्स ऑफ हिस्दुस्तान के बाद उन्होंने एक भी हिट प्रोजेक्ट नहीं दिया है। प्रोफेशनल लाइफ से इतर पर्सनल लाइफ को लेकर भी आमिर खान चर्चा में रहे हैं। हालांकि साल 2024 की शुरुआत उनके लिए काफी खूबसूरत होगी। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट की बेटी आइरा खान अपने बॉयफ्रेंड नुपूर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। लेकिन उससे पहले आमिर खान को कुछ नए शौक लगे हैं जिन्हें लेकर वो खबरों में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेटी की शादी से पहले आमिर को मराठी सीखने का शौक लग गया है।

लाइफ Style

अनन्या

खो गए हम कहां नंबर 1 पर कर रही ट्रेंड

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अर्जुन वरैन सिंह निर्देशित खो गए हम कहां 26 दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया की सच्चाई से रूबरू कराती है, जिससे आज लगभग हर इंसान जूझ रहा है।

खो गए हम कहां को क्रिटिक्स से तारीफें मिली और दर्शक भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। अनन्या, सिद्धांत और आदर्श की परफॉर्मेंस को भी काफी पसंद किया गया है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होते ही फिल्म ओटीटी पर ट्रेंड कर रही है। जवान, मिशन रानीगंज और टॉप गन समेत कई फिल्मों को छोड़ खो गए हम कहां नेटफ्लिक्स पर नंबर वन पोजिशन पर ट्रेंड कर रही है। अर्जुन कपूर ने खो गए हम कहां का रिव्यू किया और इसे 'मस्ट वॉच' फिल्म बताई।

अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म को लेकर अपना ओपिनियन शेयर करते हुए कहा, वाकई नाम सूट करता है। खो गए हम कहां एक इमोशनल फिल्म है। देखने का अनुभव है। मेच्योर लेखन ने कम लेकिन पावरफुल परफॉर्मेंस का समर्थन किया है। हम किस दुनिया में जीते हैं और किन चीजों से डील करते हैं, उसे बड़ी जटिलता से डायरेक्ट किया गया है। अर्जुन कपूर ने आगे कहा, प्लॉट को जिस तरह से दिखाया गया है, वो खूबसूरत है और आप इससे वाकई रिलेट करते हैं। यह बिल्कुल देखी जानी चाहिए। अनन्य पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव ने जो कैमरा डायरी शेयर की है, वो फिल्म की जान है। जो दोस्ती आपने महसूस की है, वो हम में से एक है।

हॉलीवुड मसाला

क्रिसमस मनाकर किया सुसाइड

लॉस एंजिलिस। पॉपुलर हॉन्ग कॉन्ग एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने 26 दिसंबर को सुसाइड कर लिया। एक्ट्रेस 47 साल की थीं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस अपने बेटे के पास अनकॉन्शियस हालत में पाई गईं। मंगलवार दोपहर की यह घटना है। कहा जा रहा है कि लाई सुक यिन ने घर पर कोएले जलाए थे। जिसके बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की। एक्ट्रेस को आनन-फानन में जब अस्पताल लेकर जाया गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

प्रियंका के दूर रहने पर निक ऐसे रखते हैं बेटी का ख्याल

लॉस एंजिलिस। निक जोनास जो अक्सर अपनी पत्नी और बॉलीवुड दिवा प्रियंका चोपड़ा के प्रति अपने दिल छू लेने वाले इशारों से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं, न केवल सपनों के पति हैं बल्कि एक अच्छे पिता भी हैं। नवीनतम बातचीत में, प्रियंका चोपड़ा की माँ मधु चोपड़ा ने खुलासा किया कि कैसे वह अपने दामाद से विस्मय में हैं, यह देखकर कि जब उनकी माँ काम पर बाहर होती हैं तो वह अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास की देखभाल कैसे करते हैं। अपनी तुलना में सबसे अच्छी मां होने के लिए अपनी बेटी प्रियंका की प्रशंसा करते हुए, मधु ने कहा, मैं देखती हूं कि प्रियंका और निक पेशेवर रूप से एक-दूसरे का बहुत अच्छे से समर्थन कर रहे हैं।

सुजैन को एयरपोर्ट से लौटना पड़ा वापस

मुंबई। ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान काफी समय से एक्टर अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। दोनों पार्टीज से लेकर इवेंट तक में साथ देखे जाते हैं। न्यू ईयर से पहले कई सेलिब्रिटीज वेकेशन के लिए एयरपोर्ट पर दिखे। इन्हीं में एक कपल सुजैन और अर्सलान भी थे लेकिन उनके साथ ऐसा कुछ हुआ कि एयपोर्ट पर पोपट बन गए और उन्हें वापस लौटना पड़ा। पपराजी ने ये सब अपने कैमरे में कैद कर लिया। दरअसल सुजैन और अर्सलान छुट्टियां मनाने के लिए जाने वाले थे तो वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे। गेट के बाहर ही अर्सलान जब अपने डॉक्यूमेंट्स खोजने लगे तो पता चला कि पासपोर्ट लाना ही भूल गए। वह सुजैन को बताते हैं तो वह भी हैरान होती हैं। सिक्योरिटी चेक करने वाले अधिकारी से सुजैन अपना पासपोर्ट वापस लेती हैं और वहां से दोनों लौट जाते हैं।

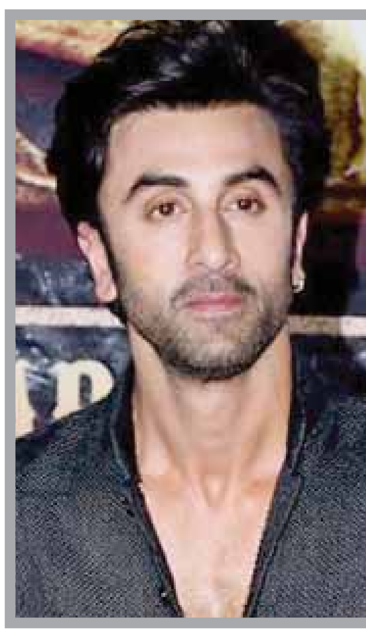

रणबीर व राजकुमार की बनेगी जोड़ी...

मुंबई। फिल्म 'एनिमल' में रणविजय के किरदार से सुपरस्टार रणबीर कपूर हर किसी के दिलों-दिमाग पर छाए हुए हैं। एनिमल की सुपर सक्सेस के बाद हर कोई रणबीर की अगली फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच 'डंकी' फिल्म डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने अपनी फिल्म 'संजू' के एक्टर रणबीर कपूर के साथ एक और मूवी बनाने को लेकर बड़ा अपडेट दिया है, जिसे जानकार फैंस काफी एक्साइटेड हो जाएंगे। फिल्म 'डंकी' को लेकर राजकुमार हिरानी इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। अपनी इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में राजकुमार ने इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उनसे भविष्य में संजू फिल्म स्टार रणबीर कपूर के साथ फिल्म करने को लेकर सवाल पूछा गया।

टीवी मसाला

1 करोड़ के सवाल का जवाब देने से चूका कंटेस्टेंट...

मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा शो है, जिसका हर सीजन दर्शकों का फेवरेट रहा। केबीसी का सीजन 15 भी काफी हिट रहा है। शो में एक बार फिर से अमिताभ बच्चन ने अपनी शानदार मौजूदगी से पूरे सीजन को यादगार बना दिया। इस वक्त कौन बनेगा करोड़पति का फिनाले वीक चल रहा है। इस आखिरी सप्ताह में बिग बी काफी इमोशनल भी हुए। फैंस भी दुखी नजर आ रहे हैं। ऐसे में बीता एपिसोड काफी दिलचस्प रहा। केबीसी के आखिरी हफ्ते में बिहार के अविनाश भारती अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठे नजर आए। अविनाश का खेल बेहद ही शानदार रहा, लेकिन वह एक करोड़ का जवाब देने से चूक गए। आइए जानते हैं क्या था वो सवाल? अमिताभ बच्चन ने शो के दौरान बताया कि ये केबीसी के इतिहास का ऐसा पहला एपिसोड है, जिसमें पहले ही दिन कंटेस्टेंट एक करोड़ के सवाल तक पहुंचा। अविनाश ने खेल के दौरान अपनी सारी लाइफलाइन का इस्तेमाल करके 50 लाख रुपये जीते। इसके बाद अविनाश के सामने 1 करोड़ का सवाल आया, जिसका जवाब देने में उनके भी पसीने छूट गए, क्योंकि उनके पास अब कोई भी लाइफलाइन नहीं बची है। इसी वजह से उन्होंने गेम को 50 लाख के सवाल के साथ क्विट कर दिया।

यशराज के प्लान में रोड़ा बनेगा शख्स

मुंबई। तेरी मेरी डोरियां के 30 दिसंबर के एपिसोड में देख सकेंगे कि बरार फैमिली का घर चला गया है और अभी वो जसलीन के लिए अस्पताल में हैं। इस बीच साहिबा के माता-पिता वहां आ जाते हैं। कीरत ने उन्हें सब बता दिया था। वो लोग सभी के लिए खाना लेकर आते हैं जिसे वो मिलकर खाते हैं। थोड़ी देर बाद साहिबा सीढ़ियों से जाती है तभी एक शख्स उसका मुंह बंद करके एक कमरे में ले जाता है। कमरे में अंधेरा होता है और जहां वह देखती है वहां पर गैरी पहले से मौजूद है। वह उसे खुद से दूर हटाती है लेकिन फिर गैरी कहता है कि वह यशराज के बारे में कुछ बताना चाहता है। गैरी को अहसास हो जाता है कि यशराज किसी का सगा नहीं है। साहिबा ने उसे पहले ही समझाया था कि जसलीन ने उसे बिना किसी शर्त के प्यार किया जबकि यशराज फायदा उठा रहा है।

राजकुमार का बुलावा आते ही 'डंकी' में भूमिका निभाने पहुंच गए थे रोहिताश्व

मुंबई। रोहिताश्व गौड़ एंडटीवी के लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने मशहूर किरदार मनमोहन तिवारी के चलते सबके चहेते बन चुके हैं। उन्होंने टेलीविजन और बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाया है। उनकी बेजोड़ कॉमिक टाइमिंग ने मनोरंजन उद्योग के एक प्रतिभाशाली कलाकार के तौर पर उन्हें मजबूती से स्थापित किया है। गौड़ ने हाल ही में राजकुमार हीरानी की फिल्म डंकी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसमें वे एक धोखेबाज वीजा एजेंट के किरदार में नजर आये। एक बेबाक बातचीत में उन्होंने विस्तार से बताया है कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। शाहरुख खान की फिल्म से जुड़ने के बारे में रोहिताश्व गौड़ ने बताया, ''यकीन करना मुश्किल है, लेकिन यह मेरे लिये सबसे महत्वपूर्ण मौकों में से एक बन गया, और इसके लिए मुझे बहुत कम इंतजार करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है, कि यह सब एक ही दिन में हो गया। मैं नायगांव में अपने शो 'भाबीजी घर पर हैं' की शूटिंग कर रहा हूँ। लगातार सफर करने से बचने के लिये मैं आमतौर पर सेट के पास के एक अपार्टमेंट में ठहरता हूँ और सिर्फ छुट्टी के दिनों में अपने घर गोरेगांव जाता हूँ। हमें अगले दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन मुझे सुबह ही खबर मिली कि सेट पर एक हफ्ते की छुट्टी है। मैंने सोचा कि इस वक्त का इस्तेमाल घर जाकर अपने परिवार के साथ बिताने के लिये करना चाहिये। रास्ते में मुझे राजकुमार हीरानी जी का कॉल आया और उन्होंने पूछा कि मैं क्या कर रहा हूँ। मैंने उन्हें बताया कि मैं घर जा रहा हूँ और उन्होंने ज्यादा कुछ कहे बिना मुझे सीधे गोरेगांव की फिल्मसिटी में बुलाया। वहाँ जाने पर मैं एक बड़ा सेट देखकर चौंक गया, जहाँ हजारों लोग थे। फिर मिस्टर हीरानी ने बताया कि वे पंजाब के एक जाने-माने थियेटर आर्टिस्ट के साथ एक दृश्य की शूटिंग करने वाले थे, लेकिन किसी कारण से वह अपना किरदार निभाने नहीं आ पाया। वह फिल्म की शूटिंग का पहला दिन था और मिस्टर हीरानी प्रोडक्शन को रोकना नहीं चाहते थे।

दूसरे पार्ट की कहानी को लेकर डायरेक्टर ने दिया हिंट

मुंबई। क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई 'सालार: पार्ट 1-सीजफायर' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है। फिल्म वर्ल्डवाइड 600 करोड़ के क्लब में शामिल होने के करीब है। 'सालार' को प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया जिन्होंने इससे पहले 'केजीएफ' और 'केजीएफ चैप्टर 2' बनाई। प्रभास और प्रशांत नील के साथ आने से 'सालार' को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई थीं। फिल्म देखने वाले दर्शक अब इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर ने 'सालार 2' की कहानी को लेकर भी यह राज खोला है कि यह पिछली फिल्म से और बड़ा, और बेहतर होगा। प्रशांत ने कहा कि जो भी फीडबैक मिला है उसे देखने के बाद वह दूसरे पार्ट में कोई बदलाव करने के मूड में नहीं हैं। फिल्म की कहानी तैयार है। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या 'सालार पार्ट 2' की कहानी में कुछ बदलने वाले हैं तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं कहानी नहीं बदलूंगा। मुझे जो फीडबैक मिला है उसकी वजह से मैं इसमें थोड़ा भी बदलाव नहीं करने जा रहा हूं। मेरा मतलब है कि कहानी पहले से तैयार है। मुझे कहानी को फॉलो करना होगा। एक डायरेक्टर के रूप में मेरा काम उस कहानी को बताना है जो हमने लिखी है। यह एक ऐसी कहानी है जो हम सभी को पसंद आई। हम उसी कहानी के साथ आगे बढ़ने जा रहे हैं।'

रातों रात चर्चा में आए ये एक्टर्स, परफॉर्मेंस से चुरा ली सारी लाइमलाइट

मुंबई। साल 2023 कई कलाकारों के लिए शानदार रहा। एक फिल्म या वेब सीरीज से उन्हें पॉपुलैरिटी मिली। कोई नेशनल क्रश कहलाई तो कोई इंटरनेट सेंसेशन बन गया। अपनी परफॉर्मेंस से इन कलाकारों ने क्रिटिक्स से लेकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। इनमें कई तो ऐसे हैं जो सालों से काम करते आ रहे हैं लेकिन अब जाकर उनके एक रोल ने उन्हें लोकप्रिय कर दिया। चलिए बताते हैं जबरदस्त परफॉर्मेंस देने वाले ऐसे ही एक्टर्स के बारे में।

करिश्मा तन्ना : 'स्कूप' के लिए करिश्मा तन्ना हर जगह अवॉर्ड बटोर रही हैं। टीवी सीरियल के बाद करिश्मा का ओटीटी डेब्यू शानदार रहा। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में इतने सालों की मेहनत अब रंग लाई

अविनाश तिवारी : वेब सीरीज 'बंबई मेरी जान' से अविनाश तिवारी को पहचान मिली। उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन का किरदार निभाया। इसके अलावा उनकी एक और सीरीज काला आई थी।

अपारशक्ति खुराना : विक्रमादित्य मोटवाने की वेब सीरीज 'जुबली' में अपारशक्ति खुराना ने लीड रोल किया। उन्होंने अपनी एक्टिंग से किरदार में जान डाल दिया।

वामिका गब्बी : 2023 वामिका गब्बी के लिए यादगार रहा। उन्हें दर्शकों ने 'जुबली', 'मॉर्डल लव चेन्नई', 'चार्ली चोपड़ा' और 'खुफिया' में देखा। हर फिल्म और सीरीज में उनकी एक्टिंग पसंद की गई।

तृप्ति डिमरी : फिल्म 'एनिमल' से तृप्ति डिमरी इंटरनेट सेंसेशन बन गईं और वह नेशनल क्रश बन गईं। फिल्म में तृप्ति का छोटा सा ही राल था लेकिन हर किसी ने उन्हें नोटिस किया।

विक्रांत मैसी : '12वीं फेल' में विक्रांत मैसी ने लीड रोल किया। छोटे बजट की इस फिल्म ने अपने कलेक्शन से सभी को हैरान कर दिया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 53.68 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया।

अदा शर्मा : 'द केरल स्टोरी' से अदा शर्मा रातों रात स्टार बन गईं। फिल्म के विषय को लेकर विवाद भी हुआ।

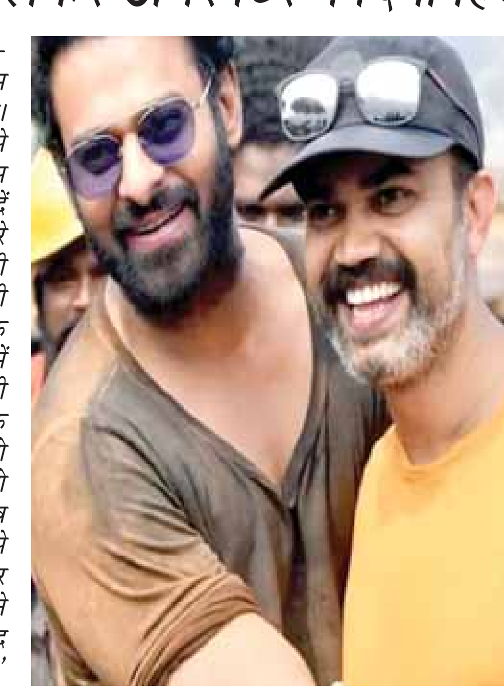

वर्ष 2024 : भारतीय खिलाड़ी दुनियाभर में फहराएंगे तिरंगा

क्रिकेट में इतिहास रचेंगे खिलाड़ी

इंग्लैंड का भारत दौरा

- 5 मैचों की टेस्ट सीरीज (25 जनवरी-11 मार्च)
- मेंस अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप (19 जनवरी-11 फरवरी 2024)
- वुमेंस प्रीमियर लीग (22 फरवी से 17 मार्च 2024)
- आईपीएल 2024 (23 मार्च से शुरू हो सकता है)
- मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 (4-30 जून 2024)
- वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप (सितंबर-अक्टूबर 2024)

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वर्ष 2024 भारतीय खेल प्रशंसकों के लिए रोमांचक होने वाला है। बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस से लेकर क्रिकेट तक, भारत इस साल कई तरह के खेल आयोजनों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस साल पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए विभिन्न खेलों में क्वालीफाइंग दौर चलेंगे।

देश के बाहर भी बड़े खेल इवेंट होंगे। 2024 क्रिकेट के लिहाज से अहम रहने वाला है। इस साल पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 वर्ल्ड कप होगा। इतना ही नहीं, ये साल ओलंपिक वाला भी है। 2024 में पेरिस में खेलों के महाकुंभ का आयोजन होगा। इसके अलावा बैटमिंटन, टेनिस, फुटबॉल के भी बड़े टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

टेनिस के इवेंट्स

ऑस्ट्रेलियन ओपन (14-28 जनवरी 2024)
फ्रेंच ओपन (26 मई-9 जून 2024)
विंबलडन (1-14 जुलाई 2024)
यूएस ओपन (26 अगस्त-8 सितंबर 2024)
एटीपी फाइनल्स (10-17 नवंबर 2024)
डब्लूटीए फाइनल्स (3-10 नवंबर 2024)

हॉकी इवेंट

एफआईएच मेंस हॉकी 5s (24-27 जनवरी 2024)
एफआईएच वुमेंस हॉकी 5s (28-31 जनवरी 2024)
एफआईएच वुमेंस हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर्स (13-19 जनवरी 2024)
एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर्स (13-21 जनवरी 2024)

बैडमिंटन के टूर्नामेंट

इंडिया ओपन (16-21 जनवरी 2024)
सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट (26 नवंबर-1 दिसंबर 2024)
थॉमस और उबेर कप (27 अप्रैल-5 मई 2024)
BWF वर्ल्ड टूर फाइनल्स (11-15 दिसंबर 2024)

दूसरे बड़े खेल आयोजन

2024 पेरिस ओलंपिक (26 जुलाई-11 अगस्त)
फॉर्मूला-1 2024 (29 फरवरी-9 दिसंबर)
मोटो जीपी 2024 (10 मार्च-17 नवंबर)
टूर डे फ्रांस (29 जून-21 जुलाई 2024)

क्रिकेट टीम का कार्यक्रम। (पुरुष)

- 1 टेस्ट बनाम साऊथ अफ्रीका (विदेश)
- 3 टी-20 बनाम अफगानिस्तान (घरेलू)
- 5 टेस्ट बनाम इंग्लैंड (घरेलू)
- टी20 वर्ल्ड कप 2024 (विदेश)
- श्रीलंका में 3 टी-20 और 3 वनडे बनाम श्रीलंका (विदेश)
- 2 टेस्ट और 3 टी20 बनाम बांग्लादेश (घरेलू)
- 3 टेस्ट बनाम न्यूजीलैंड (घरेलू)
- 4 टेस्ट बनाम ऑस्ट्रेलिया। (विदेश)

2024 में फुटबॉल के टूर्नामेंट

- एएफसी एशियन कप (12 जनवरी-10 फरवरी 2024)
- अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (13 जनवरी-11 फरवरी 2024)
- यूरोपियन फुटबॉल चैंपियनशिप (14 जून-14 जुलाई 2024)
- कोपा अमेरिका 2024 (20 जून-14 जुलाई 2024)
- इंग्लिश प्रीमियर लीग (17 अगस्त-25 मई 2024)
- यूफा चैंपियंस लीग (17 सितंबर-31 मई 2024)

नडाल ने की कोर्ट पर वापसी, गर्मजोशी से हुआ स्वागत, लेकिन मैच में मिली हार

एजेंसी ⏭ ब्रिसबेन

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने करीब एक साल के बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी की। वे जनवरी 2023 में चोटिल हुए थे और इसके बाद पहली बार रविवार 31 दिसंबर को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में एक्शन में लौटे। उनको इस डबल्स मैच में हार मिली, लेकिन अच्छी बात ये थी कि जिस चोट (हिप इंजरी) ने उनको एक साल खेल से दूर रखा, उसने कोई परेशानी पैदा नहीं की। वे जल्द ही ऑस्ट्रेलियन ओपन में नजर आने वाले हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन, जो 14-28 जनवरी को होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी कर रहे हैं, 2023 की शुरुआत में मेलबर्न पार्क में अपने दूसरे दौर में हार के बाद कूल्हे की समस्या से जूझ रहे थे और जून में सर्जरी के बाद उनका साल का सीजन खत्म हो गया था।

युगल में मिली हार

नडाल ने अपनी वापसी के लिए रिटायर्ड अनुभवी मार्क लोपेज के साथ अपनी साझेदारी को फिर से शुरू किया, जिनके साथ उन्होंने 2016 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन यह जोड़ी खचाखच भरे पैट राफ्टर एरिना में ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल और जॉर्डन थॉम्पसन से 6-4, 6-4 से हार गई।

हराकर अच्छा लगा

थॉम्पसन ने राफेल नडाल की वापसी को लेकर कहा, राफा को वापस देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं सिंगल्स में कई बार हार का सामना कर चुका हूं, इसलिए उन्हें डबल्स के कोर्ट पर हराकर अच्छा लगा।

शानदार व्हिप शॉट्स : 37 वर्षीय नडाल का प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने हाथों में स्पेनिश झंडे और समर्थन संदेश लिए हुए थे, जबकि सबसे जोरदार जयकार उनके ट्रेडमार्क व्हिप शॉट्स के लिए देखने को मिली।

यूनाइटेड कप : फर्नांडीज की दोहरी जीत

कनाडा ने चिली और अमेरिका ने ग्रेट ब्रिटेन को 2-1 से हराया

एजेंसी ⏭ सिडनी

अमेरिकी ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट लेयला फर्नांडीज के शानदार प्रदर्शन के दम पर कनाडा ने रविवार को यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में चिली पर 2-1 से जीत दर्ज की। फर्नांडीज ने डेनिएला सेगुएल को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद निकोलस जेरी ने स्टीवन डिएज़ को सीधे सेटों में हराकर चिली को ग्रुप बी के इस मुकाबले में बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मिश्रित युगल के निर्णायक मैच में फर्नांडीज और डिएज़ ने सेगुएल और टॉमस बैरियोस वेरा के खिलाफ 7-5, 4-6, 10-8 से जीत हासिल की।

उधर पर्थ में खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में अमेरिका ने शुरू में पिछड़ने के बाद ग्रेट ब्रिटेन को 2-1 से हराया। ब्रिटेन की केटी बोल्टर ने विश्व में पांचवीं रैंकिंग की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को एक सेट से पिछड़ने के बाद लगभग तीन घंटे में 5-7, 6-4, 6-4 से हराया। अमेरिका के विश्व में 10वीं रैंकिंग के टेलर फ्रिट्ज़ ने कैमरून नोरी को 7-6 (5), 6-4 से हराकर मुकाबला को बराबरी पर ला दिया। मिश्रित युगल में पेगुला और फ्रिट्ज़ ने बोल्टर और नील स्कूपस्की पर 1-6, 7-6 (4), 10-7 से जीत हासिल करके अमेरिका की जीत सुनिश्चित की।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ क्षेत्ररक्षण काफी खराब

मुंबई। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण काफी लचर रहा और इस विभाग में सुधार के लिए काम जारी है। भारतीय महिला टीम को इससे आस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार नौवीं श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। भारत ने शनिवार को यहां क्षेत्ररक्षण में कई गलतियां की और सात कैच छोड़े। इसके बाद बल्लेबाजों के जूझने से टीम को तीन रन से हारकर श्रृंखला गंवानी पड़ी। आस्ट्रेलिया ने भारत में कभी भी वनडे श्रृंखला नहीं गंवाई है।

ऋषभ पंत की सफल वापसी की उम्मीद

दुबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन को 2024 में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की सफल वापसी की उम्मीद है जो

एक साल पहले हुई कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इससे उबर रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हुसैन के हवाले से कहा, 'वो बहुत गंभीर दुर्घटना थी। पूरी दुनिया की सांसें थम गयी थीं और उनकी उबरने की प्रक्रिया भी धीमी रही। सोशल मीडिया पर उनके उबरने के बाद शुरूआती कदम और फिर जिम में ट्रेनिंग करते हुए और क्रिकेट खेलते हुए तथा रिकी पोंटिंग के साथ उनकी फोटो देखीं।'

खबर संक्षेप

बैनक्रॉफ्ट की निगाह वार्नर की जगह पर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैमरून बैनक्रॉफ्ट ने डेविड वार्नर के टेस्ट संन्यास के बाद सलामी बल्लेबाज के लिए अपना दावा पेश करते हुए कहा कि इस स्थान के लिए किसी विशेषज्ञ को ही चुना जाना चाहिए। वार्नर ने पहले ही घोषणा कर रखी है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के बाद खेल के इस प्रारूप को अलविदा कह देंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम में उनकी जगह लेने के लिए बैनक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस, मैट रेनशा के अलावा कैमरन ग्रीन को भी दावेदार माना जा रहा है।

योजना टर्निंग पिच के लिए तैयारी करने पर

मुंबई। आस्ट्रेलिया महिला टीम ने भले ही दूसरे वनडे में भारत पर तीन रन की करीबी जीत हासिल की हो लेकिन कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि वे स्पिनरों के लिए मददगार पिच के लिए तैयार नहीं थी। तीसरे मैच से पहले उन्हें अपनी योजनाओं पर दोबारा विचार करना होगा। भारत ने अपनी स्पिनर दीप्ति शर्मा के 10 ओवर में 38 रन देकर पांच विकेट झटकने के प्रदर्शन से लगाम कसी।

सिमरनजीत को पुरुष हॉकी टीम की कमान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए रविवार को भारतीय टीम की घोषणा की जिसमें सिमरनजीत सिंह और रजनी इतिमारपु क्रमशः पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे।

हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप 24 से 27 जनवरी तक आयोजित होगा जबकि पुरुषों की प्रतियोगिता 28 जनवरी से 31 जनवरी तक खेली जाएगी। अनुभवी गोलकीपर

रजनी की मदद के लिए डिफेंडर महिमा चौधरी उप कप्तान होंगी जबकि मनदीप मोर पुरुष टीम के उप कप्तान होंगे। महिला टीम में बंसारी सोलंकी दूसरी गोलकीपर होंगी जिसमें अक्षता अबासो ढेकाले और ज्योति छत्री डिफेंडर होंगी।

अनहत ने जीता स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश अंडर-19 का खिताब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत की प्रतिभाशाली युवा अनहत सिह ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एडिनबर्ग में हुए 2023 स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में बालिका अंडर-19 खिताब अपने नाम किया। अनहत ने शनिवार को फाइनल में घरेलू प्रबल दावेदार रोबिन मैकअल्पाइन पर 11-6, 11-1, 11-5 से जीत हासिल की। दिल्ली की इस खिलाड़ी के लिए यह शानदार वर्ष रहा जिसमें उन्होंने अंडर-19 और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का दोहरा खिताब जीता तथा एशियाई खेलों और शुरुआती एशियाई मिश्रित

युगल चैंपियनशिप दोनों में अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। भारत के सुभाशीष चौधरी ने लड़कों के अंडर-15 फाइनल में हमवतन शिवेन अग्रवाल को 5-11, 11-4, 6-11, 11-8, 11-5 से मात दी जबकि श्रेष्ठ अय्यर ने लड़कों के अंडर-13 फाइनल में श्रेयांश जाह को 11-8, 11-8, 3-11, 11-8 से पराजित किया। शीर्ष वरीय भारतीय आद्या बुधिया ने बालिका अंडर-13 फाइनल और शीर्ष वरीय प्रभव बजोरिया ने लड़कों के अंडर-11 फाइनल में जीत हासिल की। दिव्यांशी जैन अंडर-11 वर्ग में उप विजेता रहीं।

भारत के मुख्य कोच स्टिमक ने बताई योजना

विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचना लक्ष्य

एजेंसी ⏭ दोहा

भारतीय फुटबॉल टीम आगामी एशियाई कप के ग्रुप में सबसे निचली रैंकिंग पर है और मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने रविवार को कहा कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2026 विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचने का है।

स्टिमक एएफसी एशियाई कप में मिलने वाली चुनौती के आधार पर अपना आकलन कर रहे थे जिसमें उन्हें मुश्किल ग्रुप में महाद्वीप की मजबूत टीम आस्ट्रेलिया और शारीरिक रूप से मजबूत उज्बेकिस्तान से भिड़ना है। भारत को ग्रुप बी में विश्व कप की नियमित टीम आस्ट्रेलिया, मजबूत मध्य एशियाई टीम उज्बेकिस्तान और सीरिया के साथ रखा गया है जो फीफा रैंकिंग में स्टिमक की टीम से ऊपर हैं।

भारत निचली रैंकिंग की टीम

स्टिमक ने कहा, 'निश्चित रूप से हम अपने ग्रुप में सबसे निचली रैंकिंग पर हैं। उज्बेकिस्तान छुपीरुस्तम टीम है और उसके खिलाड़ियों की कद काठी परेशान कर सकती है। आस्ट्रेलिया फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेल रहा है और हम सभी जानते हैं कि उनकी टीम क्या करने की क्षमता रखती है, वे विश्व कप में नियमित तौर पर खेलते हैं और ग्रुप चरण की बाधा पार कर लेगा।' भारत टूर्नामेंट के लिए शनिवार को कतर की राजधानी पहुंच गया।

एशियाई कप की तुलना में यह कठिन ग्रुप

यह पूछने पर कि उनकी योजना क्या होगी तो स्टिमक ने कहा, 'यह ग्रुप पिछले एशियाई कप की तुलना में ज्यादा कठिन है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है अच्छा प्रदर्शन और सुनिश्चित करना कि हम खेलते हुए स्थिर रहें और चोटिल नहीं हों। मैं नतीजों को लेकर खिलाड़ियों को दबाव में नहीं ला रहा हूं। हमें स्थिरता लाने की जरूरत है, हम भले ही किसी भी टीम के खिलाफ खेलें, हम निर्भीक होकर फुटबॉल खेलने की कोशिश करेंगे। मुझे अंतिम नतीजे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हमारा अंतिम लक्ष्य विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करना है।'

टी20 श्रृंखला 1-1 से बराबर

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 17 रन से हराया

एजेंसी ⏭ माउंट मोनगानुई

मिशेल सैंटनर और जिम्मी नीशाम के बीच 46 रन की साझेदारी से न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस पद्धति से 17 रन से हरा दिया। इससे बांग्लादेश की न्यूजीलैंड में पहली श्रृंखला जीतने की उम्मीद टूट गई और तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर रही।

बांग्लादेश की पूरी टीम 19.2 ओवर में 110 रन पर सिमट गई थी। कप्तान नजमुल शांटो 17 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। केवल पांच बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच पाये थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड का शीर्ष क्रम फिर चरमरा गया और नौवें ओवर में टीम का स्कोर पांच विकेट पर 49 रन था। पर नीशाम (नाबाद 28 रन) और सैंटनर (नाबाद 18 रन) ने मिलकर 15वें ओवर तक न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 95 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद बारिश आ गयी और मैच खत्म हो गया।

न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 14.4 ओवर में 79 रन चाहिए थे और टीम इस स्कोर से आगे थी। बांग्लादेश ने पहला मैच पांच विकेट से जीता था जबकि दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

ट्रक और टैंकर ड्राइवरों की हड़ताल से पेट्रोल की किल्लत

हर एक पेट्रोल पंप में लगी रही पेट्रोल-डीजल भराने लोगों की भारी भीड़

और पेट्रोल पंप बंद हो गये ...!

नये नियम कानूनों से टैंकर-ट्रक चालक बिफरे

थमे पहिये, पेट्रोल डीजल संकट शुरू

जबलपुर। नये कानून को लेकर बनी संशय की स्थिति के बीच जबलपुर के शहपुरा भिटौनी मार्ग पर सैंकड़ों टैंकर ट्रक चालकों ने अपने वाहन खड़े कर दिये। जिससे नेशनल हाईवे पर स्थिति बिगड़ गई। वहीं जैसे ही यह खबर शहर में पहुंची की टैंकर हड़ताल है, पेट्रोल पम्पों में अफरातफरी की स्थिति बन गई। सैंकड़ों की संख्या में लोग पेट्रोल पम्प के बाहर पेट्रोल डीजल भरवाने खड़े हो गये। गौरतलब है कि नये कानून में कहा गया है कि हादसे के बाद वाहन छोड़कर या वाहन लेकर चालक भागेगा नहीं, घायल को अस्पताल पहुंचाएगा। वहीं यदि वह ऐसा करता है तो उसे 10 साल की सजा के साथ 7 लाख का जुर्माना देना पड़ सकता है। चालक इसी कानून से नाराज बताए जा रहे हैं। ड्रायवरों का कहना है कि हादसे के बाद कई बार ऐसी स्थिति बनती है कि यदि ट्रक चालक न भागे तो लोग उसे पीट पीट कर मार डालेंगे।

बिगड़ सकते हैं हालात

शहपुरा भिटौनी क्षेत्र में इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम सहित चार बड़े डिपो स्थापित हैं। जहां से डीजल पेट्रोल पूरे संभाग में सप्तालाई होता है। यहां से हर 400 टैंकर निकलते हैं। टैंकर चालकों की हड़ताल के चलते ईंधन सप्लाई रुक गई। जानकारों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं आया तो जबलपुर और आसपास हाहाकार की स्थिति बन जाएगी।

पेट्रोल पम्प खाली होने लगे

हड़ताल के पहले दिन ही जबलपुर के करीब 50 फीसद से अधिक पेट्रोल पम्प खाली हो गये। ट्रैंकर एसोसियेशन की हड़ताल का असर यह रहा जहां पहले ही दिन सप्लाई ठप्प हो गई, वहीं शहर में हाहाकार जैसी स्थिति बनने लगी। नये नियम कानूनों का एसोसियेशन द्वारा विरोध किया जा रहा है। अभी तो टैंकर चालक हड़ताल पर हैं, अब ट्रंक चालकों ने भी हाथ खड़े करने के संकेत दे दिये हैं। शहर के पेट्रोल पम्पों में पेट्रोल डीजल लेने अफरातफरी मच गई है। आने वाले दिनों में रसोई गैस की भी किल्लत हो गई है।

आरटीओ ने की 75 बसों की जांच

33 के चालान और जुर्माना वसूला

जबलपुर। देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर जिला प्रशासन और आरटीओ की कार्यवाही जबलपुर में दूसरे दिन भी जारी रही। गुना हादसे के बाद जबलपुर संभाग कमिश्नर एवं कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ जितेन्द्र रघुवंशी के नेतृत्व में दूसरी दिन भी परिवहन विभाग की कार्रवाई गई। जबलपुर आरटीओ की टीम ने जबलपुर से आसपास के जिलों और अन्य राज्यों में चलने वाली बसों की जांच करते हुए उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की। आरटीओ के अमले ने इस दौरान 75 बसों की जांच करते हुए 33 के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। इस दौरान आरटीओ के अमले को बस मालिकों के खिलाफ कई तरह से अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए दबाव भी बनाया, बावजूद इसके परिवहन विभाग ने कार्रवाई जारी रखी। गौरतलब है कि गत दिवस भी आरटीओ के अमले ने 80 बसों की जांच करते हुए 31 के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए उनसे 51 हजार रुपए का जुर्माना वसूला है। आरटीओ का कहना है कि राज्य सरकार के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। सभी बस मालिकों को हिदायत भी दी जा रही है, समय पर अपनी बसों का फिटनेस,बीमा और परमिट करवा लें। आरटीओ का कहना है कि दो दिन में देखा गया है कि अधिकतर बस मालिकों ने आपातकालीन दरवाजों को बंद कर वहां पर सीट लगा रखी है, जो कि सही नहीं है। जबलपुर आरटीओ ने कहा जांच के दौरान देखा गया है कि अधिकतर बसों में आपातकालीन दरवाजों को बंद कर दिया जाता है,और फिर वहां पर ही यात्रियों को बैठाया जाता है। ऐसी बस जो कि लगातार परिवहन विभाग के निर्देशों की अवहेलना कर रही है, उनकी जांच की जा रही है। उन्हें अभी हिदायत दी जा रही है। जरूरत पड़ी तो अब इन बसों का परमिट भी निरस्त किया जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
नववर्ष विशेषांक
स्वागत 2024

संकल्प के सूरज से फूटीं बदलाव की असंख्य रश्मियां इनसे ही अपना रोशन जहां

बीता हुआ लम्हा इतिहास का हिस्सा बनता है और आने वाला पल उम्मीदों का सैलाब लाता है। हरिभूमि टीम ने इन दोनों पहलुओं को छुआ। हमने इतिहास बन चुके लम्हों को सलीके से जीने वाली उन शख्सियतों के प्रेरक कारनामों को टटोला, जिन्होंने कमजोरी या कमी को खुद पर हावी होने नहीं दिया। उन्होंने बदलाव के संकल्प को मुकाम तक पहुंचाया। उनके काम सराहनीय और अनुकरणीय हैं, उम्मीद जगाते हैं और समाज के सदृढ़ीकरण की राह आसान करते हैं। यह एक पहलु था और अब बात दूसरे हिस्से यानी आने वाले पल की....तो साल 2024 के सूरज की पहली किरण धरती को चूम चुकी है। यह दिन बेहद खास है। देश- दुनिया और समाज में सकारात्मक बदलाव की बयार का भरोसा दिलाते नए सूरज का स्वागत कीजिए। हमने देश, प्रदेश के उन इलाकों की खूबसूरत तस्वीरों को उकेरा है, जहां आसमां से उतरती सूरज की पहली किरण ने धरा को जन्नत बनाया हुआ है।

सीखिए उस गांव से जहां देश में सबसे पहले उगता है सूरज

आदिम तरीके से बनता है भोजन अदरक-लहसुन वाला खाना...

नतीजाः कोई बीमार नहीं पड़ता अस्पताल की कभी जरूरत नहीं

अरुणाचल प्रदेश से वाइल्ड फोटोग्राफर **मोगे रिबा**
रायपुर से रुचि वर्मा की रिपोर्ट.

अरुण का अंचल अर्थात अरुणाचल। यहां के डोंग गांव में ही भारत में सबसे पहले सूर्योदय होता दिखाई देता है। जब हम और आप गहरी नींद में सो रहे होते हैं, तब लोग यहां दिन की शुरुआत कर चुके होते हैं। गर्मियों के दिनों में तड़के 3 बजे से ही सूरज दस्तक दे देता है। लालिमा छानी शुरू हो जाती है। ठंड के दिनों में भी 4 बजे के करीब सूर्योदय हो चुका होता है। सूरज सबसे पहले उगता है तो सूर्यास्त भी सबसे पहले। शाम 4 बजे अस्त होना शुरू होता है और शाम 5 बजे तक यह गांव पूरी तरह से अंधेरे में डूब चुका होता है। यह गांव है अरुणाचल प्रदेश के डोंग घाटी में स्थित डोंग गांव। यह धरती से करीब 1240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

स्थानीय निवासी और वाइल्ड लाइफ फोटोग्रोफर मोगे रिबा ने हरिभूमि के लिए ढेर सारी तस्वीरें खींचीं। बेहद खूबसूरत और मन को मोह लेने वाली तस्वीरें। जब सूरज की पहली किरण इस मोहक धरा को छूती है, और तब जब सूरज डूबने लगता है। यहां सब खूब प्रसन्न रहते हैं और स्वस्थ भी। कैसे? लोग कहते हैं कि हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे खतरनाक है फास्ट फूड। डोंग घाटी के लोग फास्ट फूड से दूर हैं। यहां अब भी आदिम तौर-तरीकों से ही भोजन बनाया जाता है। तेल-मसालों का प्रयोग नहीं के बराबर होता है। यही वजह है कि यहां अस्पताल में खान-पान और रहन-सहन से जुड़ी बीमारी के मरीज गिनती के ही पहुंचते हैं।

सब कुछ प्राकृतिक

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अधिकारी बिनायक दास बताते हैं, यहां सबकुछ प्राकृतिक है। कोई भी टूरिस्ट स्पॉट ऐसा नहीं है, जिसे तोड़-फोड़कर या कृत्रिम रूप से बनाया गया हो। यहां बच्चे भी सुबह 5 बजे तक उठ जाते हैं। घरों में महिलाएं इससे भी पहले उठ जाती हैं। वे प्रकृति के अनुसार ही चलते हैं।

इन्हें स्वास्थ्य रखता है खाना बनाने का तरीका

राजीव गांधी केंद्रीय विवि में प्राध्यापक डॉ.शंभु प्रसाद बताते हैं कि यहां के लोगों की जिंदगी बहुत सामान्य, शांतिपूर्ण और पूरी तरह से प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली है। जो चीज यहां के लोगों को स्वस्थ रखती है वो है यहां खाना बनाने का तरीका। यहां के लोगों का भोजन उबला हुआ होता है। तेल-मसाले का प्रयोग नहीं होता। अदरक-लहसुन कुचलकर मिलाते हैं। नॉनवेज में भी तेल-मसाले नहीं डालते हैं। उसे उबालकर या भूनकर ही खाते हैं। यहां के लोगों की औसत आयु 73 वर्ष है, जो देश के अधिकतर राज्यों से अधिक है। रसोईघर पारंपरिक तरीकों से ही बने हुए हैं। यहां गीली लकड़ियों को सुखाने लिए पृथक जगह होती है। चूल्हे पर ही खाना बनाया जाता है।

प्रकृति की छटा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के 28 वें जिले के रूप में अस्तित्व में आए गौरेला- पेंड्रा- मरवाही जिले को प्रकृति ने दिल खोलकर अपना आशीर्वाद दिया है। इसका पता यहां की सुंदरता से चलता है। समुद्र सतह से 3600 फीट की ऊंचाई पर स्थित राजमेरगढ़ की पहाड़ियां और इसके पास ही स्थित धरमपानी से दिखने वाले जिले की घाटी का नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पहाड़ियों से जब नीचे की ओर देखा जाए तो एक दिल की भी आकृति दिखाई देती है। ऐसा लगता है कि यह घाटी प्रकृति का शरीर है और उसके बीच में बना दिल प्रकृति का दिल है, जो लगातार हरियाली के रूप में धड़क रहा है। धरमपानी में ही मां काली की गुफा स्थित है। दुर्गाधारा, माई का मड़वा, माई की बगिया, कबीर चबूतरा सहित अन्य पर्यटन स्थल है जो अमरकंटक आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं और छत्तीसगढ़ की अलग पहचान स्थापित करते हैं।

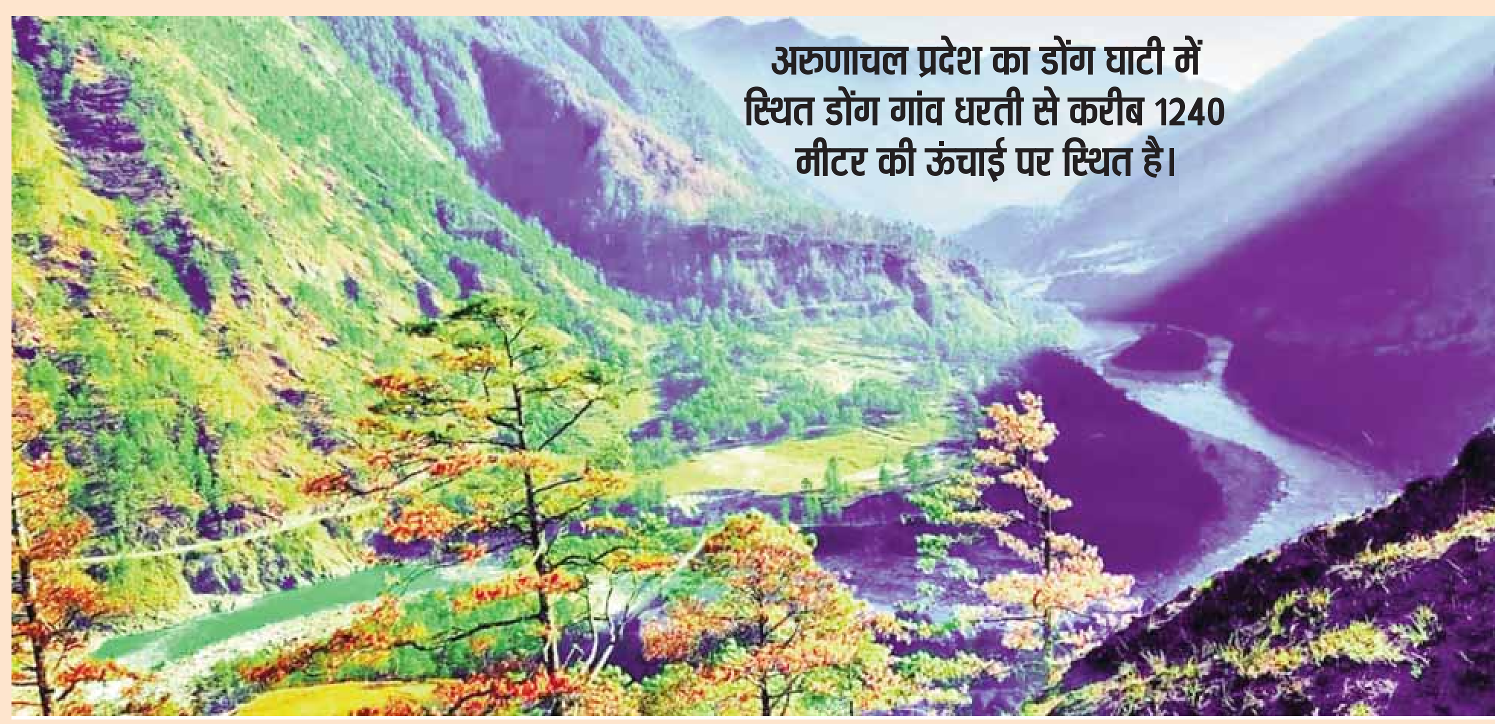

अरुणाचल प्रदेश का डोंग घाटी में स्थित डोंग गांव धरती से करीब 1240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

स्वच्छ भारत के संकल्पों को साकार करता नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र का इकलौता गांव आदिवासी विस्थापित ग्राम काकड़ी

घर ही नहीं, सड़क तक सफाई करती हैं महिलाएं फिर कचरे को निस्तार केंद्र तक भी पहुंचाती हैं

दहेज में बेटियों को पौधे, जैविक खेती देने की शुरुआत, वाटर हार्वेस्टिंग का प्रयोग, स्वयं के द्वारा उगाए फल सब्जी का उपयोग करने सहित शराब पीने वालों व कचरा फैलाने वालों को आर्थिक दंड देने का है प्रावधान

संदीप चतुर्वेदी ▶▶ सोहागपुर

सोहागपुर विधान सभा का 2013-14 में विस्थापित ग्राम काकड़ी आज नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र में स्वच्छता में अव्वल स्थान पर काबिज है। विस्थापन के बाद एक वर्ष ग्राम के वरिष्ठ जय सिंह नर्रे ने ग्रामीणों की चौपाल लगाकर ग्राम को जब स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया तो इस भूमिका में सर्वप्रथम अपेक्षित और अनवरत सहयोग उनके शिक्षक पुत्र अर्जुन नर्रे का मिला जो आज काकड़ी ग्राम के लिए प्रेरणास्त्रोत की भूमिका में नजर आ रहे हैं। ग्राम को स्वच्छ रखने के मद्देनजर ग्रामीणों की सहमति के बाद हर रोज हर घर की गृहिणियां अपने अपने घरों के सामने सड़क तक सामूहिक सफाई करते हुए उक्त कचरे को निस्तार केंद्र में पहुंचाती हैं। ग्रामीणों ने अपने घरों में गो- पालन को महत्व दिया है। उक्त गायें जब सड़कों या घरों में गोबर करती हैं तो ग्रामीण इस गोबर में गुड़, बेसन, गो- मूत्र मिलाते हुए और बरगद के पेड़ के नीचे की मिट्टी मिलाकर जैविक खाद बनाने का काम करके जैविक खेती की ओर अग्रसर हैं।

कचरा फैलाए जाने पर पहले निवेदन, फिर जुर्माना

ग्रामीण या अन्य द्वारा कचरा फैलाए जाने पर निवेदन, समझाइश देकर कचरा उठवाया जाता है। न मानने की स्थिति में ग्राम की स्वच्छता समिति अपना अंतिम निर्णय देती है। काकड़ी के ग्रामीणों की विशेषता है कि उन्होंने जल संरक्षण की ओर आज से प्रयास तेज करते हुए अपने घरों में बरसात इत्यादि का पानी वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से संरक्षित किया है। हर घर के सामने व्यवस्थित कतारबद्ध लगे फलदार वृक्ष यहां दिखते हैं। गांव के अंदर कोई भी ग्रामीण शराब का सेवन नही कर सकता है। शराब पीए पाने जाने की स्थिति में पहली मर्तबा समझाइश देकर छोड़ दिया जाता है। यदि वही शख्स दोबारा और तिबारा शराब पीते पाया जाता है तो क्रमशः 151, 201 और अगली बार सीधे 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया जाता है। काकड़ी से विदा होने वाली बेटी को दहेज के रूप में अन्य सामग्रियों के साथ दो फलदार पौधे दिए जाते हैं जो कि मायके वाले जब उक्त बेटी को लिवाने जाते हैं, तब मायके वाले बेटी दामाद के साथ दहेज के समय दिए गए पौधे को रोपित करते हैं।

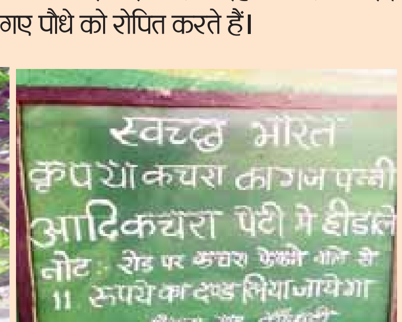

सीखिए...हालात जैसे भी हों...संभावनाएं सदैव जीवित रहती हैं

तीन किलोमीटर का घाट फिर खाई... ऐसी विकट

पेड़ के नीचे लगता है स्कूल, मंत्री पहली बार पहुंचे तो बिछाई गई मुरुम

अजय नारायण पांडेय.अम्बिकापुर

मैनपाट के बीहड़ों के बीच बसा है ग्राम जंगलीजोबा। इसकी भौगोलिक स्थिति बेहद विकट है। इस गांव में पहुंचने के लिए 3 किमी लंबे और ऊंचे घाट को पार करना पड़ता है। यहां एक स्कूल है...केवल नाम का। वह जर्जर हो गया है। बंद कर दिया गया है सो पेड़ के नीचे स्कूल लगता है। बच्चे सुबह लकड़ियां बीनने जंगल चले जाते हैं। शिक्षक पहले तीन किलोमीटर पैदल चलकर घाट पार करते हैं, फिर घर घर जाकर बच्चों को इकट्ठा करते हैं। तब कक्षाएं शुरू होती हैं...वह भी पेड़ के नीचे। यह खबर स्कूल की बदहाली से ज्यादा शिक्षक के हौसले की है। विकासखण्ड मैनपाट अंतर्गत अत्यंत पिछड़े ग्राम पंचायत कलजीवा का आश्रित गांव है जंगली जोबा। पूर्व में यह गांव ग्राम पंचायत सपनादर का हिस्सा था। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए वर्ष 2015 में ग्राम जंगली जोबा को शामिल कर पड़ोसी ग्राम कलजीवा को ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया था। गांव में उरांव, मांझी एवं पहाड़ी कोरवा समुदाय के 50 परिवार निवासरत हैं।

विकट है भौगोलिक स्थिति

गांव की भौगोलिक स्थिति काफी विकट है। मैं स्वयं भी बेहद कठिनाई से कई बार स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचता हूं। पढ़ाई के प्रति बच्चों में जागरुकता बढ़ाने शिक्षक को नवाचारों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

- योगेश कुमार शाही
बीईओ, मैनपाट

मंत्री पहुंचे तो पहली बार बिछी मुरूम

पूर्व खाद्यमंत्री एवं क्षेत्र के तत्कालीन विधायक अमरजीत भगत पहली बार जून में स्कूल भवन निर्माण का भूमि पूजन करने पहुंचे थे। तत्कालीन खाद्यमंत्री के आगमन के पूर्व पहली बार गांव की उबड़-खाबड़ पगडंडी को चौड़ा किया गया तथा सड़क स्वरूप देकर मुरूम बिछाई। कच्ची पहाड़ी की सड़क पर मुरूम बिछाने के बाद लोग ढलान वाले खतरनाक रास्ते से गांव तक पहुंच जाते हैं लेकिन बरसात में अभी भी पैदल सफर करना पड़ता है।

अधिकारी कहते हैं- बहुत विकट भौगोलिक स्थिति... हम मुश्किल से पहुंच पाते हैं

बच्चों को लाने जंगल जाते हैं

छोटे-छोटे बच्चे सुबह होते ही अपनी बकरियों को चराने एवं ईंधन के लिए लकड़ी बटोरने जंगल चले जाते हैं। समय पर बच्चे स्कूल नहीं पहुंचे तो शिक्षक घर-घर घूमकर बच्चों को एकत्र करते हैं तथा स्कूल लाकर उन्हें पढ़ाते हैं। कई बार तो गांव के सभी बच्चों के जंगल जाने के कारण शिक्षक को बच्चों के लिए जंगल में भी भटकना पड़ता है। स्कूल में 15 बच्चों का नाम दर्ज है, लेकिन विशेष अवसर पर ही सभी बच्चे स्कूल पहुंचते हैं। कई बार जंगल से लौटने के बाद कई बच्चे मध्यान्ह भोजन की लालच में घंटों विलम्ब से स्कूल पहुंचते हैं। गांव की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शिक्षक सुदीप कुमार ने कभी हार नहीं मानी और अनवरत जनजातीय समाज के बच्चों में शिक्षा की ज्योति जला रहे हैं।

स्कूल की नींव तक नहीं खुदी

स्कूल जतन योजना के तहत शासन द्वारा ग्राम जंगली जोबा स्थित प्राथमिक शाला भवन में 3 अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को 24.20 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। शासन ने योजना के तहत 6.56 लाख रूपए की किश्त जारी भी कर दी है, लेकिन तत्कालीन खाद्यमंत्री के भूमि पूजन के 6 महीने गुजरने के बावजूद विभाग भवन निर्माण के लिए नींव तक नहीं खुदवा सका है। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि व विभाग के अधिकारियों पर कागजों पर निर्माण पूर्ण कर स्कूल भवन की राशि हड़प लेने का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी भवन निर्माण की राशि हड़पे नहीं होते तो शासन बदलने के बाद भवन निर्माण का काय अब तक प्रारंभ हो जाता।

जलसंरक्षण में नवाचार... प्लास्टिक के तालाब ने झरखेड़ा के किसानों की तकदीर बदल डाली

बारिश के पानी को आधा एकड़ के तालाब में एकत्रित गर्मी के दिनों में बीस एकड़ में उगाते हैं सब्जियां

पुणे में निर्मित प्लास्टिक के तालाब की तर्ज पर पहले करीब आधा एकड़ में प्लास्टिक के तालाब का निर्माण हुआ। अब दर्जन भर से ज्यादा।

जुगल किशोर पटेल ⏭ सीहोर

जिले का झरखेड़ा गांव प्रदेश का ऐसा इकलौता गांव है, जहां किसान जल सरंक्षण के अद्भुत नजारे पेश कर प्लास्टिक तालाब से लाभ कमा रहे हैं। कम वर्षा के कारण किसान गर्मी में खेती नहीं कर पा रहे थे। गांव के युवा किसान मनोहर पाटीदार ने पुणे में निर्मित प्लास्टिक के तालाब की तर्ज पर करीब आधा एकड़ में प्लास्टिक के तालाब का निर्माण किया है। इसी तालाब के संग्रहित पानी से इन्होंने बीस एकड़ जमीन पर गर्मी के मौसम में सब्जियों की खेती की है।

कृषक मनोहर पाटीदार ने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से अपने खेत पर 45:45:10 मीटर आकार के तालाब का निर्माण करवाया। गांव के लोगों ने मनोहर के नवाचार को शुरू में स्वीकार नहीं किया। उनके द्वारा खेत पर तालाब बनाते समय गांव के लोग व्यर्थ में रुपए बर्बाद करने की बात करते थे। अल्प बारिश के बाद जब लोगों ने मनोहर को पूरे साल इसी तालाब के पानी से खेती करते देखा, तो वे भी इनकी राह पर चल पड़े। प्लास्टिक के तालाब (प्लास्टिक लाइनिंग ऑफ फार्म पोंड) अब झरखेड़ा के किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं। मनोहर पाटीदार बताते हैं कि गांव में छोटे-बड़े कुल सौ किसान हैं। इन्हें जल संरक्षण और प्लास्टिक के तालाब से खेत पर साल भर पानी की सुविधा की यह युक्ति पसंद आई है। खेती में होने वाले लाभ के चलते उनके देखा-देखी गांव में एक दर्जन तालाब बन चुके हैं। गांव के किसान तुलसीराम पाटीदार, सुरेश पाटीदार, बैधनाथ पाटीदार, हीरालाल पाटीदार, बाबूलाल पाटीदार, इंदर सिंह मेवाड़ा, गीता प्रसाद पाटीदार और राम सेवक पाटीदार ने प्लास्टिक तालाब को खेती के लिए वरदान बना लिया है।

गांव के डेढ़ दर्जन से अधिक किसान अपने-अपने खेतों पर प्लास्टिक तालाब का निर्माण कर रहे है। जो देखकर हंसते थे, अब मनोहर की राह पर चल पड़े हैं। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को प्लास्टिक तालाब निर्माण कराने के लिये पचास प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। जिले में झरखेड़ा के अलावा खामलिया, आष्टा, इछावर और बामलादड़ में प्लास्टिक तालाब का निर्माण चल रहा है। विभाग द्वारा 100.55 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से अधिकतम एक लाख 21 हजार 500 रुपए का अनुदान की सुविधा है।

सांप तस्करों को सिखाते हैं सबक

पूरे मध्य भारत के सिर्फ कोरबा के जंगल में मिलता है पहरचित्ती सांप

पहरचित्ती सांप पर ग्रामीणों की अटूट आस्था स्नेक पार्क की संभावना पर चल रहा रिसर्च

जैव विविधता से भरे कोरबा जिले के जंगल की अब सांप भी पहचान बनेंगे। पूरे मध्य भारत में सिर्फ कोरबा के जंगल में दुर्लभ सांपों का राजा किंग कोबरा पाया जाता है।इसे स्थानीय ग्रामीण पहरचित्ती के नाम से भी पुकारते हैं और इसे देवतुल्य भी मानते हैं। ग्रामीणों को जैसे ही पता चलता है कि इन सांपों के संरक्षण पर कोई खतरा मंडरा रहा है तो ग्रामीण स्वयं मोर्चा संभाल लेते हैं। कई बार कुछ तस्करों को जमकर सबक भी सिखाया है। अब वन विभाग सांपों के राजा के कुनबे को बढ़ाने और संवर्धन पर रिसर्च कर रहा है ताकि इनका संरक्षण हो सके। यदि इस दिशा में गंभीरता से प्रयास किया गया तो कोरबा देश के मानचित्र में स्नैक पार्क के रुप में जगह बना सकेगा।

नागेन्द्र श्रीवास
कोरबा

एक साल तक होगा सर्वे

कोरबा का जंगल साल-सागौन और विभिन्न प्रजाति के पेड़ पौधों से भरा पूरा जंगल है। बड़े पैमाने पर जंगल होने की वजह से यहां दर्जनों विलुप्त प्रजाति के वन्य प्राणियों की मौजूदगी भी है। इस जंगल की खासियत यह है कि यहां के घने जंगल में 15 फीट लंबा किंग कोबरा (स्थानीय नाम पहरचित्ती) नामक सांप पाया जाता है, जो पूरे मध्य भारत में सिर्फ कोरबा के जंगल में ही मिलता है। जंगल में बेहतर रहवास मिलने की वजह से इनकी मौजूदगी है। फिलहाल कोरबा वनमंडल के पसरखेत, लेमरु, बालको, कुदमुरा रेंज में उनकी मौजूदगी है। अक्सर 15 से 16 फीट का यह किंग कोबरा ग्रामीणों के घर और बाड़ियों में भी दिखाई देते रहता है। ग्रामीण मानते हैं, उसके रहने से उनके धन-धान्य में वृद्धि होती है। एक ओर जहां वन विभाग इनके संरक्षण का प्रयास कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर स्थानीय ग्रामीण भी इसके संरक्षण के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार रहते हैं। कई बार ऐसा नजारा देखने को भी मिला है, जब तस्करी के लिए इन सांपों को पकड़ने आए तस्करों को पकड़ कर ग्रामीणों ने सबक भी सिखाया है। कोरबा वनमंडलाधिकारी अरविंद पीएम व एसडीओ आशीष खेलवार ने इस सांप के संरक्षण का बीड़ा अपने हाथों में ले रखा है। वन विभाग द्वारा इसके कुनबे को बढ़ाने रिसर्च कराया जा रहा है। रायपुर की नोवा नेचर नामक संस्था किंग कोबरा के स्वभाव, उसके रहवास पर रिसर्च कर रही है। आने वाले दिनों में यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो किंग कोबरा को लेकर कोरबा के जंगल में स्नैक पार्क भी तैयार हो सकता है और इसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के नहीं बल्कि देश के और भी विभिन्न राज्यों से लोग यहां पहुंचेंगे।

राजकीय नाग का मिले दर्जा

नोवा नेचर संस्था के अध्यक्ष एम सूरज ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य भारत की बात करें तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सिर्फ छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिले में ही इस प्रजाति का किंग कोबरा पाया जाता है। कोरबा के जंगल में जो किंग कोबरा पाया जाता है, उसकी लंबाई 14 से 15 फीट है। रिसर्च के दौरान कोरबा वनमंडल के कुछ परिक्षेत्र में किंग कोबरा पाए गए हैं । यदि राज्य सरकार पहल करे तो इसे राजकीय नाग का दर्जा मिल सकता है। इसके संवर्धन में और बेहतर पहल हो सकती है। छत्तीसगढ़ के कोरबा में पाया जाने वाले इस सांप की खासियत यह है कि यह विश्व में सबसे लंबा विषैला सांप है। यह ऐसा सांप है, जो घोंसला बनाकर रहता है। कोरबा वनमंडल का यह परिक्षेत्र इस सांप के रहने के लिए प्राकृतिक रुप से पूरे प्रदेश में सबसे है।

किंग कोबरा एक नजर में

सामान्य नाम
किंग कोबरा
स्थानीय नाम
पहरचित्ती
वैज्ञानिक नाम
ओफियाफैगस हन्ना
प्रकार
सरीसृप
आहार
मांसाहारी
समूह का नाम
क्विवर
जीवनकाल
20 साल
लंबाई
15 फीट
वजन
10 से 12 किलो

अब तक किसी को भी नहीं बनाया है शिकार

कोरबा के जंगल में पाए जाने वाले किंग कोबरा की लंबाई 15 फीट तक पाई गई है। विश्व में इसकी अधिकतम लंबाई 18 से 20 फीट होती है। किंग कोबरा दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में से एक है। कोरबा वनमंडल के विभिन्न परिक्षेत्र में किए गए रिसर्च के मुताबिक किंग कोबरा ने अभी तक किसी भी ग्रामीण को डसा नहीं है।

रिसर्च हो चुका है शुरू

किंग कोबरा की प्रारंभिक रिसर्च के दौरान जो बात सामने आई है उसके मुताबिक कोरबा का जंगल किंग कोबरा के लिए अनुकूल है लेकिन इसे और अनुकूल कैसे बनाया जा सकता है। इस सांप की क्या-क्या खूबी है, इस विषय पर रिसर्च किया जा रहा है। एक महीने के रिसर्च के दौरान आधा दर्जन से अधिक किंग कोबरा अलग-अलग प्रकार के पाए गए हैं, जो दर्शाता है कि इनके कुनबे को बेहतर रहवास कोरबा के जंगल में मिल रहा है।

एम सूरज, अध्यक्ष, नोवा नेचर

'बुक वाला' अमितेश मिश्रा

हर साल 3000 परिवारों को पुस्तकें बांट रहे

जब सब था बंद तब 200 से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाई किताबें

मधुरिमा राजपाल ⏭ भोपाल

लॉकडाउन में कोलार के मंदाकिनी में रहने वाले एक शिक्षक अमितेश मिश्रा और एक छात्र चंदन मिश्रा ने मिलकर किताबें मुहैया कराने का काम शुरू किया। जब सब कुछ बंद था तब अपने दोस्तों, परिचितों से किताबें एकत्र कर उन बच्चों और परिवारों तक पहुंचाने का काम किया जो निचले तबके के थे या किताबें नहीं खरीद सकते थे और वे पढ़ना चाहते थे। शुरूआत में उन्हें यह काम करने में खासी दिक्कतें आईं। लेकिन, बाद में सोशल मीडिया के द्वारा उनका यह प्रयास सफल रहा और अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचने से उनके पास हर कक्षा की किताबें लोग मुहैया कराते और यह किताबें वे जरूरतमंदों तक पहुंचाते। इन्होंने 'आपका बुक वाला' नाम से सोशल मीडिया पर अपना पेज बनाया और इस पर लोग चाहें तो अपनी पुस्तकें एक्सचेंज कर लेते है या जरुरतमंदों के लिए पुस्तकें दान करते हैं।

परिवार की आर्थिक तंगी के कारण बच्चों की पढ़ाई न रुके

किताबें मुहैया कराने की मुहिम से जुड़े स्टूडेंट चंदन मिश्रा ने बताया कि कोरोना ने आर्थिक स्थिति पर बहुत प्रभाव डाला था, कई परिवार ऐसे थे जिनके पास खाने तक को पैसे नहीं थे ऐसे में उनके बच्चे पढ़ने के लिए पुस्तकें कहां से लाते। लिहाजा मैंने और सर अमितेश मिश्रा ने मिलकर ऐसे परिवारों और लोगों तक पुस्तकें पहुंचाई। आज हमसे कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एनजीओ भी जुड़ चुके हैं और जो हमसे पुस्तकें ले लेते हैं और उन बच्चों तक पहुंचाते हैं जिनके पास किताबें खरीदने के पैसे नहीं है। पहले जहां कोरोना काल में हमनें 200 से ज्यादा परिवारों तक किताबें पहुंचाई थीं वहीं अब हम सलाना 3000 तक किताबें पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि कक्षा-1 से लेकर 12 वीं तक के अलावा उच्च शिक्षा की किताबें भी वे मुहैया करवा रहे हैं।

धान की गठवन, महाराजी व लाइच में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले

कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण

छत्तीसगढ़ के धान की तीन किस्मों में मिले कैंसररोधी तत्व

चूहों पर सफल प्रयोग के पश्चात अब केन्द्र सरकार से मानवीय मॉडल पर परीक्षण की अनुमति मांगी गई

विकास चौबे
बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में धान की तीन पारंपरिक किस्मों में कैंसर रोधी क्षमता पाई गई है। धान की गठवन, महाराजी व लाइचा में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले हैं। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने धान की इन प्रजातियों के औषधीय गुणों का अध्ययन करने के लिए चूहों पर इसका प्रयोग किया जो सफल रहा। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन प्रजातियों के धान की भूसी में कैंसर रोधी तत्व पाए गए हैं।

चूहों पर सफल प्रयोग के पश्चात भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर मनुष्यों पर इसके प्रयोग की अनुमति मांगी है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान संचालक विवेक त्रिपाठी का कहना है कि इसका मानवीय माडल पर परीक्षण की अनुमति मिलते ही इसका परीक्षण किया जाना है। यह परीक्षण टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से होगा। इसके बाद इसके व्यावसायिक उपयोग के बारे में भी सोचा जाएगा। इसे दवा के रूप में या भोजन के रूप में लांच करना है, उसके बाद ही तय किया जाएगा। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में धान की कई परंपरागत प्रजातियां मिलती हैं। इंदिरा गांधी कृषि विवि में धान की लगभग 23250 प्रजातियां हैं।इनमें से बहुत में औषधीय गुण भी है। ऐसी ही 13 प्रजातियों को विवि ने चिन्हित किया था। इनमें से तीन प्रजातियों में कैंसर रोधी गुण पाए गए है। ये किस्में है गठवन, महाराजी व लाइचा। यह देसी परंपरागत वैराइटी है। कृषि वैज्ञानियों के अनुसार इन तीनों प्रजातियों में कैंसर की कोशिकाओं का प्रगुणन रोकने और उन्हें खत्म करने में प्रभावी है। इस अनुसंधान से कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण जगी है।

कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को रोका, नष्ट भी किया

वैज्ञानिकों के मुताबिक इन तीनों ही धान की प्रजातियों के एक्सट्रेक्ट का प्रयोग स्तर मानव ब्रेस्ट कैंसर सेल्स (एमसीएफ -7) एवं मानव लंग कैन्सर सेल्स (ए-549)के प्रगुणन को रोकने के लिए किया गया था। अनुसंधान से पता चलता है कि इन तीनों प्रजातियों में मेथेनॉल में बने एक्सट्रेक्ट ने ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को न केवल रोक दिया बल्कि इन्हें नष्ट भी कर दिया। इसमें गठवन, महाराजी और लाइचा की धान प्रजाति ब्रेस्ट कैंसर सेल को नष्ट करने में सबसे प्रभावी साबित हुई।

इस तरह किया गया रिसर्च

1 कृषि विवि और भाभा सेंटर के विशेषज्ञों ने प्रारंभिक शोध में कैंसर सेल और स्वस्थ सेल पर इन चावलों के एक्सट्रैक्ट का उपयोग किया। इसमें पाया गया कि चावल के तत्वों ने न सिर्फ कैंसर सेल की वृद्धि को रोका बल्कि इसे काफी हद तक नष्ट भी किया। साथ ही राष्ट्रीय संस्थान से शोध होने पर यह काम आगे बढ़ा और इसके तहत जीवित प्राणी या जानवर पर टेस्टिंग जल्द हो सकेगी।

2 इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के राइस जर्मप्लाज्मा बैंक से धान की यह तीनों प्रजातियां ली गईं। शोध में पाया गया कि इनमें फेफड़े के कैंसर का इलाज करने का गुण है और वह भी सामान्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना। दावा है कि मरीज अगर रोज 200 ग्राम इन चावलों का सेवन करें तो शरीर में कैंसर रोकने वाले तत्वों की पर्याप्त मात्रा पहुंच जाएगी।

दो प्रमुख शोध संस्थानों के साथ अनुबंध

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के एसोसिएट डायरेक्टर (रिसर्च) डा. धनंजय शर्मा ने बताया कि रिसर्च में यह साफ हो गया है कि चावल की इन किस्मों में ऐसे तत्व हैं, जो कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से खत्म करते हैं। खासकर ब्रेस्ट और लंग्स कैंसर में यह काफी प्रभावी निकले हैं। इन तत्वों का पता लगाने के लिए कृषि विश्वविद्यालय ने देश के दो प्रमुख शोध संस्थानों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेकोलॉजी के साथ अनुबंध किया है। यह संस्थान इन तत्वों का पता लगाने के बाद कैंसर की दवाई बनाने पर भी काम करेंगे।

जल्द ही किसानों को उपलब्ध होगा बीज

वैज्ञानिकों के मुताबिक इन तीनों धान की किस्मों की ऊंचाई अधिक है, इसके चलते यह पकने के बाद भार ज्यादा होने से गिर जाती है। बताया जा रहा है कि इन प्रजातियों की ऊंचाई को कम करने के लिए या बौना करने के लिए म्यूटेशन ब्रीडिंग का प्रोग्राम भी भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई के साथ चल रहा है। अभी इस पूरी प्रक्रिया में साल भर का समय लग सकता है। इसके बाद किसानों को बीच उपलब्ध कराए जाएंगे। बीज उत्पादन करने के लिए भी केन्द्र की अनुमति जरूरी होगी जिसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की ओर से राज्य शासन की सहमति के बाद प्रस्ताव केन्द्र के पास जाएगा।

प्रयोग सफल रहा

धान की तीन पारंपरिक किस्मों में कैंसर निरोधी क्षमता पाई गई है। गठवन, महाराजी व लाइचा में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले हैं। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने धान की इन प्रजातियों के औषधीय गुणों का अध्ययन करने के लिए चूहों पर इसका प्रयोग किया जो सफल रहा। इस अनुसंधान से कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण जगी है।
- संजय नायर, जनसपंर्क अधिकारी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

शिक्षक ने अपनी सैलरी से मैदान की साफ-सफाई कराने का उठाया बीड़ा

बरसों से बंजर और वीरान पड़े मैदानों की खेल शिक्षक ने जनसहयोग से बदल दी तस्वीर

सुशील मालवीय ⏭ इछावर

एक स्पोर्ट्स शिक्षक ने अपने जज्बे, जुनून और जनसहयोग से नगर में वर्षों से बंजर और वीरान पड़े दो खेल मैदानों की तस्वीर बदल दी। शिक्षक ने इन मैदानों का कायाकल्प करने का बीड़ा उठाया। इसके लिए उन्होंने अपनी तनख्वाह तथा जनसहयोग से 4 हजार फीट लंबी एवं 6 फीट उंची बाउंड्रीवाल खड़ी कर मैदानों को संरक्षित किया। साथ ही पौधरोपण कर इनकों हरा-भरा भी कर दिया। करीब दो साल पहले रोपे गए यह पौधे उचित देखरेख की बदौलत आज पेड़ बनकर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहे हैं। व्यवस्थित और सुविधायुक्त इस खेल मैदान पर इस समय रोजाना बड़ी संख्या में खिलाड़ी दौड़, क्रिकेट, फुटबॉल आदि खेलों का अभ्यास करने पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं, समय-समय पर यहां पर विभिन्न खेलों की ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं।

उपेक्षित पड़े थे मैदान

नगर के गंजीबढ़ स्थित खेल मैदान और नादान रोड का दशहरा मैदान बरसों से उपेक्षित होने के कारण बदहाल पड़े थे। स्पोर्ट्स टीचर आशुतोष जोशी ने चार साल पहले इन मैदानों को सहेजने और संवारने का बीड़ा उठाया। शिक्षक ने अपनी सैलरी से मैदान की साफ-सफाई कराने के साथ ही कायाकल्प के इस अभियान में अपने कुछ ओर साथियों को जोड़कर नवरत्न ग्राम देवी के नाम से एक समिति बनाई। समिति के सदस्यों ने दिन-रात मेहनत और सहयोग करते हुए नगर के अन्य लोगों को भी सहयोग के लिए प्रेरित किया। परिणाम यह हुआ कि दोनों मैदान सहित हनुमान मंदिर परिसर की करीब 4 हजार फीट लंबी एवं 6 फीट उंची बाउंड्रीवाल उठाकर न सिर्फ इनको संरक्षित किया। बल्कि दशहरा मैदान में एक विशाल द्वार बनाकर इसकी भव्यता को और बढ़ा दिया। इसके अलावा खेल मैदान और मंदिर पहुंच मार्ग के दोनों ओर व्यवस्थित कार्ययोजना के साथ पौधरोपण कर मार्ग व मैदान को हरा-भरा बना दिया। समिति के कमलेश राठौर, जितेंद्र राठौर ने बताया कि उक्त मैदान उपेक्षा के कारण बदहाल थे। चारों ओर से खुले होने के कारण लोग यहां गंदगी फेंकते थे, साथ ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था। लेकिन अब इनका पूरा नजारा ही बदल गया है। पेड़ों की छाया और सुंदरता यहां आने वाले खिलाड़ियों और लोगों को सुकून का अहसास दिलाती है।

दानदाताओं को सम्मानित भी करते हैं

-शिक्षक आशुतोष जोशी का कहना है कि दोनों मैदानों के साथ ही हनुमान मंदिर परिसर की करीब 4 हजार लंबाई की बाउंड्रीवाल एवं दो प्राचीन कुओं की का रंग-रोगन आदि कार्य समिति और जनसहयोग से किए गए हैं। समिति जनसहयोग के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए उनके द्वारा अथवा पूर्वजों व चहेतों की स्मृति में दी जाने वाली सामग्री व उपकरण पर दानदाता का नाम अंकित करवाते हैं। साथ ही आयोजित कार्यक्रमों में दानदाताओं को सम्मानित करने का काम भी किया जाता है। यही कारण है कि लोग अपना सहयोग देने के लिए तैयार रहते हैं।

दर्जनभर से अधिक प्रजाति के पौधे रोपे

खेल मैदानों के साथ ही करीब आधा किमी मंदिर पहुंच मार्ग के दोनों ओर नीम, पीपल, सप्तपर्णी, अशोक, शीशम सहित दर्जनभर से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनमें से तीन दर्जन से अधिक पौधे इस समय पेड़ बनकर लहलहा रहे हैं।

अनजान फरिश्तों ने बदल दी जिंदगी

किडनी प्रत्यारोपण के बाद खत्म हुई समस्या अब स्वस्थ जिंदगी गुजार रहे कई लोग

विकास शर्मा
रायपुर

राज्य में केडेवर डोनेशन की शुरुआत के बाद डायलिसिस और दवाओं के भरोसे जिंदगी जीने वाले किडनी-लिवर की गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों की जिंदगी में बदलाव की किरण नजर आने लगी है। ऐसे मरीजों के लिए ब्रेनडेड होने वाले मरीज किसी मसीहा से कम साबित नहीं हो रहे हैं। एक साल के भीतर पांच लोगों ने अपनी अंतिम सांस लेने के पहले अपनी किडनी-लिवर और आंखों को दान देकर पच्चीस लोगों की जिंदगी बदल चुके हैं। इनके शरीर के एक-एक अंग जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान साबित हो रहे हैं। हरिभूमि टीम ने ऐसे ही कुछ मरीजों से प्रत्यारोपण के बाद जिंदगी में हुए बदलाव के बारे में जानने का प्रयास किया। ज्यादातर मरीज उन अनजान फरिश्तों को धन्यवाद देते थक नहीं रहे हैं जिनके सहारे उनका जीवन अब सामान्य तरीके से गुजरेगा।

छात्रों को सेहतमंद रहने का तरीका सिखाएंगे पीटी मास्ट जफरउल्लाह

राज्य में शुरु हुई केडेवर डोनेशन की परंपरा के बाद किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यायाम शिक्षक जफरउल्लाह सिद्धकी की जिंदगी में बदलाव की बयार नजर आने लगी। अनजान फरिश्ते से मिली किडनी के प्रत्यारोपण के बाद उनकी सारी शारीरिक समस्या दूर हो गई। पीटी के शिक्षक अब नियमित रुप से अपने स्कूल के छात्रों को सेहतमंद रहने की तरीका सिखाएंगे। रायगढ़ जिले के कोतरलिया उमा. शाला के शिक्षक जफरउल्लाह शासकीय स्कूल में पीटी के टीचर थे और नियमित रुप से स्कूल के बच्चों को व्यायाम करना सिखाते थे। अपनी नियमित दिनचर्या के दौरान उन्हें करीब नौ माह पहले अचानक कमजोरी सी महसूस होने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज से लाभ नहीं होने पर वे राजधानी के अस्पताल तक पहुंचे जहां जांच के बाद मिली रिपोर्ट से उनके साथ पूरा परिवार दुखी हो गया। रिपोर्ट में उनकी दोनों किडनी खराब होने की जानकारी था, परिवार वाले किडनी देने को तैयार थे मगर मैच नहीं हो पा रहा था। हताशा के बीच एक छोटी सी उम्मीद की किरण के बीच सोटो कार्यालय में अपना पंजीयन कराया। उनका इंतजार कुछ माह के भीतर पूरा हो गया और ब्रेनडेड शख्स से मिली किडनी का उनके शरीर में प्रत्यारोपण किया गया। कुछ दिन अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में रहने के बाद वे स्वस्थ हो गए। किडनी मिलने के बाद उनकी सारी समस्या दूर हो चुकी है अब वे सामान्य तरीके से जिंदगी बिता रहे रहे हैं और अपने स्कूल के छात्रों को जीवन में स्वस्थ रहने के तरीके सीखा रहे हैं। पीटी मास्टर जफर उल्लाह का कहना है कि उनके शरीर में किसकी किडनी प्रत्यारोपित की गई वह जरूर कोई मसीहा रहा होगा जिसने अपना जीवन त्यागने के दौरान दूसरों की जिंदगी में बदलाव ला दिया।

अब दीनानाथ बन सकेगा प्रोफेसर

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम गोखा में रहने वाला 20 साल का दीनानाथ अब कालेज में प्रोफेसर बनने के लक्ष्य को पूरा कर पाएगा। कृषक परिवार से संबंधित दीना बीएससी का छात्र है। कुछ साल पहले पढ़ाई के दौरान उसे अक्सर नींद आती थी कोई काम में मन नहीं लगता था और अक्सर थकान महसूस होती थी। घरवाले उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए तो पता चला कि उसकी दोनों किडनी गंभीर रोग की वजह से खराब हो चुकी है और उसे सप्ताह में दो बार डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी। बीमारी की वजह से उसकी पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी थी। इकलौते बेटे की बड़ी बीमारी से उसके माता-पिता भी दुखी हो चुके थे मगर बेबसी की वजह से कुछ कर नहीं पा रहे थे। उन्हें चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट कराने का रास्ता बताया और एक शासकीय अस्पताल के माध्यम से उसका पंजीयन भी करवाया। डायलिसिस और दवा के दौरान उसके कुछ महीने गुजरे और इंतजार खत्म हो गया। संबंधित अस्पताल में एक ब्रेनडेड का मामला आया और उससे मिले गुर्दा की मदद से दीना की जिंदगी में बदलाव हो गया। अब वह दोगुनी हिम्मत और जोश के साथ प्रोफेसर बनने की तैयारी में जुट चुका है। अधूरी पढ़ाई पूरी करने के लिए अब वह दिनरात एक करने लगा है। बीस साल के इस बच्चे की जिंदगी में बदलाव करने वाले डाक्टर, चिकित्सकीय टीम के साथ उस अपरिचित को धन्यवाद देने के लिए दीनानाथ और उसके माता-पिता सहित परिवार के शब्द कम पड़ने लगे है।

डिंडोरी की मिलेट्स वूमेन लहरी बाई

एक ताकतवर दाने ने बदल दी लोगों की डाइट

जब मैं 12 साल की थी तो दादा और दादी ने कहा कि यदि यही हालात रहे तो एक दिन मोटे अनाज की किस्में विलुप्त हो जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बीज बैंक का काम मैंने यह सोच कर आरंभ नहीं किया था कि मुझे शोहरत मिलेगी। मैं खेतिहर बैगा समुदाय से हूं। जब मैं करीब 12 साल की थी तब हमें पारंपरिक खेती में दिक्कत हुई, क्योंकि बीज नहीं मिल रहे थे।

मेरे दादा और दादी ने इस समस्या पर विचार किया और मुझसे बोले की यदि यही हालात रहे तो एक दिन मोटे अनाज की किस्में विलुप्त हो जाएंगी। उनके कहने पर मैंने बीज संरक्षण आरंभ किया और बीज बैंक बनाया। मैं किसानों को बीज देती हूं और पैसे के स्थान पर फसल उगने पर उनसे कुछ अधिक मात्रा में अनाज लेकर बीज के रूप में संरक्षित करती हूं। यह कहना है मिलेट वूमेन आफ इंडिया लहरी बाई का। मिलेट्स की ब्रांड एंबेसडर के रूप में मशहूर हो चुकी लहरी बाई आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर चुकी हैं। हरिभूमि से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे अपने काम पर गर्व है और मुझे आज भी अपने बीजों की, फसल की और फसल कटाई को लेकर चिंता रहती है। डिंडौरी में हमारा स्व-सहायता समूह मेरे इन कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

डिंडौरी जिले के सिलपिढी की रहने वाली लहरी बाई वैसे तो बीज संरक्षण का काम करीब 18 साल से कर रहीं हैं। ऐसा करके वे अपने जिले के पारंपरिक किसानों की मदद कर रही थीं। यूनेस्को ने साल 2023 को मिलेट्स वर्ष घोषित किया तो मिलेट्स के लिए काम करने वाले लोगों की खोज-बीन होने लगी। और इस प्रकार एक छोटे से गांव की लहरी बाई ने एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धी पाई और बन गई मिलेट्स की ब्रांड एंबेसडर।

बिना किसी मदद के चला रहे रिहैब फाउंडेशन

फिलिप दंपती ने हजारों मानसिक दिव्यांगों का रेस्क्यू किया, रोशन की उनकी जिंदगी

राजेश रंजन
सिन्हा/ रायगढ़

किसी ने आपके बुरे वक्त में आपकी मदद की है तो आप समाज को उसे कैसे लौटाओगे यह आप पर निर्भर करता है। कुछ इन्हीं जज्बों के साथ दीन दुखियों की सेवा में जुटे हैं रायगढ़ रिहैब फाउंडेशन के अध्यक्ष फिलिप थॉमस एवम उनकी दिव्यांग पत्नी जस्सी फिलिप। रायगढ़ में बिना किसी सरकारी मदद के आशा वृद्धाश्रम एवं सारंगढ़ में आशा प्रसादम देखभाल केंद्र चला रहे हैं।

श्री फिलिप के अंदर सेवा का जज्बा ऐसा है कि सुबह 5 बजे उठकर वे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं फुटपाथ पर सोए लाचार बीमार लोगों को चाय नाश्ता कराते हैं। बेघर व्यक्ति को बृद्धाश्रम में लाकर नहलाना साफ सुथरे कपड़े देना एवं उनके रहने की व्यवस्था करते हैं। श्री फिलिप बताते हैं कि अब तक उन्होंने हजारों लोगों को बृद्धाश्रम में आसरा दिया है। ज्यादा बीमार व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना कई बार गम्भीर रूप से बीमार व्यक्ति को बड़े सेंटर भी भेजते हैं। कैन्सर जैसे गम्भीर बीमारी के मरीजों को रायपुर भर्ती कराते हैं।

सैकड़ो लोगों को कर चुके हैं रक्तदान

फिलिप दंपती लापता, बीमार या लाचार व्यक्ति फिर वो महिला हो या पुरूष हो, इन सभी जरूरतमंदों का पता लगाकर पहले उन्हें रेस्क्यू करता है, फिर उनकी स्थिति में सुधार होने तक उनकी निःशुल्क सेवा के बाद विभिन्न माध्यमों से उनके परिवार वालों का पता लगाकर उन्हें सूचना देकर विधिवत उन्हें वापस परिजन को सुरक्षित सौंपते हैं। फिलिप और जस्सी न सिर्फ बृद्धा दिव्यांगों असहायों की सेवा करते हैं बल्कि एक दिव्यांग जीवनसाथी चुनकर उन्हें जीने की नई राह भी दिखाते हैं। फिलिप बताते हैं कि उनकी संस्था के माध्यम से वे दर्जनों दिव्यांगों के विवाह करवा चुके हैं।

जीवन की दिलचस्प कहानी

फिलिप के जीवन की कहानी बेहद दिलचस्प है। फिलिप के पिता खरसिया नगर पालिका में इंजीनियर थे। वहीं वीजी वर्गीस जो स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे दवाएं बांटने आया करते थे। केरल के मलियाली होने के कारण घनिष्टता बढ़ गयी थी। फिलिप की मां का निधन बचपन में ही हो गया था और पिता फिलिप और उसकी बहनों को छोड़कर सऊदी अरब चले गए। इधर फिलिप और उसकी बहन की तबियत बहुत खराब हो गयी। तब वीजी वर्गीस खरसिया से तीनों भाई बहनों को रायगढ़ ले आए एवं इनको अपने घर में रखकर इलाज करवाया और देखभाल की। वहीं फिलिप की मुलाकात वीजी वर्गीस की दिव्यांग पुत्री जस्सी वर्गीस से हुई। जस्सी को मन ही मन वे चाहने लगे। फिलिप को लगने लगा कि एक अनजान परिवार किस तरह एक अनजान परिवार की मदद कर रहा है। वहीं से फिलिप ने मन मे असहाय दिव्यांग जनों, गरीबों की मदद का संकल्प लिया। 1996 में फिलिप ने जस्सी से विवाह किया। दोनों पति पत्नी मिलकर गरीब असहाय दिव्यांगों की सेवा रिहैब फाउंडेशन के माध्यम से कर रहे हैं।

उद्देश्यों पर खरा उतरता रीहैब फाउंडेशन

फिलिप बताते हैं कि रीहैब फाउंडेशन अपने उद्देश्यों में खरा उतरा है। यहां पर वृद्धों के रहने, भोजन, चिकित्सा सभी की व्यवस्था की गई है। वृद्धों के लिए रीहैब फाउंडेशन बहुत ही अनुकरणीय पहल है। पिछले सात वर्षों से यह संस्था अपना काम कर रही है जिसमें निराश्रित वृद्धों, घर से निकाले गए या दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण गुम हुए वृद्धों- दिव्यांगों को आश्रय दिया जाता है। उनकी सभी तरह से देखभाल की जाती है, उनके रहने, खाने- पीने व चिकित्सा सहित सभी प्रकार की सुविधाएं दी जाती है जिसका संचालन फिलिप दंपती के हाथों में है। श्रीमती जस्सी फिलिप जो स्वयं दिव्यांग हैं मगर उनकी इच्छाशक्ति इतनी मजबूत है कि वह भरपूर आत्मविश्वास के साथ यह कार्य कर रही हैं। इसके पहले भी वे सीडब्ल्यूसी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, बाल सदन व दिव्यांगों के लिए भी अपनी सेवा दे चुकी है।

धन्यकुमार जैन
राजनांदगाव

संत की सोच ने बदली धारा, जुर्म से तौबा बढ़ा धर्म, गुरू और अपनों से लगाव

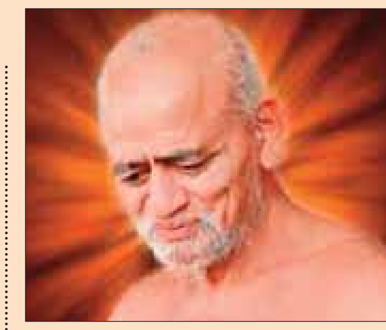

सकारात्मक सोच के साथ संत के विचार, उनके आदर्श का समावेश हो जाए तो बड़ा बदलाव आने और जीवन की धारा बदलने में देर नहीं लगती, जिसका परोक्ष उदाहरण जगदलपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों के जेल में देखा जा सकता है। इन जेलों में सजायाफ्ता कैदी जैनाचार्य विद्यासागर महाराज की प्रेरणा से अपराध की दुनिया से बाहर निकलकर सम्मानजनक जीवन गुजारने की सार्थक कोशिश कर रहे हैं, जिसमें उन्हें कामयाबी भी मिल रही है।

जैन समाज के बड़े संत विद्यासागर जी महाराज की सोच के चलते सागर, जगदलपुर, तिहाड़ जेल दिल्ली, शिवपुरी, आगरा, मथुरा, मंडोली, मिर्जापुर जेल सुधार गृह के रूप में तब्दील हो गए हैं। इन जेलों मे बंद अपराधियों को आपराधिक प्रवृत्ति से बाहर निकालकर उन्हे हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आपराधिक सोच से बाहर निकलकर सम्मान के साथ गुजर-बसर कर सकें। इन जेलों में सजायाफ्ता लोगों को हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। जेल में निरुद्ध रहने के दौरान यह लोग कपड़ा बुनकर परिवार की आर्थिक मदद करते हैं और बाहर आने के बाद स्वरोजगार से जुड़े रहते हैं।

नवाचार की शुरुआत

जेल में निरुद्ध बंदियों की मानसिकता में परिवर्तन, उन्हे स्वरोजगार से जोड़ने, बिखरते परिवारों को बचाने और अपराध मुक्त समाज बनाने की सोच को आचार्य विद्यासागर महाराज ने विभिन्न मौकों पर व्यक्त करते रहे हैं। आचार्य श्री की सोच के अनुरूप सागर केंद्रीय जेल में प्राइवेट पार्टनरशिप प्रोजक्ट के तहत हथकरघा केंद्र की स्थापना एमपी के तत्कालीन जेल महानिदेशक संजय चौधरी, जेल अधीक्षक राकेश भांगरे ने सम्यक दर्शन सहकार संघ जबलपुर के सहयोग से की थी। केंद्रीय जेल सागर में बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए खजुराहो चातुर्मास के दौरान जेल अधीक्षक श्री भांगरे और सहायक जेल अधीक्षक नागेंद्र चौधरी ने प्रस्ताव रखकर जैन समाज से सहयोग करने का आह्वान किया।

बंदियों ने की नशा व मांसाहार से तौबा

तिहाड़ जेल दिल्ली के नंबर 1 शाखा में जब आचार्य श्री द्वारा प्रेरित हथकरघा केंद्र का शुभारंभ किया गया तो वहां मौजूद 2200 कैदियों ने एक साथ गीता और विद्यासागर महाराज के चित्र के सामने शपथ ली था कि वह जब तक जीवित रहेंगे तब तक मांसाहार और शराब का सेवन नहीं करेंगे।

आ रहा बदलाव

पूर्व डीएसपी डॉ. रेखा जैन बताती हैं कि आचार्य श्री की इस पहल के बाद कैदियों में काफ़ी बदलाव देखने मिल रहा है। सजा के दौरान हथकरघा चलाने के बाद उन्हें मेडिकल चेकअप की जरूरत कम पड़ रही है। जेल में कैदियों के बीच आपसी विवाद की घटनाओं में भी कमी आई है। उनमे परिजनों, धर्म और गुरुओ के प्रति लगाव बढ़ा है।

10 राज्यों में पानी सफाई का खर्च हुआ आधा, बॉयोटेक वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शर्मा के प्रयोग से देश के तालाब और नदियां हो रहीं साफ

छत्तीसगढ़ में बना ई-बॉल नेपाल और फ्रांस की नदियों को कर रहा साफ

किसी भी शहर की नदी, तालाब और नालियां अगर साफ और स्वच्छ हैं तो वह शहर लोगों की नजर में भी खूबसूरत बन जाता है। सफाई के नाम पर राज्यों में करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, लेकिन इसके बाद भी जाम नालियों, नदियों में गंदगी और तालाब साफ नहीं हो पाते हैं। इस समस्या को खत्म करने छत्तीसगढ़ में बना ई-बॉल अब देश के साथ अब विदेश में इसकी मांग अब बढ़ गई है। विदेशी नदियों को साफ करने का कार्य जारी है। 5 रुपए की ई-बॉल गंदे पानी को पूरी तरह से साफ कर रही है।

90 दिन तक रहती है प्रभावी

ई-बॉल बैक्टीरिया और फंगस का मिश्रण है। इसमें मुख्य रूप से टी-64 और एलबी-2 बैक्टीरिया का उपयोग किया गया है। यह मिश्रण हर पीएच और 45 डिग्री तापमान पर भी सक्रिय होकर काम कर सकता है। ई-बॉल में मौजूद लाभदायक सूक्ष्मजीव नाली या तालाब के गंदे पानी में जाते ही वहां के ऑर्गेनिक वेस्ट से पोषण लेना चालू कर अपनी संख्या में तेजी से वृद्धि करते हैं तथा पानी को साफ करने लगते हैं। एक ई-बॉल करीब 100 से 150 मीटर लंबी नाली को साफ कर देती है। एक बार ई-बॉल का प्रयोग करने के बाद यह 90 दिन तक प्रभावी रहती है।

ललित राठौड़
रायपुर

विदेश के प्रशासन ने बताया असरदार

बीते दिनों स्वच्छता कार्यक्रम दिल्ली में आए विदेशी मेहमानों को छत्तीसगढ़ की ई-बॉल खूब पसंद आई। पानी को साफ करने कुछ ई-बॉल वे साथ भी लेकर गए थे। पानी में ई-बॉल का असर देखकर नदियों और नालियों को साफ करने के लिए नेपाल और फ्रांस से मांग मिली। विदेशी प्रशासन ने भी इसे असरदार बताया है। वैज्ञानिक ने कहा कि ई-बॉल की कीमत कम होने से राज्य के साथ विदेश में भी इसका उपयोग बढ़ रहा है।

महानगरों की नालियों की भी सफाई

महानगरों में जाम नालियों की बदबू से लोग परेशान रहते हैं, जिसे खत्म करने छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, यूपी व बिहार समेत आंध्रप्रदेश, केरल और राजस्थान, मध्यप्रदेश में ई-बॉल का उपयोग किया जा रहा है। 500 से 800 ई-बॉल से बिना मशीन और कर्मचारी के एक तालाब को साफ किया जा रहा है, जिसका खर्च 2 से 3 हजार तक आता है। इसी तरह नालियों की साफ-सफाई कम खर्च में हो रही। ई-बॉल को नाली में डालते ही पानी में ऑक्सीजन मात्रा अधिक, कार्बन में कमी और पानी का टीडीएस कम पाया गया है। इससे जीव-जंतु भी पानी पी सकते हैं।

बॉयोटेक वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शर्मा ने बताया कि 13 सालों की मेहनत से ई-बॉल को तैयार किया है। ई-बॉल में बैक्टीरिया और फंगस का मिश्रण है। इसमें मुख्य रूप से टी-64 और एलबी-2 बैक्टीरिया का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि पानी में ई-बॉल डालते ही सप्ताहभर के भीतर इसका असर पानी में देखने को मिलता है। इसका प्रभाव देखते हुए नेपाल और फ्रांस से ई-बॉल की मांग हुई थी, जो उन्हें उपलब्ध कराई जा चुकी है। वहां की नदियों और नालियों को साफ करने छत्तीसगढ़ की ई-बॉल रामबाण बन चुकी है। दोनों देशों में अभी तक लगभग 2 हजार से अधिक ई-बॉल भेजी जा चुकी है।

देश के 550 तालाबों का पानी हुआ साफ

ई-बॉल की मदद से देशभर के 550 तालाबों को साफ किया जा चुका है। साथ ही 300 से अधिक तालाबों और नदियों को साफ करने का काम जारी है। वैज्ञानिक ने बताया कि 10 राज्यों में पानी को साफ करने दो साल में 6 लाख से अधिक ई-बॉल बनाकर भेजी जा चुकी है। वर्तमान में 30 हजार से अधिक ई-बॉल तैयार कर विभिन्न राज्यों में भेजी जा रही है। इस बार बिहार में छठ पूजा घाट, गंगा घाट समेत विभिन्न नदियों के गंदे पानी, कचरे और जलकुंभी को ई-बॉल की मदद से पूरी तरह खत्म किया गया है। छत्तीसगढ़ में दलपत सागर, रायपुर महादेवघाट समेत 4 अन्य तालाब के साथ 14 जिलों के तालाबों को साफ किया गया है। ई-बॉल के प्रयोग से लाखों रुपए की बचत हो रही है और सफाई का खर्च कुछ हजार रुपए तक ही आ रहा है।

छोड़ी दुबई की चकाचौंध वाली जिंदगी और 60 लाख का पैकेज

फसलों को रसायन मुक्त बनाने की अलख जगा रहा श्योपुर का रामदेव

बेटे को पढ़ाने पिता ने जिन खेतों को गिरवी रखा, उन्हीं पर वह अब कर रहा जैविक खेती

मनोज अग्रवाल ⏭ श्योपुर

अपनी मातृभूमि की चिंता और राष्ट्र प्रेम क्या होता है यह बात कोई श्योपुर जिले के छोटे से गांव मठेपुरा में रहने वाले इंजीनियर रामदेव माहोर से सीखे, जिन्होंने फसलों को रसायन मुक्त बनाने का अभियान छेड़ने के लिए दुबई की चकाचौंध वाली जिंदगी और 60 लाख रुपए के पैकेज को भी छोड़ कर गांव में ही स्थित अपने खेतों में जैविक आधारित खेती शुरू करते हुए अन्य किसानों को भी रासायनिक खेती के नुकसान और जैविक आधारित खेती के लाभ बताना युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। श्योपुर के नजदीकी गांव मठेपुरा निवासी गरीब किसान परसराम के घर जन्मे रामदेव ने अपनी पढ़ाई स्कॉलरशिप और रिश्तेदारों के सहयोग से पूरी की। उनके पिता को रामदेव की पढ़ाई का सपना पूरा करने के लिए अपने खेत भी गिरवी रखने पड़े। परेशानियों को झेलते हुए इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनकी अच्छी रेटिंग को देखते हुए वर्ष 2005 में आदित्य बिरला ग्रुप ने उन्हें 9 लाख के पैकेज पर ओडिशा में नौकरी करने भेजा, जहां उनके काम से प्रभावित होकर उन्हें दुबई की कंपनी एमिरेटस्स टैक्स ग्लोबल अल्युमिनियम यूनाइटेड अरब अमीरात ने 60 लख रुपए के पैकेज पर दुबई बुला लिया। वर्ष 2016 से 2020 तक दुबई में नौकरी करने के बाद रामदेव ने अचानक दुबई जैसी विश्व की सबसे चकाचौंध करने वाली सिटी की लग्जरी जिंदगी और 60 लाख के पैकेज को छोड़कर देश और गांव में ही बसने का निर्णय लिया। उनके इस निर्णय से परिजन और रिश्तेदार भौंचक थे, लेकिन अपनी धुन के पक्के रामदेव ने अपने खेतों में जैविक आधारित फैसले उगाना और इसके लिए अन्य किसानों को भी प्रेरित करने का काम किया जो अनवरत जारी है।
खेती को रसायन मुक्त बनाने की उनकी इस धुन से जहां कई लोग अचंभित हैं, वही कई किसान उनसे प्रेरणा लेकर अपनी जमीनों और जिंदगी को बचाने के लिए जैविक पद्धति अपना रहे हैं।

दुबई की पारदर्शिता से मिली प्रेरणा

दरअसल, दुबई में ऐसा कोई भी प्रोडक्ट नहीं बेचा जाता, जिस पर उसको तैयार करने की विधि न लिखी हो। यानी आपको चावल और गेहूं भी लेना होगा तो उस पैकेट पर उसे तैयार करने की विधि भी लिखी होगी, यानी खेती में कौन कौन से रसायन (खाद आदी) का उपयोग किया गया अथवा कीटनाशकों का छिड़काव किया, लिखना जरूरी होगा। जबकि हमारे देश में कई तरह के रसायन और कीटनाशकों का प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है। रामदेव अपने खेतों में जैविक आधारित सब्जियां और फसलों का उत्पादन करते हैं। इन सब्जियों और फसलों को वह होम डिलीवरी बिक्री करते हैं। रामदेव ने हाल ही में एक बीघा खेत में जैविक धान का उत्पादन किया था, जिसे चावल निकलवा कर उन्होंने 100 रूपए किलो इसी तरह उपभोक्ताओं को होम डिलीवर किया था।

कई समाजों में व्याप्त नातरा, झगड़ा कुप्रथा मिटाने के प्रयास में लगी है लाल चुनर गैंग

बेटियों के लिए ढाल बनी लाल चुनर गैंग

नातरा कुप्रथा से 900 बेटियों को बचाया

चुनर समूह राजगढ़ जिले सहित रतलाम, नीमच, आगर मालवा, मंदसौर आदि जिलों में 6 साल से काम कर रहा

सुनील गोले ⏭ राजगढ़

राजगढ़ सहित प्रदेश के अन्य जिलों के कई समाजों में महिलाओं की खरीद-फरोख्त से जुड़ी नातरा, झगड़ा जैसी सामाजिक कुप्रथाएं व्याप्त हैं। ये कुप्रथाएं समाजों में काफी गहरे तक अपनी जड़ें जमा चुकी हैं, लेकिन अब धीरे-धीरे सामुहिक प्रयासों से इनमें कमी आती जा रही है।

इन कुप्रथाओं के उन्मूलन का बीड़ा उठाया राजगढ़ जिले की सामाजिक कार्यकर्ता मोना सुस्तानी ने। श्रीमती सुस्तानी ने 2019 में लाल चुनर नाम से एक समूह बनाया। यह लाल चुनर समूह राजगढ़ जिले सहित रतलाम, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर आदि जिलों में छह साल से काम कर रहा है। लाल चुनर समूह की संरक्षक मोना सुस्तानी बताती हैं कि अब तक करीब 1500 से अधिक बेटियों ने उसने मदद मांगी, जिनमें से 900 बेटियों को उक्त दोनों कुप्रथाओं से बचाकर 400 बेटियों के पुनर्विवाह कर उनकी गृहस्थी बसाई गई है।

इस प्रथा में बचपन में लड़की का विवाह होने के बाद (बाल विवाह) अगर बाद में लड़की उस लड़के से शादी नहीं करना चाहती या किसी अन्य कारण से शादी टूटती है तो इसके एवज में लड़की के पिता पक्ष को सामाजिक पंचायतों द्वारा झगड़े के रूप में सुनाई गई हर्जाने की रकम चुकानी पड़ती है। यह रकम 5 से लेकर 15 लाख तक होती है। बाल विवाह वाले लड़के को छोड़कर अगर किसी अन्य लड़के से उस लड़की का विवाह कर दिया जाता है तो पिता या दूसरे पति को झगड़े की यह राशि पहले पति को देनी होती है। इस पूरी कुप्रथा में समाजों के दलाल भी अपनी भूमिका निभाते हैं, जिन्हें तय हुई झगड़े की रकम में से राशि मिलती है।

'भोपाल सिटी इन्फॉरमेशन पोर्टल'

भूखों को खाना देना हो, असहायों की मदद करनी हो..सारी सूचना मिलेगी

जसप्रीत सिंह ⏭ भोपाल

241.4 हजार मेंबर्स वाले 'भोपाल सिटी इन्फॉरमेशन पोर्टल' के एडमिन रजनीश खरे बताते हैं कि 15-16 साल पहले हंसी-मजाक में ही मैंने यह पोर्टल बनाया था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि इतनी बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़ते जाएंगे और यह पोर्टल एक तरीके से लोगों को मदद उपलब्ध कराता रहेगा। आज इसके 241.4 हजार मेंबर्स हैं और इस पोर्टल के लिए मैंने छह लोगों की एक टीम बनाई है, जो इस पोर्टल को देखती है और लोगों की क्वेरीज का फॉलो-अप भी देती है। आईटी कंस्लटेंट रजनीश ने कहा कि सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो कई माध्यमों से मददगार साबित हो सकता है और यह पोर्टल सोशल मीडिया के इसी रूप को साकार करता है। जहां आप देखेंगे कि रोजाना हजारों क्वेरीज आती हैं और सबसे अच्छी बात उन क्वेरीज का हल भी मिलता है, कई माध्यमों से यह पोर्टल लोगों को मदद पहुंचाता है। फिर वो रोजगार उपलब्ध कराना हो, असहाय की मदद हो या फिर भूखों को खाना उपलब्ध कराना। इस पोर्टल पर हर समुदाय जुड़ता है और उसे किसी न किसी प्रकार से मदद मिल ही जाती है।